THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 324 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) फाल्गुन कृ.2 2079 मंगलवार, 7 फरवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भूकंप से 2300 मौतें

> तुर्किये में सबसे ज्यादा 7000 लोग मारे गए, सीरिया में 805-भारत मदद भेजेगा

अंकारा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट के चार देश तुर्किये (पुराना नाम तुर्की), सीरिया, लेबनान और इजराइल सोमवार सुबह भूकंप से हिल गए। यहां 12 घंटे में बड़े भूकंप आए। सबसे ज्यादा तबाही एपिसेंटर तुर्किये और उसके नजदीक सीरिया के इलाकों में देखी जा रही है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, तुर्किये और सीरिया में अब तक 2300 लोगों की मौत हो चुकी है। लेबनान और इजराइल में भी झटके महसूस किए गए, लेकिन यहां नुकसान की खबर नहीं है। तुर्किये में अब तक 1498 लोगों की जान जा चुकी है। 7 हजार लोगों के घायल होने की खबर है। सीरिया में 805 लोग मारे गए और 2 हजार से ज्यादा जख्मी हैं।

टर्किश मीडिया के मुताबिक, 3 बड़े झटके आए। पहला तुर्किये के वक्त के मुताबिक, सुबह करीब चार बजे (7.8) और दूसरा करीब 10 बजे (7.6) और तीसरा दोपहर 3 बजे (6.0)। इसके अलावा 78 आफ्टर शॉक्स दर्ज किए गए। इनकी तीव्रता 4 से 5 रही।

भूकंप का एपिसेंटर तुर्किये का गाजियांटेप शहर था

भूकंप का एपिसेंटर तुर्किये का गाजियांटेप शहर था। यह सीरिया बॉर्डर से 90 किमी दूर है। इसलिए इसके आसपास के इलाकों में ज्यादा तबाही हुई। इसका असर भी दिख रहा है। दमिश्क, अलेप्पो, हमा, लताकिया समेत कई शहरों में इमारतें गिरने की खबर है।

भारत सरकार मदद के लिए रेस्क्यू टीम-राहत सामग्री भेज रही है :

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तुर्किये में आए भूकंप में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की संवेदनाएं तुर्किये के साथ हैं। भारत सरकार मदद के लिए राहत सामग्री के साथ एनडीआरएफ और मेडिकल टीमों के खोज और बचाव दलों को तुर्की भेज रही है।

तुर्की का नाम अब तुर्किये हो गया है। राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोआन की सरकार ने इसके लिए कोशिश शुरू की थी। नए नाम तुर्किये को यूएन ने मान्यता दी है।

इन शहरों में हुई सबसे ज्यादा तबाही

अंकारा, गाजियांटेप, कहरामनमारस, डियर्बकिर, मालट्या, नूरदगी समेत 10 शहरों में भारी तबाही हुई। यहां 1,710 से ज्यादा बिल्डिंग गिरने की खबर है। कई लोग मलबे के नीचे दबे हैं। लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। कई इलाकों में इमरजेंसी लागू कर दी गई है।

तेलंगाना के बजट में जनकल्याण को प्राथमिकता

वित्त मंत्री हरीश राव ने पेश किया 2.90 लाख करोड़ रुपये का बजट

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने सोमवार को यहां राज्य विधानसभा में 2023-24 के लिए 2,90,396 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह पिछले बजट 2022-23 से 2.56 लाख करोड़ से करीब 34,000 करोड़ रुपये ज्यादा है। कुल राजस्व व्यय 2,11,685 करोड़ रुपये और पूंजीगत व्यय 37,525 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

बजट की खास बात यह है कि अनुबंधित कर्मचारियों के नियमितीकरण, सिंचाई के लिए 26,885 करोड़ रुपये, कृषि के लिए 26,831 करोड़ रुपये, शिक्षा के लिए 19,093 रुपये, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के लिए 12,161 करोड़ रुपये, ऊर्जा के लिए 12,727 करोड़ रुपये, असरा पेंशन के लिए 12,000 करोड़, दलित बंधु के लिए 17,700 करोड़ का आवंटन किया गया है। इसी क्रम में अनुसूचित जातियों के लिए विशेष विकास निधि के लिए 35,750 करोड़ रुपये, अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष विकास निधि के लिए 15,233 करोड़ रुपये, पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए 6,229 करोड़ रुपये, कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक के लिए 3,210 करोड़ रुपये, अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए 2,200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। इसके साथ ही पूरे तेलंगाना में केसीआर पोषण किट को लागू करने का निर्णय लिया गया।

राज्य सरकार ने ताजा बजट में अधोसंरचना विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता दी है। सड़कों और भवनों की सड़कों के रखरखाव के लिए कुल 2,500 करोड़ रुपये और पंचायत राज सड़कों के रखरखाव के लिए 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। हरीश राव ने बताया कि विभिन्न सरकारी विभागों में नई भर्तियों के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं। विश्वविद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य में पहले प्रगति और पट्टन प्रगति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए, राज्य सरकार वित्त आयोग के अनुदान के साथ-साथ स्थानीय निकायों के बैंक खातों में सीधे राज्य के बराबर हिस्सा जारी करेगी।

दिल्ली में मेयर चुनाव तीसरी बार टला

10 नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोट की मंजूरी के बाद हंगामा, सुप्रीम कोर्ट जाएगी आप

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में मेयर चुनाव तीसरी बार टल गया है। एमसीडी की अध्यक्षता कर रहे सत्य शर्मा ने सोमवार को कहा कि उप-राज्यपाल ने जिन 10 मेंबर्स को नॉमिनेट किया है, वो वोट डाल सकेंगे। 10 नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोट की मंजूरी मिलने के बाद भाजपा और आप के मेंबर्स ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद एमसीडी सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

इससे पहले 6 और 24 जनवरी को भी चुनाव नहीं हो पाए थे। भाजपा ने एलजी वीके सक्सेना से सत्र फिर से बुलाने के लिए 10 फरवरी की तारीख की सिफारिश की थी, जबकि आप पार्टी ने 3, 4 और 6 फरवरी का सुझाव दिया था। एलजी ने आप का सुझाव मानते हुए सदन के सत्र के लिए 6 फरवरी तारीख तय की थी। जानकारी के मुताबिक, एक बार फिर आप सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रही है। सदन स्थगित होने के बाद आप ने भाजपा पर निशाना साधा। पार्टी नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा की मंशा साफ नजर आ रही है कि पार्टी मेयर का चुनाव नहीं करवाना चाहती है। भाजपा बेईमानी से एमसीडी पर सरकार बना कर बैठी है। दूसरी तरफ केंद्रीय मंत्री मिनाक्षी लेखी ने कहा कि दिल्ली को एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री मिला है, जिसका नाम लगातार शराब घोटाले में आ रहा है। इसी पैसे का इस्तेमाल कर उन्होंने गोवा में और फिर मेयर चुनाव लड़ने की कोशिश की।

तेलंगाना सरकार को झटका : मामले की जांच सीबीआई को ट्रांसफर करने के खिलाफ याचिका खारिज

हैदराबाद, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त मामले में तेलंगाना सरकार को झटका लगा है। तेलंगाना हाईकोर्ट ने सोमवार को मामले की जांच सीबीआई को ट्रांसफर करने के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका खारिज कर दी। इससे पहले हाईकोर्ट की एकल पीठ ने राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से मामले की जांच सीबीआई को भेजने का आदेश दिया था। जिसके बाद राज्य सरकार ने इस फैसले को खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी थी। तेलंगाना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश उज्जवल भूइयां की अध्यक्षता वाली की खंडपीठ ने एकल पीठ द्वारा पारित आदेश को बरकरार रखा और राज्य सरकार व अन्य की रिट याचिकाओं को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने 26 दिसंबर, 2022 को बीआरएस के चार विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त की साजिश मामले की जांच तेलंगाना पुलिस की एसआईटी से सीबीआई को ट्रांसफर करने का आदेश दिया। एकल पीठ ने तब एसआईटी गठित करने के सरकारी आदेश और मामले में की गई जांच को भी रद्द कर दिया था। इसके बाद, राज्य सरकार और अन्य ने एकल पीठ के आदेश के खिलाफ रिट अपील दायर की थी।

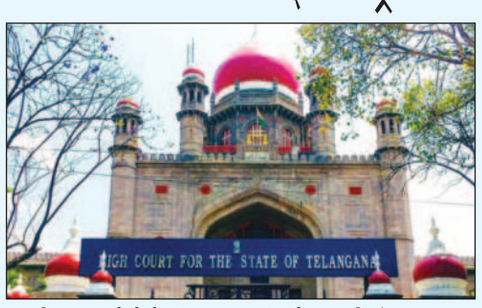

सीबीआई जांच का रास्ता साफ :

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सोमवार को एकल पीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए सभी अपीलों को खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने तक आदेश को निलंबित करने का अनुरोध किया, लेकिन खंडपीठ ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद सीबीआई को मामले की जांच आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है।

सुप्रीम कोर्ट को मिले 5 नए जज

* सीजेआई चंद्रचूड़ ने दिलाई शपथ * 4 फरवरी को केंद्र ने अपॉइंटमेंट की मंजूरी दी थी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में 5 नए जजों की नियुक्ति हो गई है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार सुबह 5 जजों को सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश के रूप में शपथ दिलाई। सुप्रीम कोर्ट के नए जज के रूप में शपथ लेने वाले तीन चीफ जस्टिस पंकज मिथल, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस पीवी संजय कुमार हैं। इसके अलावा दो जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस मनोज मिश्रा का नाम भी शामिल है। पांच जजों की शपथग्रहण के साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अब जजों की संख्या 32 हो गई है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद 4 फरवरी को केंद्र ने शीर्ष कोर्ट में पांच जजों की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। खुद कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्विटर पर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने लिखा, भारत के संविधान के तहत राष्ट्रपति ने हाईकोर्ट के पांच जजों को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्ति किया है। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं।

सबसे पहले नए जजों के बारे में ...

जस्टिस पंकज मित्तल : राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस हैं। इससे पहले वह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस थे। इससे पहले वह इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस थे। मित्तल को साल 1985 में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश में शामिल किया गया था।

जस्टिस संजय करोल : नवंबर 2019 से पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस हैं। इससे पहले, उन्हें त्रिपुरा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त किया गया था। वह हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में कार्यवाहक चीफ जस्टिस के तौर पर काम कर चुके हैं।

जस्टिस पीवी संजय कुमार : 2021 से मणिपुर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस हैं। इससे पहले वह पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में जस्टिस थे। उन्होंने आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में भी जस्टिस के रूप में काम किया है। संजय कुमार को अगस्त 1988 में आंध्र प्रदेश की बार काउंसिल के मेंबर के रूप में शामिल किया गया था।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह : पटना हाईकोर्ट के जस्टिस हैं। 2011 में पटना हाईकोर्ट में जस्टिस बनकर पहुंचे, फिर 2021 में उनका ट्रांसफर आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में कर दिया गया। इसके बाद, उन्हें जून 2022 में दोबारा पटना हाईकोर्ट में भेजा गया। जस्टिस अमानुल्लाह को सितंबर 1991 में बिहार स्टेट बार काउंसिल में शामिल किया गया था।

जस्टिस मनोज मिश्रा : इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस हैं। उन्होंने साल 2011 में जस्टिस के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के दीवानी, राजस्व, आपराधिक और संवैधानिक पक्षों में अभ्यास किया है।

एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का उद्घाटन

पीएम मोदी ने कर्नाटक के तुमकुरु में की शुरूआत, बेंगलुरू में बायो फ्यूल भी लॉन्च किया

बेंगलुरू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने कर्नाटक के तुमकुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी मौजूद रहे। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कर्नाटक के तुमकुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की हेलिकॉप्टर फैक्ट्री का उद्घाटन किया। यह एशिया की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर फैक्ट्री है। यहां 20 साल में 1000 से अधिक हेलिकॉप्टर बनेंगे। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई भी मौजूद रहे। पीएम ने लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर का अनावरण भी किया।

इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आने वाले समय में भारत भूमि विश्व के लिए डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र होगी। इसकी शुरूआत हो चुकी है, आज का ये समारोह इसका एक बड़ा प्रमाण है। ये रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्म निर्भरता की यात्रा में एक मील का पत्थर है। फैक्ट्री, 615 एकड़ में फैली हुई है। पीएम मोदी ने 2016 में इसकी आधारशिला रखी थी। शुरूआत में यहां लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर (एलयूएच) बनाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि यह भारत को बिना आयात के फैक्ट्री हेलिकॉप्टरों की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम है। इसके पहले पीएम मोदी ने बेंगलुरू में इंडिया एनर्जी वीक 2023 का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले तुर्किये में आए भूकंप में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की संवेदनाएं तुर्किये के साथ हैं। पीएम ने सोलर एनर्जी से चलने वाले कुकिंग सिस्टम, बायो फ्यूल और अनबॉटल्ड ड्रेस को भी लॉन्च किया। इसके बाद एनर्जी इंडिया वीक में आए इन्वेस्टर्स से कहा कि भारत निवेश के लिए दुनिया में सबसे बेहतर जगह है।

पीएम मोदी ने बेंगलुरु में भारत ऊर्जा सप्ताह-2023 के अवसर पर ई-20 ईंधन का शुभारंभ किया और ग्रीन मोबिलिटी रैली को हरी झंडी दिखाई।

26 सड़कों पर उतरेंगे हवाई जहाज : गडकरी

साढ़े चार लाख लोगों को नौकरियां मिलेंगी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। देश के विकास के लिए वाटर पॉवर, ट्रांसपोर्ट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कम्यूनिकेशन बहुत जरूरत है। इससे रोजगार बढ़ेगा और अमृतकाल में देश की अर्थव्यवस्था और भी ज्यादा मजबूत होगी। यह बात केंद्रीय ट्रांसपोर्ट व हाईवे मंत्री नितिन गडकरी ने एक मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान कही। गडकरी ने कहा, देश में 26 सड़कें ऐसी बन रही हैं, जहां हवाई जहाज उतरेंगे। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। जब इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम होगा तो निवेश आएगा। उद्यम लगेंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे गरीबी दूर होगी। उन्होंने आगे कहा, कि इस बार के बजट में सबसे ज्यादा फंड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दिया गया है। दरअसल, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान कहा था कि 2023-24 के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये किया जा रहा है।

अगले पांच साल में साढ़े चार लाख नौकरी :

गडकरी ने कहा, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री ने साढ़े चार करोड़ लोगों को नौकरी दी है। आने वाले पांच साल में यह सेक्टर साढ़े चार लाख लोगों को नौकरियां देगा। उन्होंने कहा, इस बार के बजट में हमारे मंत्रालय को दो लाख 70 हजार करोड़ रुपये मिले हैं। उसस मैं छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का काम करूंगा। आज हमारे पास 70 हजार करोड़ से अधिक के ऐसेट हैं।

13 विधायक और छह सांसद टीएमसी के संपर्क में

कोलकाता, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले एक बार फिर दावों का दौर शुरू हो गया है। रविवार को भाजपा विधायक सुमन कांजीलाल के भाजपा छोड़ तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के अगले ही दिन तृणमूल कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता कुणाल घोष ने यह दावा करके राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी कि भाजपा के 13 विधायक और छह सांसद पार्टी के संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने यहां तक कह दिया कि वे भाजपा की खबरें लगातार पार्टी तक पहुंचा रहे हैं।

इसी बीच, सोमवार को भाजपा के लिए एक और बुरी खबर आई, बांग्ला अभिनेत्री और भाजपा नेता कंचना मोइत्रा ने भाजपा से नाता तोड़ने की घोषणा की। सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहकर राजनीतिक गलियारों में सनसनी फैला दी कि भाजपा के बयान देने वाले भी हमारे संपर्क में हैं। वे हमें लगातार अंदर की खबरें दे रहे हैं।

मोदी सरकार का बजट गरीबों पर 'गुपचुप स्ट्राइक' सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार के केंद्रीय बजट पर निशाना साधा है। उन्होंने आम बजट को गरीबों पर एक 'गुपचुप स्ट्राइक' करार दिया है। उन्होंने कहा है कि चाहे गरीब हो या मध्यम वर्ग, ग्रामीण हो या शहरी, सभी रुपये में आ रही गिरावट और आय में कमी जैसी समस्याओं को झेल रहे हैं। एक अखबार में छपे लेख में सोनिया गांधी ने कहा बजट में गरीब और मध्यम वर्ग के लिए आवंटन को कम करके स्थिति को और खराब किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चार साल में कीमतों में वृद्धि का मतलब है कि रुपया 2018 की तुलना में काफी नीचे गिर गया है।

लोगों की गाढ़ी कमाई पर मंडरा रहा खतरा :

सोनिया गांधी ने कहा, मोदी सरकार के निजीकरण ने राष्ट्रीय संपत्तियों को बहुत ही सस्ते में निजी हाथों में सौंप दिया है, इससे बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, यहां तक कि सरकार एलआईसी और एसबीआई जैसे सार्वजनिक संस्थानों को भी अपने खास दोस्तों के स्वामित्व वाली प्रबंधन कंपनियों में निवेश करने के लिए मजबूर कर रही है, इससे करोड़ों गरीब और मध्यम वर्ग के भारतीयों की गाढ़ी कमाई को भी खतरा है। सोनिया गांधी ने अपने लेख में कहा, अब समान विचारधारा वाले दलों का कर्तव्य है कि वे हाथ मिलाएं और इस सरकार के गलत कार्यों का विरोध करें और साथ में उस बदलाव का निर्माण करें जिसे लोग देखना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका, भाजपा नेता हाईकोर्ट जज कैसे बनीं

गौरी ने इस्लाम को हरा आतंक और ईसाई को सफेद आतंक कहा था

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। वकीलों का आरोप है कि गौरी भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव हैं। उन्हें जज बनाने से न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।

इस्लाम को हरा आतंक और ईसाई को सफेद आतंक बताकर विवादों में रहीं एडवोकेट लक्ष्मण चंद्रा विक्टोरिया गौरी को मद्रास हाईकोर्ट का जज बनाने का विरोध शुरू हो गया है। सीनियर एडवोकेट राजू रामचंद्रन ने गौरी की नियुक्ति के खिलाफ सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने पहले 10 फरवरी को मामले पर सुनवाई करने की बात कही थी, लेकिन एडवोकेट राजू के अनुरोध पर कोर्ट 7 फरवरी यानी आज सुनवाई करेगी। एडवोकेट लक्ष्मण चंद्रा विक्टोरिया गौरी को सोमवार को ही सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से मद्रास हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने जैसे ही राष्ट्रपति के पास गौरी के नाम की सिफारिश भेजी, मद्रास हाईकोर्ट के वकीलों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

22 वकीलों ने कॉलेजियम और राष्ट्रपति को लेटर लिखकर उन्हें जज न बनाने की मांग की थी। वकीलों का कहना था कि गौरी भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव हैं। उन्हें जज बनाने से न्यायपालिका की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही वकीलों ने लेटर में गौरी के विवादित बयानों का भी जिक्र किया। इस्लामी समूह वैश्विक स्तर पर ईसाई समूहों की तुलना में ज्यादा खतरनाक हैं, लेकिन अगर भारत की बात की जाए तो यहां ईसाई समूह इस्लामिक समूहों से ज्यादा खतरनाक हैं। वहीं, धर्म परिवर्तन कराने खासकर लव जिहाद के मामलों में दोनों समूह समान रूप से खतरनाक हैं। अगर एक हिंदू लड़की और मुस्लिम लड़का एक-दूसरे से प्रेम करते हैं तो मुझे उनकी शादी से कोई दिक्कत नहीं है। अगर शादी के बाद हिंदू लड़की मुस्लिम लड़के के घर में उसकी पत्नी के रूप में रहने के बजाय किसी सीरियाई आतंकवादी शिविर में मिलती है, तो मुझे आपत्ति है। मेरे हिसाब से यही लव जिहाद की परिभाषा है।

गुजरात में हाइवे पर खड़े ट्रक से वैन की टक्कर, तीन की मौत

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात में आणंद शहर के निकट वडोदरा-अहमदाबाद एक्सप्रेसवे पर सोमवार को मिनी वैन के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। खंभोलज पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना पूर्वाह्न करीब 12.30 बजे हुई, जब वैन में सवार लोग वाहन मालिक को वड़ोदरा छोड़ने के बाद खेड़ा जिले के डाकोर शहर अपने घर लौट रहे थे। ट्रक बिना किसी ब्रेक लाइट या इंडिकेटर के एक्सप्रेसवे के किनारे खड़ा था। मिनी वैन ने पीछे से उसमें टक्कर मार दी। अधिकारी ने कहा कि पीड़ितों में से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को आणंद के एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

बंबई एचसी: दो महीने में तलाक

फिर पति ने गुजारा भत्ता देने से कर दिया था इनकार, अब अदालत ने सुनाया यह फैसला

बंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय ने कहा है कि घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम (डीवी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत तलाक के बाद भी महिला भरण-पोषण की हकदार है। न्यायमूर्ति आर जी अवाचट की एकल पीठ ने 24 जनवरी के आदेश में एक सत्र अदालत द्वारा पारित एक मई 2021 के आदेश को बरकरार रखा, जिसमें एक पुलिस कांस्टेबल को निर्देश दिया गया था कि वह अपनी तलाकशुदा पत्नी को प्रति माह 6,000 रुपये का रखरखाव का भुगतान करे। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि याचिका में यह सवाल उठाया

गया है कि क्या तलाकशुदा पत्नी घरेलू हिंसा अधिनियम तहत भरण-पोषण का दावा करने की हकदार है? उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि 'घरेलू संबंध' शब्द की परिभाषा दो व्यक्तियों के बीच संबंध का सुझाव देती है, जो किसी भी समय (ज्यादातर अतीत में) एक साझा घर में एक साथ रहते थे या रहते थे। अदालत ने कहा, कि याचिकाकर्ता पति होने के नाते अपनी पत्नी के भरण-पोषण का प्रावधान करने के लिए वैधानिक दायित्व के तहत था। चूंकि वह ऐसा प्रावधान करने में विफल रहा, इसलिए प्रतिवादी/पत्नी के पास डीवी अधिनियम के तहत आवेदन दायर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

दो महीने में हो गया था तलाक

न्यायमूर्ति अवाचट ने आगे कहा कि वह व्यक्ति सौभाग्यशाली था कि जब वह पुलिस सेवा में था और प्रति माह 25,000 रुपये से अधिक का वेतन प्राप्त कर रहा था, तो उसे प्रति माह केवल 6,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। याचिका के अनुसार, पुरुष और महिला ने मई 2013 में शादी की थी लेकिन वैवाहिक विवादों के कारण जुलाई 2013 से अलग रहने लगे। बाद में इस जोड़े का तलाक हो गया।

एमपी में कड़ाके की ठंड से अभी राहत

9-10 फरवरी से फिर एक दौर; पूरे महीने ऐसा ही रहेगा मौसम

भोपाल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड से फिलहाल राहत है, जो अगले कुछ दिन और रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 9-10 फरवरी से तेज सर्दी का दौर फिर आएगा। फरवरी में ठंड के पारे में उतार-चढ़ाव चलता रहेगा। प्रदेश में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से ऊपर आ गया है। नर्मदापुरम में यह सबसे कम 6.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान सागर में 15.8 डिग्री रहा। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि प्रदेश के कुछ शहरों में 6 फरवरी को भी ठंड का असर थोड़ा ज्यादा रह सकता है। यहां पारा 10 डिग्री के नीचे रहेगा। हालांकि, दिन के पारे में बढ़ोतरी रहेगी। 7, 8 और 9 फरवरी को दिन और रात दोनों में ही सर्दी का असर कम होगा।

भारत जोड़ो यात्रा के बाद घर-घर का दरवाजा खटखटाएगी कांग्रेस

हर चौखट तक पहुंचेगी राहुल की चिट्ठी

जम्मू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस जम्मू-कश्मीर में हाथ जोड़ो अभियान की तैयारी में जुट गई है। अगले सप्ताह से प्रदेश भर में इस अभियान की शुरुआत की जाएगी। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और राहुल गांधी की चिट्ठी पहुंचाएंगे। इसमें केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के बारे में बताया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला ने कहा कि हाथ जोड़ो अभियान पूरे जम्मू-कश्मीर भर में चलेगा। उनका कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा की तरह हाथ जोड़ो अभियान को भी कांग्रेस प्रदेश में पूरी सक्रियता के साथ चलाएगी। इसे कामयाब बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर के अलावा राष्ट्रीय स्तर के पार्टी नेता भी जुड़ेंगे। अभियान के तहत राहुल गांधी की चिट्ठी, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार की सच्चाई बयां की है, उसे घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।

गुवाहाटी में व्हेल मछली की 'वोमिटिंग'

बेचने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 26.91 करोड़ रुपये है कीमत

गुवाहाटी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। असम के गुवाहाटी सीमा शुल्क डिवीजन के डिवीजनल प्रिवेंटिव फोर्स ने कल गुवाहाटी में अंतरराष्ट्रीय बाजार में 26.91 करोड़ रुपये मूल्य का 11.56 किलोग्राम ठोस मोम ज्वलनशील पदार्थ, हल्का भूरा/काले रंग का एम्बरग्रिस (आमतौर पर व्हेल वोमिट के रूप में जाना जाता है) को जब्त किया है। अधिकारी सभी आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रहे हैं।

असम के सोनितपुर जिले से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद

असम के सोनितपुर जिले से भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद हुआ है। पांच फरवरी को इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कालियाभोमोरा पुल पर वाहन को रोकने के साबुन की 10 पेटियां बरामद की, जिनमें 120 ग्राम हेरोइन थी। एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

असम में सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

असम के डिब्रूगढ़ में 14 साल की एक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान भाईजान अली और सफर अली के रूप में हुई है। नाबालिग लड़की अठाबारी चाय बागान के पास बेहोशी की हालत में मिली थी।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बम की धमकी केरल की महिला गिरफ्तार

केम्पेगौड़ा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर एक महिला ने एयरपोर्ट स्टाफ को धमकी दी. जिसके बाद महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया. देवनहल्ली: विमान में सवार होने में देरी को लेकर सुरक्षा कर्मचारियों से बहस करने के बाद हवाईअड्डे पर बम विस्फोट की धमकी देने के आरोप में एक महिला को जेल भेज दिया गया है. 3 फरवरी को केरल की एक महिला बेंगलुरु से कोलकाता के लिए रवाना होने के लिए एयरपोर्ट पहुंची. महिला ने इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई445 का टिकट बुक कराया था. बोर्डिंग गेट नंबर 06 पर बैठने के दौरान, उसने हवाई अड्डे के सुरक्षा कर्मचारियों से बहस की कि उड़ान में देरी हो रही है. फिर उसने धमकी दी कि अगर वह जल्द नहीं गई तो वह हवाई अड्डे पर बम लगा देगी और उसे उड़ा देगी. 11 दिन की न्यायिक हिरासत : स्टाफ को धमकाने के बाद वह यात्रियों पर चिल्लाती रही कि उसने जगह पर बम रखा है और यात्रियों से कहा कि वे वापस जाएं. इसलिए सुरक्षाकर्मियों ने महिला को गिरफ्तार कर पुलिस को सौंप दिया. बाद में पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया. देवनहल्ली में जेएमएफसी अदालत ने महिला को 11 दिनों के लिए 17 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

अडानी कांड के बीच बाबा रामदेव को झटका

निवेशकों के 7000 करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के कारण अडानी समूह को सौ करोड़ ने अधिक का झटका लग चुका है। इस रिपोर्ट ने अडानी के साम्राज्य को हिलाकर कर रख दिया है। अडानी समूह के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। खुद गौतम अडानी की निजी संपत्ति 127 अरब डॉलर के गिरकर 61.8 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। शेयर बाजार से लेकर संसद तक अडानी मामले को लेकर हल्ला मचा है। इस हल्ले के बीच एक शेयर जो लगातार गिर रहा है और अब तक निवेशकों के 7000 करोड़ डूब गए है, उसपर किसी की नजर नहीं गई। अडानी ग्रुप और हिंडेनबर्ग के इस हल्ले के बीच इस कंपनी के शेयर लगातार गिर रहे है। ये कंपनी है योग गुरु बाबा रामदेव की पतंजलि फूड्स। 24 जनवरी से ही पतंजलि फूड्स के शेयरों में गिरावट जारी है। 24 फरवरी को पतंजलि फूड्स के शेयर के दाम 1208 रुपये पर था, जो 3 फरवरी को गिरकर 907 रुपये पर पहुंच गया।

इस शेयर में 25 फीसदी से अधिक की गिरावट आ चुकी है। 3 फरवरी को पतंजलि फूड्स के शेयर लोअर सर्किट पर पहुंच गया था। हालांकि सोमवार को कारोबारी हफ्ते के पहले दिन बाजार खुलने के साथ शेयर मामले में तेजी देखने को मिली है। आज पतंजलि के शेयर 936.90 पर पहुंच गए है। 3 फरवरी को कंपनी का मार्केट कैपिटल 32825.69 करोड़ रुपये हैं, जबकि 27 जनवरी को पतंजलि का मार्के कैप करीब 40,000 करोड़ रुपये के स्तर पर था। एक हफ्ते में पतंजलि के मार्केट कैपिटल में 7000 करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। पतंजलि का शुद्ध लाभ दिसंबर तिमाही में 15 फीसदी बढ़ा।

इसका शुद्ध लाभ 269.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शुद्ध लाभ में बढ़ोतरी के बाद भी कंपनी के शेयर में बड़ी गिरावट देखने को मिली। 1208 रुपये वाला शेयर एक हफ्ते में गिरकर 904 रुपये पर पहुंच गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि सितंबर 2022 में पतंजलि फूड्स का मार्केट कैप 51 हजार करोड़ रुपये पर था, जो जनवरी 2023 में गिरकर 33 हजार करोड़ के करीब पहुंच गई। अगर इस नंबर से कैलकुलेश करें तो 5 महीने में निवेशकों को 18000 करोड़ से अधिक का झटका लग चुका है।

कुत्ते के काटने के मामले में मालिक को केवल तीन महीने की कैद

12 साल बाद अदालत ने सुनाई सजा

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई के गिरगांव स्थित अदालत ने एक व्यवसायी को तीन महीने की कैद की सजा सुनाई है। अदालत का यह फैसला घटना के 12 साल बाद आया है। रिपोर्ट के मुताबिक दोषी के पालतू कुत्ते रॉटवीलर ने 12 साल पहले एक व्यक्ति को काट लिया था जिसके बाद वह बुरी तरह से जख्मी हो गया था। अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि अगर इस तरह के आक्रामक कुत्ते के साथ बाहर जाते समय उचित देखभाल

नहीं की जाती है, तो यह निश्चित रूप से जनता के लिए हानिकारक है। इस तरह के मामलों में जहां सार्वजनिक सुरक्षा का सवाल है नरमता अनुचित है।

अदालत ने इन धाराओं के तहत कुत्ते के मालिक को दोषी पाया

अदालत ने कुत्ते के मालिक साइरस पर्सी होर्मुसजी (44) को भारतीय दंड संहिता की धारा 289 (पशु के संबंध में लापरवाहीपूर्ण आचरण) और 337 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य से चोट पहुंचाना) के तहत अपराधों का दोषी पाया।

2010 में घटी थी घटना

यह घटना मई 2010 में हुई थी जब पीड़ित केरसी ईरानी और होर्मुसजी मुंबई में नेपियन सी रोड पर उनकी कार के पास खड़े होकर संपत्ति विवाद पर बहस कर रहे थे। होर्मुसजी का पालतू कुत्ता कार के अंदर था और वाहन से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि कार का दरवाजा नहीं खोलने के अनुरोध के बावजूद आरोपी (होर्मुसजी) ने दरवाजा खोल दिया, जिससे कुत्ता बाहर निकल आया और पीड़ित (ईरानी) पर सीधे हमला कर दिया। कुत्ते ने ईरानी के दाहिने पैर में दो बार और दाहिने हाथ पर एक बार काटा। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी को पता था कि यह कुत्ता बहुत आक्रामक नस्ल का है।

एक धमकी से खत्म हुई जिंदगी, लिव इन पार्टनर का गला घोंटा

शव के साथ बिताई 3 रात

तिरुवनन्तपुरम, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कसारगोड केरल के कसारगोड इलाके में एक दिल को दहला देने वाली वारदात सामने आई है. जहां, 38 साल के एक शख्स ने पहले अपने लिव इन पार्टनर की हत्या की और फिर उसके शव के साथ ही घर में तीन दिनों तक रहा. शव के साथ तीन दिन रहने के बाद शख्स मुंबई भागने का प्लान बना रहा था लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया. रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी युवक की पहचान एंटो सेबस्टियन के रूप में की है जिसने कथित तौर पर नीतू कृष्णन की 27 जनवरी को हत्या कर दी और उसके शव के साथ तीन दिन तक घर में रहा और किसी को भी इसकी भनक तक नहीं लगी. पुलिस पूछताछ में आरोपी एंटो ने कई हैरान करने वाला खुलासा भी किया है.

कर्नाटक के चुनावी संग्राम के बीच आरएसएस की चाहत क्यों बनें प्रह्लाद जोशी?

एचडी कुमारस्वामी ने कहा- बनाना चाहते हैं अगला सीएम

बैंगलूरू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है. इस बीच जनता दल (सेकुलर) नेता एचडी कुमारस्वामी ने आरएसएस पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी को मुख्यमंत्री बनाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है. एचडी कुमारस्वामी का कहना है कि आरएसएस प्रह्लाद जोशी को कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनाना चाहता है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रह्लाद जोशी को यहां की संस्कृति का ज्ञान नहीं है और वह समाज को विभाजित करने का काम करते हैं. उन्होंने कहा कि जोशी दक्षिण भारत के ब्राह्मणों से जुड़े हुए नहीं हैं. वह उन ब्राह्मणों के संप्रदायों से संबंधित हैं, जिन्होंने गांधी की हत्या की.

कुमारस्वामी के विवादित बोल

कुमारस्वामी ने विवादित बयान देते हुए कहा कि जोशी उस ब्राह्मण समुदाय से नहीं हैं जो दक्षिण कर्नाटक के हैं. वह उस संप्रदाय के हैं जिन्होंने पेशावर में भगवान की मूर्तियों को तोड़ा था. इस बयान को लेकर बीजेपी ने भी पलटवार किया है. कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने कहा कि इस तरह का बयान पूर्व मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता. जोशी इस समय केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री, कोयला एवं खनन मंत्री हैं और वह कर्नाटक के धारवाड़ से लोकसभा सदस्य हैं. पलटवार में कटील ने कहा, 'कुमारस्वामी को भय है कि जद(एस) विधानसभा चुनाव में 20 सीटें भी नहीं जीत पाएगी, इसलिए वह परेशान हैं.

कर्नाटक विधानसभा चुनाव

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव मई 2023 तक होने की उम्मीद है क्योंकि कर्नाटक विधानसभा का कार्यकाल 24 मई 2023 को खत्म होने वाला है. पिछला विधानसभा चुनाव मई 2018 में हुआ था. चुनाव के बाद, जनता दल (सेक्युलर) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठबंधन ने राज्य सरकार बनाई, जिसमें एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने.

पीएम मोदी के मुंबई दौरे से पहले पुलिस ने जारी किया अलर्ट

आतंकी हमले की आशंका को लेकर इन चीजों पर लगाया बैन

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंबई दौरे से पहले पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। पुलिस ने 10 फरवरी को मरोल, अंधेरी, कुलाबा, सीएसटी, आईएनएस शिकारा समेत सहार एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन, कोलाबा पुलिस स्टेशन, एमआईडीसी पुलिस स्टेशन इलाके में ड्रोन, पतंग, छोटे एयरक्राफ्ट और गुब्बारों पर पूरे दिन के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। मुंबई पुलिस ने 144 के तहत अलर्ट जारी किया है। मुंबई पुलिस ने किसी आतंकी या असामाजिक तत्व के ड्रोन या दूसरे छोटे एयरक्राफ्ट से हमले की आशंका को लेकर ये प्रतिबंध लगाया है। बता दें कि पीएम मोदी 10 फरवरी को सीएसटी में 2 वंदे भारत ट्रेनों का उद्घाटन करेंगे। 2 नई वंदे भारत ट्रेन मुंबई से जल्द ही शुरू होने वाली हैं। एक वंदे भारत ट्रेन मुंबई-सोलापुर रूट और दूसरी मुंबई-शिरडी रूट पर चलेगी। 10 फरवरी को पीएम मोदी

छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से हरी झंडी दिखाकर दोनों वंदे भारत ट्रेनों को रवाना करेंगे। इन दोनों ट्रेन का निर्माण चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में हुआ है। 8 रूट पर वंदे भारत ट्रेनों को चलाया जा रहा है। इसमें नई दिल्ली-वैष्णो देवी, नई दिल्ली-वाराणसी, दिल्ली-अंब अंदौरा,गांधीनगर-मुंबई, नागपुर-बिलासपुर, चेन्नई-मैसूर, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी और विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद रूट शामिल है।

असम में बाल विवाह पर गिरफ्तारियों से बवाल

नाबालिग लड़की ने किया सुसाइड, महिला ने दी खुदकुशी की धमकी

गुवाहाटी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बाल विवाह को लेकर असम में इस वक्त हंगामा छिड़ा हुआ है. सरकार चाइल्ड मैरिज करने और कराने वाले दोनों के खिलाफ ताबड़तोड़ एक्शन ले रही है. राज्य में अब तक 4074 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं. इतना ही नहीं 2441 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. पुलिस की कार्रवाई के डर से सैकड़ों शादियां या तो रद्द हो चुकी हैं, या स्थगित कर दी गई हैं. असम के कुछ इलाकों में पुलिस की कार्रवाई का विरोध भी शुरू हो गया है. पुलिस के इस एक्शन के खिलाफ ही असम में एक नाबालिग लड़की ने सुसाइड कर लिया. वहीं, एक महिला ने अपने पति और पिता की गिरफ्तारी के बाद आत्महत्या करने की धमकी दी है. सुसाइड करने वाली लड़की असम के कछार जिले की

रहने वाली थी. दरअसल, 17 साल की लड़की एक लड़के से प्यार करती थी. लड़की के माता-पिता उसकी शादी कराने के लिए भी तैयार थे, लेकिन बाल विवाह को लेकर असम पुलिस की कार्रवाई के बाद वह पीछे हट गए. परिजनों के इस कदम से दुखी होकर लड़की ने 5 फरवरी को आत्महत्या कर ली. लड़की कछार जिले की राजनगर ग्राम पंचायत के खासपुर गांव की रहने वाली थी. इस तरह 23 साल की एक महिला ने अपने पिता और पति की गिरफ्तारी के बाद असम सरकार को सुसाइड करने की धमकी दी है. महिला अफरोजा खातून धुबरी जिले की रहने वाली है. अफरोजा का दावा है कि उसकी शादी 19 साल की उम्र में साल 2018 में हुई, उसका जन्म 1999 में हुआ था और वह बालिग है. पिता और पति की गिरफ्तारी के बाद वह थाने पहुंची और धमकी दी. उसने कहा कि अगर उसके पति और पिता को रिहा नहीं किया गया तो वह भी जिंदा नहीं रहेगी. हंगामा करते हुए उसने पूछा कि उसके पति को क्यों पकड़ा गया है? सीएम हेमंत बिस्वा शर्मा को ऐसा करने का अधिकार किसने दिया? महिला ने कोर्ट परिसर में खुदकुशी करने की धमकी दी है. जब अफरोजा के पिता और पति को कोर्ट ले जाया जा रहा था तो वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी. बता दें कि असम सरकार ने बाल विवाह के खिलाफ जोरदार अभियान चला रखा है. सबसे ज्यादा 139 गिरफ्तारियां बिश्वनाथ जिले में हुई हैं. यहां 97 मामले दर्ज किए गए हैं. इसके बाद कार्रवाई के मामले में दूसरे नंबर पर बारपेटा जिला है. यहां 128 गिरफ्तारियां हुई हैं, जबकि 81 मामले दर्ज किए गए हैं. तीसरे नंबर असम का धुबरी जिला है. यहां 127 लोग अरेस्ट हुए हैं. जिले में बाल विवाह के खिलाफ 374 मामले दर्ज किए गए हैं.

पहाड़ो पर मंडरा रहा खतरा, जोशीमठ संकट के बीच सरकार का बड़ा बयान

देहरादून, 6 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के चमोली जिले का जोशीमठ कस्बा भूधंसाव को लेकर चर्चा में है।बता दें इस बीच केंद्र सरकार ने संसद को बताया है कि हिमालय के कई हिस्सों का भूविज्ञान अस्थिर और गतिशील है जो भूधंसाव और भूस्खलन का कारण बन सकता है। जोशीमठ मामले पर संसद में कई सवाल पूछे गए थे जिसके जवाब में सरकार ने पिछले सप्ताह जवाब दिया था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमईएस) ने अपने लिखित उत्तर में संसद को बताया कि अस्थिर और गतिशील जियोलॉजी के चलते इस क्षेत्र में किसी भी बड़ी निर्माण परियोजना को शुरू करने से पहले पर्यावरण मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, मौजूदा भारी निर्माण कार्यों के दौरान क्या मापदंडों का उल्लंघन किया गया,

अंबाला में टाटा ऐस की अज्ञात वाहन से टक्कर

युवक की मौत, 4 लोग मेडिकल कॉलेज रेफर; कैटरिंग का काम करते थे

अंबाला, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के अंबाला कैंट में दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे पर आसा राम स्कूल के पास टाटा ऐस की टक्कर अज्ञात वाहन से हो गई। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान यूपी निवासी जयवीर (26) के रूप में हुई है। पुलिस पीड़ितों के बयान दर्ज करके आगामी कार्रवाई करेगी। जानकारी के अनुसार, जयवीर अपने साथी अनूप, अमिताभ और पुरुषोत्तम के साथ अंबाला सिटी निवासी दलीप पुरी के टाटा ऐस में सवार होकर करनाल से अंबाला की तरफ आ रहे थे। ये सभी शादी में कैटरिंग का काम करते थे।

3 की हालत गंभीर

पुलिस के मुताबिक, हादसा किसी अज्ञात वाहन से टकराने से हुआ है। जयवीर की मौके पर ही मौत हो गई। उसके तीन साथी अनूप ,अमिताभ और पुरुषोत्तम को गंभीर हालत के चलते आदेश मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। गाड़ी चालक दलीप पुरी की हालत ठीक है।

पीड़ितों के बयान दर्ज करेगी

पुलिस एचसी सर्वजोत ने बताया कि हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। पुलिस को 5 बजे सूचना मिली थी। मौके पर तुरंत डायल 112 और एंबुलेंस की गाड़ी पहुंच गई थी, जिसकी मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। मृत के शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल अंबाला कैंट के पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया है। हादसे में घायल लोगों के बयान दर्ज करके आगामी कार्रवाई की जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: पराजय तब नहीं होती जब आप गिर जाते हैं, पराजय तब होती है जब आप उठने से इनकार कर देते हैं

मुख्य न्यायाधीश ने कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली के कार्यालयों का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के लिए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति और तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संरक्षक-इन-चीफ उज्जल भुइयां और कार्यकारी अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायमूर्ति पी. नवीन राव ने वर्चुअली उद्घाटन किया राज्य के चिन्हित 16 जिलों में तेलंगाना राज्य के लिए सेंट्रल हॉल, उच्च न्यायालय से सोमवार को कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (एलएडीसीएस) के कार्यालयों और इस अवसर पर सभा को संबोधित किया। कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए पहचाने गए आदिलाबाद, करीमनगर, भद्राद्री-कोठागुडेम, हनुमाकोंडा, जनगांव, महबूबनगर, नागरकुरनूल, नलगोंडा, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, संगारेड्डी, सिद्दीपेट, सूर्यापेट, विकाराबाद, वारंगल और यदाद्री-भुवनगिरी समेत 16 जिले है। न्यायमूर्ति पी. नवीन राव, कार्यकारी अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य

कानूनी सेवा प्राधिकरण ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कानूनी सेवा प्राधिकरण अभियुक्तों/दोषियों को कानूनी सेवाएं/कानूनी सहायता प्रदान कर रहे हैं, जो हिरासत में हैं या अन्यथा पात्रता मानदंड के भीतर आते हैं। आपराधिक मामलों में पूर्व-गिरफ्तारी, रिमांड, परीक्षण और अपीलीय चरणों में कानूनी सेवाएं/कानूनी सहायता भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि नई कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली में उपयुक्त समर्थन प्रणाली के साथ वकीलों की पूर्णकालिक सगाई शामिल है और विशेष रूप से जिला मुख्यालयों में आपराधिक मामलों में कानूनी सहायता कार्य से संबंधित है, जहां यह स्थित है। एलएडीसीएस के सभी सत्रों, विशेष और मजिस्ट्रेट कार्यालयों में विविध कार्यों में प्रतिनिधित्व/आयोजन परीक्षण और अपील भी कार्यकारी न्यायालयों सहित एलएडीसीएस न्यायालयों के कार्यालय में आने वाले सभी व्यक्तियों को कानूनी सलाह और सहायता प्रदान करेगा। एनएएलएसए योजना के अनुसार गिरफ्तारी पूर्व चरण में कानूनी सहायता प्रदान करना। जिला न्यायालयों से संबंधित या सचिव, डीएलएसए द्वारा सौंपे गए अन्य कानूनी सहायता कार्य सचिव, डीएलएसए के मार्गदर्शन में जिले की जेलों/कारागारों का समय-समय पर दौरा करना है। कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (एलएडीसीएस) के कार्यालयों के उद्घाटन के बाद न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने अपने संबोधन में कहा कि कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए संविधान के जनादेश के संदर्भ में संसद द्वारा बनाया गया था। वर्तमान में, (14) मुख्य कानूनी सहायता रक्षा वकील, (14) उप कानूनी सहायता रक्षा वकील और (20) सहायक कानूनी सहायता रक्षा वकील तेलंगाना राज्य में कानूनी सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली के कार्यालयों में नियुक्त हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश कैदी अंडरट्रायल कैदी हैं और समाज के हाशिए और कमजोर वर्गों से संबंधित हैं।

साइबर जालसाजों ने बुजुर्ग महिला से ठगे 50 हजार रुपये

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर जालसाजों ने एक महिला से किराए पर घर लेने के बहाने 50 हजार रुपये की ठगी की। शमशाबाद की रहने वाली पीड़िता, शारदा देवी (63) का आंध्र प्रदेशमें एक घर है जिसे वह किराए पर देना चाहती थी और उसने ओएलएक्स पोर्टल पर एक विज्ञापन पोस्ट किया।

एक व्यक्ति ने खुद को दीपक पवार बताते हुए महिला से फोन पर संपर्क किया और पीड़िता से घर की तस्वीरें साझा करने को कहा। उन्होंने किराया व अन्य जानकारी मांगी। उसने मकान किराए पर लेने का नाटक किया और ई-पेमेंट गेटवे के माध्यम से अग्रिम राशि का भुगतान करने की पेशकश की। ठग ने महिला को बताया कि उसने एक लिंक भेजा है और उनके खाते में 50,000 रुपये की राशि प्राप्त करने के लिए उस पर क्लिक करने के लिए कहा। शमशाबाद पुलिस ने कहा कि जब महिला ने लिंक पर क्लिक किया तो जमा करने के बदले उसके बैंक खाते से 50,000 रुपये डेबिट किए गए हैं।

सुरक्षा के सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए : जैन

दमरे मुख्यालय में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर हुई समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में प्रमुख विभागों के प्रमुखों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर समीक्षा बैठक की। सभी छह मंडलों अर्थात विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। श्री जैन ने ट्रेनों के सुचारू संचालन और कामगारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जोन भर में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षा अभियान के दौरान अधिकारियों, पर्यवेक्षकों के साथ-साथ निर्माण कर्मचारियों को सुरक्षा के सभी पहलुओं पर संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बिना किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए कार्यस्थल सुरक्षा आवश्यकताओं को सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को गुड्स शेड

और साइडिंग का नियमित निरीक्षण करने और सभी सुरक्षा उपायों का अनुपालन सुनिश्चित करने की भी सलाह दी। महाप्रबंधक ने सुरक्षा कर्मचारियों को दिए जा रहे नियमित प्रशिक्षण की विस्तृत समीक्षा भी की। उन्होंने अधिकारियों को परामर्श सत्रों को तेज करने और ट्रेन चलाने के संचालन से संबंधित कर्मचारियों को शामिल करने वाले पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों पर नज़र रखने का निर्देश दिया। महाप्रबंधक ने जोन द्वारा तैयार की गई सुरक्षा कार्य योजनाओं की समीक्षा की और दिशा-निर्देशों और सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन करने की बात दोहराई। उन्होंने कर्मचारियों को बार-बार निरीक्षण करने और ट्रैक मापदंडों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की भी सलाह दी ताकि आवश्यकता पड़ने पर समय पर कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, श्री जैन ने पूरे जोन में दोहरीकरण, तिहरी लाइन, विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास कार्यों सहित विभिन्न चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सलाह दी कि वे सभी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की उचित योजना और कार्यों के निष्पादन को सुनिश्चित करके कड़ाई से निगरानी करें ताकि परियोजनाओं को लक्षित तिथि तक पूरा किया जा सके।

आसिफाबाद डिपो की बस पलटी, दो यात्री घायल

ड्राइवर को छाती में दर्द होने के कारण चलती बस से कूद गया

आसिफाबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला केंद्र में सोमवार के सुबह में करीब 6 बजे आसिफाबाद से हैदराबाद की ओर जाने वाली सुपर लग्जरी बस पलटने से 2 यात्री घायल हुए। मिली जानकारी के मुताबिक आसिफाबाद से सुपर लग्जरी (टीएस 20 जेड 0014) हैदराबाद की ओर जा रही थी। बस में 4 यात्री और तीन आरटीसी बस के कर्मचारी थे। आसिफाबाद मार्कंडेय मंदिर के पास अचानक ड्राइवर आड़े सदाया (53) को छाती में दर्द आने के कारण वह चलती बस से कूद गया और बस थोड़ी दूर जाने के बाद बस पलट गई। बस में जा रहे यात्रियों से पूछने पर उन्होंने कहा कि अचानक बस पलटने के कारण बस में पूरा अंधेरा हो जाने के कारण एक ही साथ डर गए और आनन-फानन में बस का दरवाजा निकालकर बाहर निकले और बस के एक यात्री ने इसकी सूचना आसिफाबाद डिपो मैनेजर को दी। घायल यात्रियों और बस ड्राइवर को एंबुलेंस में उपचार के लिए आसिफाबाद सरकारी अस्पताल लाया गया।

यात्रियों में एक यात्री को पैर में चोट लगी और एक यात्री को कमर में चोट लगी। ड्राइवर की परिस्थिति को गंभीर देखते हुए आरटीसी के अधिकारियों ने उसे इलाज के लिए मंचिरियाल ले गए, साथ ही बस कंडक्टर सीनू को भी इलाज के लिए मंचेरियाल ले जाया गया। इसकी खबर मिलते ही घटनास्थल पर आसिफाबाद एस आई रमेश ने पहुंचकर जायजा लिया।

संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) में प्रथम दिवस पर कार्यक्रम

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी श्री आई माताजी मंदिर (बडेर) प्राण-प्रतिष्ठा के प्रथम वर्षगांठ महोत्सव पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत आज प्रथम दिवस पर जाजम बिछाने के लाभार्थी केशाराम परिहार द्वारा जाजम बिछाई गई। कड़ाव खोलने लाभार्थी चंदाराम परिहारिया, संगारेड्डी अपने परिवार सहित पूजा अर्चना कर माताजी को भोग लगाया।

इस अवसर पर युधिष्ठिरजी शास्त्री और इनके कृपापात्र व्यास हेमंत की स्वर लहरियों से पूजा-अर्चना करायी गई। नौ कुण्डीय यज्ञ हवन में मुख्य यजमान चंदाराम परिहारिया, संगारेड्डी, घीसाराम काग सदाशिवपेट, प्रभुराम काग शंकरपली, कालुराम भायल ज़हीराबाद के अतिरिक्त समाज बंधुओं ने यज्ञ का लाभ लिया।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में मिधानि की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में कर्मचारियों के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन संपन्न हुआ। प्रथम सत्र के वक्ता दिव्या नायर, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, एएसएल, डीआरडीओ ने राजभाषा में काम करें, क्यों और कैसे विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने व्याख्यान के दौरान भारत संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी के चुने जाने संबंधी घटनाओं के माध्यम से प्रतिभागियों को राजभाषा की ओर आकृष्ट करने का प्रयास किया। उन्होंने कार्यालय में प्रयुक्त होने वाले राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत आनेवाले दस्तावेजों में प्रयोग की जाने वाली भाषा का ज्ञान कराकर उनमें इस्तेमाल होने वाले सामान्य वाक्यांशों का अभ्यास करवाया। द्वितीय सत्र में उद्यम के भवनीश कुमार सिंह ने ग्रीन स्टील निर्माण में सीओ2 उत्सर्जन को कम करने के लिए एक दृष्टिकोण विषय पर हिंदी में मल्टि मीडिया के माध्यम से व्याख्यान दिया।

तृतीय सत्र में आईओसीएल के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक (परियोजना) ने हिंदी का व्यावहारिक ज्ञान और व्याकरण विषय पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने हिंदी से इतर भाषियों द्वारा हिंदी शब्दों के उच्चारण में दोष और उसके निवारण पर अभ्यास करवाया। कार्यशाला के आरंभ में उद्यम के उप प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने हिंदी कार्यशाला के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और कार्यालय में लागू हिंदी की विभिन्न योजनाओं का परिचय दिया। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालत (एनयूएस) का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में सभी प्रतिभागियों को कार्यालय का दैनिक कामकाज राजभाषा में करने के लिए शपथ दिलाई गई।

10वीं कक्षा के छात्र ने दे दी जान

करीमनगर, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मीकुंटा में सोमवार को 10वीं कक्षा की एक छात्रा अपने घर में फंदे से लटकी मिली। आशंका जताई जा रही है कि कम नंबर आने पर माता-पिता द्वारा डांटे जाने से नाराज होकर उसने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस के अनुसार अरेली जागृति (16) ने उस समय पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली जब परिवार के अन्य सदस्य बाहर चले गए थे। परिजन लौटे तो वह मृत पाई गई। कहा जाता है कि जम्मीकुंटा शहर के एक निजी स्कूल में कक्षा 10 की छात्रा जागृति ने अपने माता-पिता द्वारा हालिया प्री-फाइनल परीक्षाओं में औसत से कम प्रदर्शन के लिए डांटे जाने के बाद चरम कदम उठाया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

एसआरएसपी नहर में कार गिरने से पत्रकार की मौत

जगतियाल, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल शहरके बाहरी इलाके में धरूर कैंप के पास एसआरएसपी नहर में दुर्घटनाग्रस्त कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद यहां एक स्थानीय पत्रकार का दुखद अंत हो गया। पुलिस के अनुसार जगतियाल कस्बे के पांच लोग चलगल बाइपास होते हुए अंथरगांव होते हुए कस्बे लौट रहे थे. कहा जाता है कि रिजवान, जो गाड़ी चला रहा था, पहिया से नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार नहर में जा गिरी। जबकि चार यात्री कार से बाहर निकलने में कामयाब रहे, रिजवान अंदर फंस गया। दमकल और बचाव सेवा के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर रिजवान को वाहन से बाहर निकाला और सीपीआर देकर अस्पताल में स्थानांतरित करने की कोशिश की। हालांकि, अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। कस्बे के बीटबाजार का रहने वाला रिजवान मेडिपल्ली मंडल के एक स्थानीय अखबार के लिए काम कर रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

बिजली का खंभा गिरने से ट्रैक्टर चालक की मौत

पेद्दापल्ली, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पेड्डापल्ली शहर में एक खराब बिजली का खंभा गिरने से ट्रैक्टर चालक चित्तवेना संतोष (33) की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बंदमपल्ली के रहने वाले संतोष पेड्डापल्ली शहर के पेद्दामनगर में एक खुली जगह में एक खराब बिजली के खंभे को हटा रहे थे। जब वह ट्रैक्टर की मदद से पोल हटा रहा था तभी पोल उसके ऊपर गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह पत्नी और दो बच्चों से बचे हैं। विधायक दसारी मनोहर रेड्डी ने संतोष के परिजनों को सरकार की ओर से मदद का आश्वासन दिया है।

महिला को परेशान करने और धमकी देने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने एक महिला को कथित रूप से परेशान करने और धमकी देने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आंध्र प्रदेश के मूल निवासी गौरेनेनी मनोज (27) ने पीड़िता को एक फ़िशिंग लिंक भेजकर उसका इंस्टाग्राम अकाउंट हैक कर लिया। एसीपी साइबर क्राइम, एसवी हरि कृष्ण ने कहा कि इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने के बाद मनोज ने पीड़िता को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और उसे नग्न वीडियो कॉल करने की मांग की। एक शिकायत पर, पुलिस ने एक मामला दर्ज किया और मनोज को आंध्र प्रदेश में एनटीआर जिले के इब्राहिमपटनम में ट्रैक किया। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

एआईएमआईएम नेता ने आईटी मंत्री की टिप्पणी पर कड़ा ऐतराज जताया

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस और एआईएमआईएम को दोस्ताना पार्टियों के रूप में जाना जाता है। हालांकि तेलंगाना विधानसभा के हालिया सत्र के दौरान दोनों ही दल तीखी नोकझोंक में लगे रहे। दोनों पक्षों के बीच इस तरह की कहासुनी आम बात हो गई है। हालांकि इस बार आईटी मंत्री के.टी. रामा राव और आईएमआईएम के सदन के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी एक नए स्तर पर पहुंच गए, ओवैसी ने घोषणा की कि आईएमआईएम आगामी चुनावों में 50 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और विधानसभा में कम से कम 15 विधायक रखने का लक्ष्य रखा है।

ओवैसी ने एआईएमआईएम के सात विधायकों के विधानसभा में घंटों बोलने और बीआरएस की 105 विधायकों की ताकत पर सवाल उठाने वाले रामा राव के बयान पर नाराजगी जताई। जवाब में, ओवैसी ने कहा कि उन्होंने रामाराव द्वारा की गई टिप्पणियों को बहुत गंभीरता से लिया है। घटनाओं के एक दिलचस्प मोड़ में, कई कांग्रेस विधायकों ने बजट भाषण के बाद विधानसभा स्थगित होने के बाद एआईएमआई विधायक दल के नेता असदुद्दीन ओवैसी के साथ बैठक की। कांग्रेस एलपी नेता भट्टी विक्रमार्क और विधायक श्रीधर बाबू और जग्गा रेड्डी ने अकबरुद्दीन ओवैसी के साथ एक घंटे से अधिक समय तक चर्चा की, जिससे दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई।

साइबराबाद ऑयुक्तालय में 'कंटी वेगुलु' चिकित्सा शिविर का शुभारम्भ

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवींद्र ने आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के सीटीसी में तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित 'कंटी वेगुलू' चिकित्सा शिविर के दूसरे दौर का उद्घाटन किया और नेत्र परीक्षण का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए सीपी ने कहा कि तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना राज्य में आंखों की समस्याओं से पीड़ित लोगों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए 'कांति वेलुगू' योजना तैयार की है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्तालय और जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय की देखरेख में एक 15 सदस्यीय मेडिकल टीम साइबराबाद सीपी कार्यालय में सभी कर्मचारियों की आंखों की जांच करेगी और जरूरतमंदों को चश्मा और उपचार प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि 5 दिनों तक चलने वाला 'कंटी वेलगू'

कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 250 कर्मचारियों की जांच की जा रही है।

अतः सभी कर्मचारियों को सलाह दी जाती है कि इस द्वितीय चरण के नेत्र ज्योति चिकित्सा शिविर का लाभ उठाएं। तत्पश्चात डॉ. राकेश, कंटी वेलुगु कार्यक्रम अधिकारी (रंगारेड्डी जिला) ने कहा कि राज्य के सभी नागरिकों की आंखों की जांच और दृष्टि परीक्षण किया जाएगा, मुफ्त चश्मा प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही सर्जरी और अन्य उपचार की निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी।

आम नेत्र रोगों की दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी तथा लोगों को हानिकारक नेत्र रोगों से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना सरकार के खर्चे पर तेलंगाना के सभी जिलों के लोगों को निःशुल्क संचालित की जाएगी और जरूरतमंदों को चश्मा, सर्जरी और दवाइयां उपलब्ध कराएगी।

हरीश राव का बजट भाषण 'भ्रमपूर्ण' और 'दिशाहीन' : उत्तम

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सांसद एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को विधानसभा में वित्त मंत्री टी. हरीश राव द्वारा पेश तेलंगाना के बजट 2023-24 को 'भ्रमपूर्ण' और 'दिशाहीन' बताया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि रुपये का प्रस्तावित व्यय। 2.90 लाख करोड़ पूरी तरह से अवास्तविक है क्योंकि यह राज्य के राजस्व से मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा, "इतिहास में पहली बार, वित्त मंत्री के भाषण में अनुमानित राजस्व का कोई उल्लेख नहीं था। उन्होंने यह निर्दिष्ट नहीं किया कि बजट अधिशेष था या घाटा।" कांग्रेस सांसद ने कहा कि धन के आवंटन में एकरूपता नहीं है और सभी प्रमुख क्षेत्रों की उपेक्षा की जाती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के लिए कुल बजट में से आवंटन केवल 4.187 था।

इसी तरह, माध्यमिक शिक्षा को सिर्फ 5.547 जबकि उच्च शिक्षा को सिर्फ 1.037 मिला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बकाया शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति बकाया रुपये से अधिक के भुगतान के लिए कोई प्रावधान नहीं किया है। पूरे उच्च शिक्षा विभाग के लिए 3,001 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मासिक बेरोजगारी भत्ता रुपये का कोई उल्लेख नहीं है। 3,016 रुपए सीएम केसीआर सरकार ने सभी बेरोजगार युवाओं को देने का वादा किया था।

एसबीआई प्रशासनिक कार्यालय, साइबराबाद के नए परिसर का उद्घाटन

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई, प्रशासनिक कार्यालय, साइबराबाद के नए परिसर का उद्घाटन एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा द्वारा गाचीबोवली, हैदराबाद में किया गया। उन्होंने श्रीराम सिंह, डीजीएम, एओ साइबराबाद और उनकी टीम को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर बोलते हुए दिनेश खारा ने कहा कि हमें उत्कृष्ट ग्राहक सेवा सुनिश्चित करने और हर समय सर्वोत्तम ग्राहक अनुभव प्रदान करने की आवश्यकता है। वाहनों को अध्यक्ष दिनेश खारा, अश्विनी कुमार

तिवारी, एमडी (आर, सी एंड एसएआरजी), ओम प्रकाश मिश्रा, डीएमडी (एचआर) और सीडीओ, अमित झिंगरन, सीजीएम हैदराबाद सर्कल, श्रीमती मंजू शर्मा, जीएम, एनडब्ल्य-1 द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसअवसर पर देवाशीष मित्रा, महाप्रबंधक, एनडब्ल्यू-2, नवीन कुमार झा, सीजीएम अमरावती सर्किल, जितेंद्र कुमार शर्मा, डीजीएम और सीडीओ और एओ और एलएचओ के अधिकारी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे।

तत्पश्चात दिनेश खारा ने एलएचओ अमरावती का दौरा किया और सीएसआर गतिविधि के हिस्से के रूप में उन्होंने एपी राज्य के स्वामित्व वाले एनजीओ को 32.79 लाख रुपये का चेक दान किया।

कार्यक्रम के दौरान नवीन चंद्र झा, मुख्य महाप्रबंधक, के.गुंडू राव, महाप्रबंधक-3, कृष्ण शर्मा, महाप्रबंधक-1, ओम नारायण शर्मा, महाप्रबंधक2 और अन्य एलएचओ अधिकारी उपस्थित थे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

लक्ष्य ठाकुर
माता : आशा ठाकुर
पिता : लखन ठाकुर

शादी से 2 दिन पहले महिला कांस्टेबल की मौत

बाथरूम में मिला हल्दी लगा शव

मेरठ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जिले के सरधना थाना क्षेत्र में रविवार को एक शादी के घर में मातम छा गया. विवाह से 2 दिन पहले महिला कांस्टेबल की मौत हो गई. रविवार को युवती का हल्दी कार्यक्रम था. हल्दी, बान की रस्म के बाद बाद युवती नहाने के लिए बाथरूम में चली गई और काफी देर तक बाहर नहीं निकली. इसके बाद परिजनों उसे आवाज लगाई. लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया. परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा वह अचेत अवस्था में बाथरूम में पड़ी हुई थी. आनन-फानन में डॉक्टर को बुलाया गया, तो पता चला कि युवती मर चुकी है. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

'आरजेडी की खास डील से जेडीयू के अस्तित्व को खतरा'

उपेंद्र कुशवाहा ने बुलाई बड़ी बैठक

पटना, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में जनता दल (यूनाइटेड) के अंदर सबकुछ ठीक नहीं है. पार्टी में संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने कहा कि लालू यादव के राजद की ओर से एक खास डील से जदयू के अस्तित्व को खतरा है. चर्चा है कि जदयू का राजद में विलय हो रहा है. इस खबर ने पार्टी से जुड़े निष्ठावान नेताओं और कार्यकर्ताओं को झकझोर कर रख दिया है. इसलिए पार्टी के अस्तित्व को बचाने के लिए विमर्श की जरूरत है. उपेंद्र कुशवाहा ने पार्टी के प्रमुख साथियों के अलावा पूर्व में रालोसपा और महात्मा फुले समता परिषद के साथियों के नाम पत्र लिखा है. इन सभी को 19 और 20 फरवरी की सुबह 11 बजे से पटना के सिन्हा लाइब्रेरी में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है. उपेंद्र कुशवाहा ने अपने पत्र में लिखा है कि आंतरिक गतिरोध की वजह से जेडीयू दिन प्रतिदिन कमजोर हो रही है. महागठबंधन बनने के बाद बनी इस स्थिति को लेकर उन्होंने अपने स्तर पर काफी प्रयास किए. समय समय पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अवगत भी कराया. लेकिन मुख्यमंत्री ने लगातार उनकी अनदेखी की. यहां तक कि उन्होंने उनकी चिंता की गलत व्याख्या तक कर डाली. ऐसे हालात में पार्टी के अस्तित्व को बचाने की जिम्मेदारी सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं की है. यदि ऐसा नहीं हुआ और पार्टी बिखर गई तो पार्टी से जुड़े करोड़ों कार्यकर्ताओं के अरमानों पर पानी फिर जाएगा. उपेंद्र कुशवाहा ने सभी वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को इस बैठक में शामिल होकर अपनी राय रखने की अपील की है.

जेडीयू के राजद में विलय की है चर्चा

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि इस समय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरजेडी नेताओं के बीच बड़ी खिचड़ी पक रही है. नीतीश कुमार कुछ बड़ा हासिल करने की फिराक में हैं. ऐसे में वह वह राजद का साथ लेना चाहते हैं. चर्चा है कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेडीयू का राजद में विलय कर सकते हैं. उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऐसा हुआ तो उन करोड़ो निष्ठावान कार्यकर्ताओं और नेताओं का क्या होगा, जिन्होंने राजद के खिलाफ इस पार्टी के लिए बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी है.

जेडीयू के दो फाड़ होने की आशंका

अब तक जेडीयू में अंदरुनी गतिरोध की खबरें खूब चल रही थी, लेकिन पार्टी के बड़े नेता इसे खारिज करते रहे हैं. वहीं अब उपेंद्र कुशवाहा के इस पत्र और पत्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमले ने पूरी स्थिति को साफ कर दिया है. यह जाहिर हो गया है कि अंदर ही अंदर जो खिचड़ी पक रही है, वह उबलने की स्थिति में है. इसी के साथ यह भी आशंका जताई जा रही है कि पार्टी में दो फाड़ हो सकते हैं. बता दें कि पार्टी में गतिरोध बीजेपी से अलग होकर राजद के साथ सरकार बनाने के समय ही शुरू हो गया था. लेकिन अभी तक यह पूरा विवाद अंदरुनी था.

पिता स्वामी प्रसाद मौर्य से अगल राह पर बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य

भगवान राम को यूं किया याद

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा रामचरितमानस पर दिए गए विवादित बयान के बाद से जुबानी जंग जारी है. इस बीच स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी और बदायूं से बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य अब पिता से अलग राह पर चलती नजर आ रही हैं. हालांकि इससे पहले उन्होंने अपने पिता के बयान का समर्थन किया था. बीजेपी सांसद ने कहा है, तेरे नाम ने मुझे अनमोल कर दिया मेरे राम. अयोध्या धाम में जिस शालिग्राम देवशीला से प्रभु श्री राम जी की मूर्ति बनाई जाएगी, नेपाल से अयोध्या पहुंच गई है. रास्ते मे जहां-जहां से भी आया वहां के श्री राम भक्त इसे छूने के लिए लालायित रहे अपितु जोश के साथ-साथ चलते रहे. जबकि इससे पहले संघमित्रा मौर्य ने खुद को पिता के बयान से अलग कर लिया था. तब उन्होंने कहा था, मैं चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रही हूं और यह सुनिश्चित कर रही हूं कि मेरी पार्टी दोबारा सत्ता में वापस आए. यह चुनाव के अलावा अन्य मुद्दों पर बोलने का समय नहीं है. हालांकि बीजेपी सांसद का ये बयान यूपी बीजेपी की अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के बयान के बाद आया है.

सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद ने फिर ट्वीट कर माहौल गरमाया

आरएसएस प्रमुख के बहाने की टिप्पणी

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य लगातार ट्वीट के जरिए सियासी माहौल को गरमाए हुए हैं। उन्होंने पहले अंबेडकर के बहाने हमला बोला और सोमवार को संघ को ढाल बनाते हुए टिप्पणी की। ट्वीट कर लिखा कि जाति-व्यवस्था पंडितों (ब्राह्मणों) ने बनाई है। यह कहकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने धर्म की आड़ में महिलाओं, आदिवासियों, दलितों व पिछड़ो को गाली देने वाले तथाकथित धर्म के ठेकेदारों व ढोंगियों की कलई खोल दी, कम से कम अब तो रामचरित्र मानस से आपत्तिजनक टिप्पणी हटाने के लिये आगे आयें।

'बहुत हुआ, तुमसे परेशान हो गया' गर्लफ्रेंड को फोन पर सुसाइड नोट सुनाया और लगा ली फांसी

बिजनौर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बिजनौर के मोहनलाल गंज कस्बे में 24 साल के एक युवक ने फांसी लगा दी. फांसी लगाने से पहले उसने अपनी गर्लफ्रेंड के नाम सुसाइड नोट लिखा. फिर यह सुसाइड नोट फोन पर पढ़ कर सुनाया. कहा कि अब बहुत हो गया, तुम्हारी ब्लैकमेलिंग से त्रस्त आ गया हूं और फांसी लगा ली. फोन कटते ही गर्ल फ्रेंड ने तत्काल युवक के रिश्तेदार को सूचित किया,

लूटपाट का विरोध करने पर चलती बाइक से युवती को दिया धक्का

नोएडा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। नोएडा में एक बार फिर बदमाशों का आतंक बढ़ता जा रहा है। बाइक सवार बदमाशों ने बॉटनिकल गार्डन के पास चलती बाइक से युवती से लूटपाट का प्रयास किया। असफल रहने पर बदमाशों ने युवती को धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। युवती एक अमेरिकी कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर है। युवती को कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में 2 टीमों का गठन किया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे एक दर्जन से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। नोएडा के सेक्टर 70 में रहने वाली युवती 3 फरवरी को दिल्ली के लाजपत नगर से उबर बाइक पर बैठकर नोएडा आ रही थी, जब वह बॉटनिकल गार्डन के पास पहुंची, तो बाइक सवार दो बदमाशों ने पीछा करना शुरू कर दिया। कुछ दूर जाकर बदमाशों ने पर्स लूटने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। इसके बाद बदमाशों ने हाथ में हथियार लेकर बाइक की गति तेज कर दी और फिर पर्स लूटने का प्रयास किया। इस बार भी असफल होने पर बदमाशों ने चलती बाइक से युवती को धक्का दे दिया, जिससे युवती सड़क पर गिर गई। इससे उसके चेहरे और नाक पर काफी चोट आई है।

सपा एमएलए पल्लवी पटेल ने किया अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन

कहा- 'अच्छा कदम है, समर्थन होना चाहिए'

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की विधायक और अपना दल कमेरावादी नेता पल्लवी पटेल ने अनुच्छेद 370 का हटाने का समर्थन किया है. सपा विधायक गोंडा पहुंचीं. वहां उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस के जरिए कई मुद्दों पर अपनी बात रखी. इस दौरान उन्होंने रामचरितमानस विवाद पर भी बयान दिया. अनुच्छेद 370 हटने का समर्थन करते हुए पल्लवी पटेल ने कहा, अगर 370 हटने से लोगों के जीवन में बेहतरी आई है तो यह अच्छा कदम है. यह सरकार का अच्छा कदम है. इसका समर्थन होना चाहिए. जबकि इस साल के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 2023 का आम बजट चुनावी बजट है. शिक्षा और रोजगार की बात बजट में नहीं की गई है. जब उनसे भारत जोड़ो यात्रा को लेकर सवाल हुआ तो उन्होंने कहा, राहुल गांधी को यात्रा से उनको प्यार और सम्मान मिला है. 2024 के आम चुनाव में इसका फायदा कांग्रेस को होगा.

तुलसीदास को बताया अनुवादक

वहीं रामचरितमानस विवाद पर बोलते हुए सपा विधायक ने कहा, ₹तुलसीदास रामायण के महज अनुवादक हैं. मैं तुलसीदास को नहीं मानती हूं. वे संत नहीं एक अनुवादक हैं. रामायण के कई वॉल्यूम हैं और मानस में तुलसी के निजी विचार हैं. मैंने रामचरितमानस नहीं पढ़ा और न मैं मानती हूं. मैं साकार ब्रह्म और मूर्ति पूजन में विश्वास रखती हूं. किसी एक पंक्ति को हटाने से बात नहीं बनेगी. शूद्र के प्रति ऐसे विचार को जड़ से मिटाना है तो बड़े आंदोलन की जरूरत है. सपा विधायक ने कहा,

मैं आंदोलन करूंगी, जिससे शूद्र को लेकर विचार बदले. जबकि स्वामी प्रसाद मौर्य की टिप्पणी पर कहा, बीजेपी में रहते हुए उन्हें विरोध करना चाहिए था. लेकिन बिगाड़ के डर से ईमान की बात न करना ठीक नहीं है. उस वक्त वे बीजेपी के साथ थे. अगर उनको इतना बुरा लगा था तो नैतिकता के आधार पर पार्टी का साथ छोड़ देना चाहिए था, तब तो विरोध नहीं आया.

बिहार में पुल के बाद अब रेल ट्रैक की चोरी, 2 किमी तक पटरी उखाड़ ले गए चोर

पटना, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में पुल चोरी के बाद अब रेल ट्रैक की चोरी का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है.मधुबनी के पंडौल स्टेशन के पास चोरों ने दो किमी तक की दूरी में रेल पटरी की चोरी कर ली. रेल ट्रैक की चोरी होने की खबर से अधिकारियों में हड़कंप मच गया. इस मामले में झंझारपुर के आउटपोस्ट प्रभारी और मधुबनी के जमादार को सस्पेंड कर दिया गया है. वहीं, चोरों की पहचान के लिए रेल पुलिस आसपास के इलाकों में लोगों से उनके बारे में जानकारी जुटा रही है. रेलवे ने चोरी के इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एक जांच टीम का भी गठन किया है.

अखिलेश का सवाल, अडानी पर कार्रवाई क्यों नहीं?

मायावती बोलीं- दांव पर है भारत की छवि

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कारोबारी गौतम अडानी के अडानी ग्रुप के बारे में आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद देशभर में हंगामा मचा हुआ है। विपक्षी दल लगातार इस मामले पर बीजेपी पर निशाना साध रहे हैं। मामले पर अखिलेश यादव और मायावती ने भी बीजेपी से कार्रवाई की मांग की है।

बीजेपी ने सारा पैसा अपने प्यारे उद्योगपतियों को दिया है- अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर तो गौतम अडानी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, आम जनता का पैसा अपने फेवरेट उद्योगपति को दिया। मैं भारतीय जनता पार्टी के लोगों से पूछना चाहता हूं। क्या उस पर कोई कार्रवाई होगी या नहीं। अखिलेश ने आगे कहा, "एलआईसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और ना जाने कितनी संस्थाओं का पैसा अपने सबसे प्रिय उद्योगपति को लगा दिया। आज कई लाख करोड़ रुपए का घाटा हो गया है। क्या अधिकारियों को जेल भेजा जाएगा? आम लोगों का पैसा चला गया और सरकार कहती है कि हम निवेश लाएंगे।

देश की छवि दांव पर लगी है - मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा, "गौतम अडानी की वजह से भारत की छवि दांव पर लगी है और हर कोई इसको लेकर चिंता में है, लेकिन सरकार इसे ''बहुत हल्के'' में ले रही है। गौतम अडानी मामले का भारतीय अर्थव्यवस्था पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ेगा और दुर्भाग्यपूर्ण है।" मायावती ने आगे कहा, "सरकार इस देश के लोगों को भरोसे में नहीं ले रही है। इस तरह के मामलों का हल ढूढ़ने के बजाय सरकार लोगों को नजरअंदाज कर नए वादे कर रही है। इस तरह के मामलों का हल ढूढ़ने के बजाय सरकार लोगों को नजरअंदाज कर नए वादे कर रही है।"

टॉप-20 अमीरों की लिस्ट से बाहर हुए गौतम अडानी

हिंडनबर्ग ने हाल ही में गौतम अड़ानी के कारोबार के बारे में एक रिपोर्ट की है। इसमें गौतम अडानी के कामकाज पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इस रिपोर्ट के आने के बाद अडाली ग्रुप के शेयर लगातार गिरे हैं। रिपोर्ट आने के एक हफ्ते के अंदर ही अडानी अमीरों की टॉप-20 लिस्ट से बाहर हो गए हैं। अडानी ग्रुप को पिछले 10 दिनों में करीब दस लाख करोड़ रुपए का घाटा हो चुका है। विपक्ष ने इस मामले में जेपीसी के गठन की मांग कर रहा है। वहीं सरकार का कहना है कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

मुजफ्फरपुर में दिनदहाड़े युवती का अपहरण!

18 घंटे बाद पता चला पति ने पत्नी को जबरन उठाया था

मुजफ्फरपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर में दिनदहाड़े एक लड़की को उठाकर ले जाने का सीसीटीवी सामने आया है। मामला मुजफ्फरपुर के अहियापुर थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित दादर रोड की है जहां एक लड़की को कार सवार कुछ लोग जबरन गाड़ी में बैठा कर ले गए हैं। यह पूरी घटना दादर रोड के एक टाइल्स दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। अब करीब 18 घंटे बाद पुलिस गाड़ी के नंबर के आधार पर मीनापुर थाना क्षेत्र पहुंची और जाकर स्पष्ट हुआ कि पति-पत्नी में झंझट के कारण यह स्थिति बनी थी। पति ही जबरन पत्नी को समझाने के लिए उठा ले गया था।

सीसीटीवी में घटना देख अपहरण की बात उठी, परेशान रही पुलिस

इससे पहले सीसीटीवी फुटेज के कारण अपहरण की बात सामने आने से पुलिस परेशान थी। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा था कि ब्लू जींस और पिंक कलर का टीशर्ट पहनी लड़की रास्ते से जा रही है। तभी सामने से एक कार आकर वहां रुकी। कार के रुकते ही कार में सवार कुछ व्यक्ति अचानक कार से उतर कर सामने से आ रही लड़की की तरफ बढ़ने लगते हैं। लड़की उन लोगों को अपनी तरफ आते देख भागने लगती है। फिर उन लोगों ने लड़की को रुकने को कहा, लेकिन लड़की उनलोगों को देखकर भागने लगती है। इस बीच कार सवार लोगों ने खदेड़ कर लड़की को पकड़ लिया और जबरन गाड़ी में बैठा कर अपने साथ ले भागे। आसपास के लोगों ने घटना की सूचना अहियापुर पुलिस को दी गई।

गाड़ी के नंबर से मीनापुर पहुंची पुलिस, तब अगले दिन खुला पूरा केस

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। हालांकि कुछ देर के बाद डीएसपी टाउन राघव दयाल भी घटनास्थल पर पहुंचे। डीएसपी ने भी स्थानीय लोगों से पूछताछ भी की, लेकिन सुबह 10 बजे तक मामले का खुलासा नहीं हो सका। पुलिस का कहना था कि अभी तक किसी के द्वारा थाने में गायब होने की शिकायत नहीं आई है। पुलिस स्थानीय लोगों के साथ साथ आसपास के सीसीटीवी को खंगालते हुए कार के नंबर का पता लगा रही थी। बाद में पुलिस कार के नंबर के आधार पर मीनापुर इलाके की पहुंची। सुबह 11 बजे जाकर पूरी कहानी सामने आई कि यह पति-पत्नी के बीच झंझट का मामला था।

बगहा में साइबेरियन परिंदों से गुलजार हुआ वीटीआर, शिकार रोकने को लेकर वन विभाग मुस्तैद

बगहा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार के बगहा में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व इन दिनों प्रवासी पक्षियों के आगमन से गुलजार है. ठंड का मौसम शुरू होते हीं नवंबर माह से प्रवासी पक्षियों का यहां के झील, नदियों, सरोवरों और जलाशयों में आना शुरू हो जाता है. चकदहवा के पास गंडक नदी में इन पक्षियों ने अपना डेरा जमाया हुआ है. प्रवासी पक्षी पानी में डुबकी लगाकर सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं. प्रवासी पक्षियों के पहुंचने से वीटीआर की सुंदरता में चार चांद लग गए हैं. इन मेहमान परिंदों का शिकार नहीं हो इसलिए वन विभाग ने भी गस्ती बढ़ा दी है.

वीटीआर में आईं ये साइबेरियन पक्षियां

बता दें कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व और आसपास के क्षेत्रों में लालसर, दिघवच, डमर, केशराज, अमैठा, गैरी, दिघौंच, अरूण, सराय, मैल, सामा-चकेवा, अधंगी, मलकई, कोचरा, कबूतरी, खोखैर, नदीम, नकटा, केपला, कारण, सिलौंग, सिल्ली जैसी पक्षियों के झुंड देखा जा रहा है. वन्य जीवों और पक्षियों के एक्सपर्ट विद्यादित्य संजू का कहना है कि मेहमान प्रजातियां साइबेरिया और कनाडा से उड़कर हमारे यहां का रुख करती हैं. दोनों ही देशों में बहुत अधिक ठंड पड़ने और पारा माइनस पर पहुंचने की स्थिति में पूरा देश बर्फ से ढक जाता है, जिस कारण वहां के पक्षी भोजन और चारे की तलाश में वीटीआर पहुंचते है. इन्हें भोजन के तौर पर छोटी मछलियां, जलाशयों के अंदर उगने वाले नरम पौधे और कीट के साथ धान के खेतों में गिरे हुए अनाज खूब पसंद आते हैं.

वन विभाग ने बढ़ाई गस्ती

वहीं वाल्मीकिनगर वन प्रक्षेत्र के रेंजर अवधेश कुमार का कहना है कि प्रवासी पक्षियों के आगमन के बाद से गस्त बढ़ा दी गई है. सुबह शाम वो खुद वीटीआर वन प्रक्षेत्र से सटे जलाशयों समेत गंडक नदी के किनारे वनकर्मियों के साथ पेट्रोलिंग कर रहे हैं, ताकि शिकारी इन मेहमान पक्षियों का शिकार न करें. रेंजर ने बताया कि जंगल सफारी वाले मार्ग से सटे ग्रासलैंड और अन्य जगहों पर स्थित जलाशयों में हजारों की संख्या में प्रवासी पक्षी पहुंचे हैं, जिनकी सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है. बता दें कि इन परिंदों का शिकार वर्जित है लेकिन बड़े पैमाने पर इनका चोरी छिपे शिकार होता है. जिससे इनकी संख्या में भारी कमी देखी जा सकती है.

ठंड के साथ बढ़ती है पक्षियों की संख्या

साइबेरिया में भयंकर ठंड से बचने के लिए हजारों किलोमीटर की यात्रा कर प्रवासी पक्षी प्रत्येक वर्ष वाल्मीकिनगर आते हैं. पक्षी विशेषज्ञों की मानें तो ये पक्षी प्रतिवर्ष अपने निश्चित ठिकाने पर ही पहुंचते हैं. यहां पर यह पक्षी एक जोड़े के रूप में आते हैं लेकिन जैसे-जैसे ठंड बढ़ने लगती है वैसे वैसे इन पक्षियों का झुंड भी बढ़ने लगता है. इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि ये अपने वंश की वृद्धि इन्हीं क्षेत्रों में करते हैं. साथी जैसे-जसे गर्मी बढ़ने लगती है इन क्षेत्रों से यह पक्षी पलायन करने लगते हैं.

जम्मू-कश्मीर विध्वंस अभियान के बीच टीआरएफ का धमकी भरा खत

कहा- किसी भी अधिकारी को बना सकते हैं निशाना

जम्मू, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कश्मीर में विध्वंस अभियान जारी है. इस बीच अब आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) की तरफ से अधिकारियों को धमकी दी गई है. आतंकी गुट का कहना है कि वह किसी को भी मार डालेगा और निशाना बनाएगा. यह धमकी उन लोगों के लिए है जो अतिक्रमण विरोधी अभियान में इस्तेमाल किए जा रहे बुलडोजर या जेसीबी का मालिक है और जो इन लोगों को आदेश दे रहे हैं. धमकी भरे खत में आतंकवादी समूह ने कहा कि उसके समर्थकों की संपत्ति को नष्ट कर दिया गया और अधिकारी मूक दर्शक बने रहे. आतंकी संगठन ने कहा कि यह राजस्व विभाग के लिए काम करने वाले या विध्वंस अभियान में इस्तेमाल की गई मशीनरी के मालिकों को निशाना बनाएंगे. टीआरएफ की चेतावनी में कहा गया है कि चपरासी से लेकर पटवारी, नायब तहसीलदार या तहसीलदार या डीसी तक किसी को नहीं छोड़ा जाएगा. उनका कहना है कि जो भी इस विभाग में काम कर रहा है सभी को टारगेट लिस्ट में शामिल किया गया है. इतना ही नहीं इस खत की मदद से जनता को भड़काने की भी कोशिश की गई है. धमकी भरे खत में आतंकी संगठन ने आम जनता से अपराधियों के घरों को जला देने की अपील की है. उसका कहना है कि वह इन हमलों का समर्थन करेगा और इन हमलों का जिम्मा उठाएगा. साथ ही ऐसा करने वाले लोगों का रेजिस्टेंस फाइटर्स रैंक में स्वागत किया जाएगा.

व्हाट्सएप डीपी पर पूर्व जज का फोटो लगाकर जालसाज ने परिचितों को किया फोन, बोला- कुछ पैसों की जरूरत है...

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर पश्चिम जिले में व्हाट्सएप की डीपी पर पूर्व जिला व सत्र न्यायाधीश का फोटो लगाकर उगाही के प्रयास का मामला सामने आया है। जालसाज ने पूर्व न्यायाधीश के परिचितों को फोन कर पैसों की उगाही करने का प्रयास किया। परिचितों से पैसे मांगने की जानकारी मिलने के बाद पूर्व न्यायाधीश ने साइबर सेल में शिकायत की। साइबर सेल मामला दर्ज कर आरोपियों के फोन नंबर के जरिये पहचान करने में जुटी है। दिल्ली की एक अदालत में जिला व सत्र न्यायाधीश रह चुके एसपी सभरवाल अशोक नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनके कुछ परिचित व मित्रों ने फोन कर बताया कि उन्होंने उनसे पैसे की मांग की है जबकि उन्होंने किसी से पैसे नहीं मांगे थे। मित्रों ने बताया कि उनके व्हाट्सएप नंबर से पैसों की मांग की गई। व्हाट्सएप की डीपी पर उनका फोटो लगा हुआ है। मित्रों ने उन्हें आरोपियों के दो फोन नंबर भी दिए जिसके जरिये उन्हें फोन कर पैसों की मांग की गई थी।

ड्रग्स की लत में डूबा भारत का सबसे शिक्षित राज्य! 6 साल में 300 % बढ़े मामले

तिरुवनन्तपुरम, 6 फरवरी (एजेंसियां)। केरल ड्रग तस्करों का अड्डा बनता जा रहा है. पिछले छह वर्षों में ड्रग्स के मामलों में 300 फीसदी का इजाफा हुआ है. वहीं गिरफ्तारी दर भी 90 फीसदी के करीब बढ़ी है. पिछले साल राज्य में नशीले पदार्थों, शराब और प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों से संबंधित मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है. इससे जाहिर होता है कि भारत के सबसे शिक्षित राज्य माने जाने वाले केरल में ड्रग्स एक नई और गंभीर समस्या बन गई है. बता दें कि केरल की साक्षरता दर 93 फीसदी से अधिक है. केरल में 2016 से ड्रग्स के मामले लगातार बढ़ रहे हैं. कोरोना महामारी के कारण 2020 और 2021 में गिरावट देखने को मिली थी लेकिन 2022 में इसकी संख्या तेजी से बढ़ी है. एक आकड़ों के मुताबिक, पिछले साल (2022 में) पुलिस ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 26,629 मामले दर्ज किए. ये मामले

2016 की तुलना में 300 फीसदी से अधिक है. 2016 में 5924 मामले दर्ज किए गए थे. वहीं 2019 में 9245 मामले दर्ज किए गए थे.

2016 से 2022 के बीच 87.47 फीसदी बढ़ी गिरफ्तारी

रिपोर्ट के मुताबिक, एक्साइज डेटा एनलिसिस से पता चलता है कि एनडीपीएस अधिनियम के तहत इन मामलों के लिए जितनी गिरफ्तारियां हुईं, उनकी संख्या 2016 से 2022 के बीच 87.47 फीसदी बढ़ी. 2016 में 3217 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी जबकि 2022 में 6031 लोगों की गिरफ्तारियां हुईं. एनडीपीएस अधिनियम के तहत एक्साइज डिपार्टमेंट द्वारा दर्ज मामलों में भी 2016 से लगातार वृद्धि दिखाई दे रही है. 2019 में छह साल में सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई थी. डेटा के मुताबिक, 2016 में आबकारी विभाग ने एमडीएमए के तहत कोई भी बरामदगी दर्ज नहीं की. वहीं 2022 में विभाग द्वारा 7775.425 ग्राम नशे की दवा जब्त की गई, जो पिछले छह साल में सबसे अधिक थी. मेथामफेटामाइन दवा पहली बार 2021 में आबकारी विभाग के रडार पर आई, जब इसने 88.806 ग्राम दवा जब्त की. 2022 में अत्यधिक नशे की लत वाली दवा की मात्रा बढ़कर 2,432.483 ग्राम हो गई.

2022 में बढ़ गई हेरोइन-चरस और हशीश की जब्ती

पिछले साल की तुलना में 2022 में जब्त किए गए गांजे की मात्रा में गिरावट आई थी. मगर हेरोइन, चरस और हशीश की जब्ती बढ़ गई है. प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों से संबंधित सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम के तहत पंजीकृत मामले भी हाल के वर्षों में बढ़े हैं. 2016 में आबकारी विभाग द्वारा 45,756 मामले दर्ज किए गए थे. वहीं 2022 में 86,114 दर्ज किए गए.

अक्टूबर 2022 में 502 करोड़ का कोकीन जब्त

पिछले साल अक्टूबर में मुंबई में राजस्व खुफिया निदेशालय ने कोच्चि स्थित युमितो फूड्स के एमडी विजिन वर्गीस को 50.2 किलोग्राम कोकीन गिरफ्तार किया था. बाजार में इसकी कीमत करीब 502 करोड़ रुपये बताई गई थी. वर्गीस एक और मामले में शामिल था, जिसमें उसकी कंपनी के द्वारा दक्षिण अफ्रीका से आने वाले संतरे के डिब्बों में 1,476 करोड़ रुपये के मेथामफेटामाइन और कोकीन पाए गए थे.

मार्च 2022 में 165 केजी गांजा जब्त किया था

पिछले साल 18 मार्च को आबकारी विभाग ने केरल के पलक्कड़ जिले से 165 किलोग्राम गांजा जब्त किया था. इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया था. दोनों ने कथित तौर पर आंध्र प्रदेश से नशीला पदार्थ मंगाया था. पिछले साल अगस्त में इसी जिले से हशीश तेल के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था. तेल की कीमत बाजार में करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई थी.

फिर मुश्किल में फंसे सरारी, पैसे वापस न करने का आरोप, अदालत ने 12 अप्रैल को पेश होने का भेजा नोटिस

फिरोजपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री व गुरु हरसहाए से आम आदमी पार्टी के विधायक फौजा सिंह सरारी की परेशनियां बढ़ती जा रही हैं। मंत्री पद गंवाने के बाद अब वह एक नई मुश्किल में फंस गए हैं। उधार के पैसे वापस नहीं करने के एक मामले में सब-डिवीजन गुरु हरसहाए की सिविल अदालत ने उन्हें 12 अप्रैल को पेश होने का नोटिस दिया है। जानकारी के मुताबिक पूर्व मंत्री सरारी के खिलाफ कभी उनके नजदीकी रहे नरेश कपूर अदालत पहुंचे हैं। नोटिस के मुताबिक नरेश कपूर एंड संस फरीदकोट-गुरु हरसहाए के मालिक कपूर की सरारी से अच्छी जान-पहचान है। कई मौकों पर सरारी ने उनसे पैसे उधार लिए थे। यह राशि करीब दस लाख 32 हजार 340 रुपये है। कपूर ने कई बार पैसे मांगे,

नोटिस का जवाब दे दिया, अब जो करना हैं कर लें

परनीत कौर का कांग्रेस को दो टूक जवाब

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा सदस्य परनीत कौर ने कांग्रेस पार्टी के कारण बताओ नोटिस का जवाब भेज दिया है. उन्होंने कहा कि अब उन पर है, जो चाहें वो एक्शन लें. साथ ही उन्होंने बताया, मेरे पूरे परिवार ने बीजेपी ज्वॉइन कर ली है. साथ ही उन्होंने यह भी कबूला कि वह अपने पति के साथ एक रोड शो में गई थीं. इससे पहले कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में परनीत कौर को पार्टी से निलंबित कर दिया. इसके साथ ही परनीत कौर को कारण बताओ नोटिस जारी कर यह पूछा कि उन्हें निष्कासित क्यों नहीं किया जाए? पटियाला से सांसद कौर पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं और वह अब भारतीय जनता पार्टी में हैं. कौर, मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार में विदेश राज्य मंत्री थीं. पार्टी

की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति ने पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशंसा पर कौर को निलंबित करने का फैसला किया. समिति ने कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में यह बताने के लिए कहा है कि उन्हें पार्टी से निष्कासित क्यों न किया जाए. अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने शिकायत की थी कि कौर भाजपा की मदद करने के मकसद से पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलिप्त हैं. इसमें यह भी कहा गया है कि पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी ऐसी ही शिकायत की थी. बता दें कि वर्ष 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले कांग्रेस ने अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने का फैसला किया था, जिसके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया था.

छह बेटियों का बाप बना दूल्हा

65 साल के बुजुर्ग ने 23 साल की लड़की के साथ रचाई शादी, बताई यह दिलचस्प वजह

अयोध्या, 6 फरवरी (एजेंसियां)। विकास खंड मवई के मां कामाख्या धाम मंदिर में रविवार को एक बुजुर्ग ने युवती के साथ शादी रचाई। बुजुर्ग पहले से छह लड़कियों का पिता है। उसका कहना है कि पत्नी के मौत के बाद अकेलापन दूर करने के लिए उसने यह शादी रचाई। बाराबंकी जिले के सुबेहा थाना क्षेत्र के जमीन हुसैना बाद पूरे चौधरी गांव के निवासी बुजुर्ग नकछेद यादव (65) ने रविवार को सिद्धपीठ मां कामाख्या देवी मंदिर में अपने से 42 साल छोटी युवती नंदनी यादव (23) के साथ रविवार को सात फेरे लिए। नकछेद यादव के पहले से ही छह पुत्रियां है, जिनका विवाह हो चुका है। सभी अपने ससुराल में अपने पति व बच्चों के संग खुशहाल जिंदगी व्यतीत कर रही हैं। शादी के मौके पर दोनों पक्ष के लोग मौजूद थी, विवाह में लड़की व उसके घरवालों की रजामंदी भी बताई जा रही है। बुजुर्ग ने अपनी दूसरी शादी में जमकर डांस किया। यह युवती रांची की बताई जा रही है। वृद्ध ने बताया कि उसकी छह बेटियां हैं और उनकी शादी हो चुकी है। सभी ससुराल में हैं। पत्नी की मौत के बाद वह काफी अकेलापन महसूस कर रहा था इसलिए उसने दूसरी शादी की है। वायरल वीडियो में वृद्ध अपनी शादी की पगड़ी बांधे हुए जमकर नाच रहा है। रविवार को वृद्ध द्वारा अपने घर पर प्रीति भोज भी आयोजित किया गया। सोशल मीडिया पर वृद्ध की यह शादी चर्चा का विषय बनी हुई है।

जेलों में बड़े गैंगस्टर और सिफारिशी ही चला रहे मोबाइल

तिहाड़ प्रशासन ने 40 दिन में बरामद किए 348 फोन

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की जेलों में बंद नामी गैंगस्टर जेलों में खूब मोबाइल चला रहे है और जेल से ही अपने गिरोह को चलाने के अलावा रंगदारी भी वसूल कर रहे थे। ये खुलासा उस समय हुआ है जब तिहाड़ प्रशासन ने तिहाड़, मंडोली व रोहिणी जेल में चेकिंग कराई। इस दौरान 40 दिन में 348 मोबाइल फोन बरामद किए गए। तिहाड़ प्रशासन के एक अधिकारी ने दावा किया है कि ज्यादातर मोबाइल फोन जेलों में बंद गैंगस्टर व सिफारिशी कैदियों के कब्जे से मिले हैं। तिहाड़ प्रशासन ने इन मोबाइल फोन को जांच के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल व देश के खुफिया विभाग को सौंप दिया है। स्पेशल सेल ने इन मोबाइल पर जांच शुरू कर दी है।

ये पता किया जा रहा है कि गैंगस्टर कहां-कहां फोन कर रहे थे और किस-किस कारोबारी से रंगदारी मांगी गई है। एक अधिकारी ने तो ये भी दावा किया कि तिहाड़ से देश से बाहर भी कॉल की जा रही थीं। स्पेशल सेल के एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में गुप्त रूप से जांच की जाती है। देश से जुड़े मुद्दे को लेकर

खुफिया विभाग जांच करती है। तिहाड़ के नए जेल महानिदेशक संजय बेनीवाल के पदभार संभालते ही तिहाड़ में मोबाइल चला रहे कैदियों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। कैदियों से 348 मोबाइल फोन के अलावा बड़ी संख्या में हीटर भी मिले हैं। अधिकारी ने बताया कि ये बरामद मोबाइल बहुत पहले ही तीनों जेलों के अंदर चले गए थे। गैंगस्टर बेहिचक मोबाइल चला रहे थे। अब टीम ने वहां के कैदियों को दूसरे कैदियों को भय दूर किया है। अब कैदी खुद ही बता रहे हैं कि कौन सा बदमाश मोबाइल चला रहा है। जेलों में सबसे ज्यादा मोबाइल गैंगस्टर व गिरोह सरगना चलाते हैं। इनको जहां गिरोह को चलाने के लिए कारोबारियों व व्यवसायियों से रंगदारी मांगनी होती है, वहीं गिरोह भी चलाना होता है। जेलों में सबसे ज्यादा फोन इस उद्देश्य से चलाए जा रहे थे। इसके अलावा परिवारवालों का हालचाल जानने, गर्लफ्रेंड के संपर्क में रहने के लिए भी मोबाइलों का इस्तेमाल हो रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि मोबाइल मिलने पर कैदियों की सुविधाएं जैसे टीवी, परिजनों से बात कराने की सुविधा, खान-पान आदि की सुविधाएं कुछ समय के लिए रोक दी जाती है। ये ऐसी सुविधाएं हैं, जिनके बंद होने पर कैदी तुरंत परेशान हो जाता है। हालांकि मोबाइल मिलने पर किसी तरफ की एफआईआर नहीं होती है। इसी का कैदी फायदा उठाते हैं।

तिहाड़ प्रशासन अधिकारियों का कहना है कि तिहाड़ स्टाफ की मिलीभगत से जेल के अंदर मोबाइल व अन्य सामान नहीं जा सकता। ऐसे में कैदियों से मिले हुए तिहाड़ स्टाफ की पहचान की जा रही है। नए जेल महानिदेशक संजय बेनीवाल ने तिहाड़ के वरिष्ठ अधिकारियों समेत कुछ स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की है।

मूसेवाला हत्याकांड के आरोपी से मिला मोबाइल

फरीदकोट जेल में बंद है

फरीदकोट, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के आरोपी हरियाणा के गैंगस्टर मोनू डांगर से टच स्क्रीन मोबाइल फोन बरामद हुआ है। मोनू डांगर फरीदकोट की केंद्रीय मॉडर्न जेल में बंद है। उसे जेल के हाई सिक्योरिटी जोन में रखा गया है। जेल कर्मचारियों की सर्च के दौरान जेल से 6 टच स्क्रीन मोबाइल फोन समेत कुल 14 फोन, 3 चार्जर के अलावा बीड़ी जर्दा भी बरामद हुआ है।

इंदौर के पास महू में 8 साल के बच्चे की हत्या

अपहरण के बाद फिरौती में मांगे थे चार करोड़ रुपए

इंदौर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। इंदौर के पास महू में एक बच्चे के अपहरण के बाद हत्या का मामला सामने आया है। एक कांग्रेस नेता के 8 साल के भतीजे का अपहरण करने के बाद परिवार से चार करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई और बाद में बच्चे की हत्या कर दी गई। बच्चे का शव महू में ही एक पुलिया के नीचे मिला है। मामला किशनगंज थाना क्षेत्र के गांव पिगडंबर का है। पुलिस ने इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

नाबालिग से यौन शोषण के आरोप में उडुपी कोर्ट ने सुनाई कराटे ट्रेनर को 10 साल की सजा, 22 हजार का जुर्माना लगाया

मंगलुरु, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के उडुपी की अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत और फास्ट ट्रैक पॉक्सो अदालत ने एक कराटे ट्रेनर को कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने 12 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न करने का दोषी पाए जाने पर 22,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। न्यायाधीश श्रीनिवास सुवर्णा ने कराटे ट्रेनर उमेश बंगरा को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई और आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) और पॉक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत अपराधों के लिए 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा कोर्ट ने कराटे ट्रेनर को आईपीसी की धारा 506 (आपराधिक धमकी) और

पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 के तहत अपराधों के लिए एक साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। न्यायाधीश ने कहा कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट के अनुसार, उमेश बंगरा ने 12 फरवरी 2020 को पदुबिदरी में कराटे की क्लास पूरी करने के बाद लड़की के साथ दुष्कर्म किया था। पीड़िता की मां को घटना के बारे में उस समय पता चला, जब 27 सितंबर 2020 को उमेश ने लड़की की मां को फोन किया और अपनी बेटी को क्लास के लिए भेजने को कहा। इसके बाद छात्रा ने क्लास में जाने से मना कर दिया और यौन उत्पीड़न के बारे में अपनी मां को बताया। इसके बाद पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। तत्कालीन पुलिस निरीक्षक महेश प्रसाद ने उमेश को गिरफ्तार किया और आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराधों के लिए चार्जशीट दायर की। वहीं, विशेष लोक अभियोजक वाई टी राघवेंद्र ने अदालत के समक्ष 13 गवाहों को पेश किया था।

रेवाड़ी की टीम ने बुलंदशहर में की रेड

भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह के 2 दलाल पकड़े; अस्पताल का संचालक भागा

रेवाड़ी, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में रेवाड़ी जिले की स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उत्तर प्रदेश के जिला बुलंदशहर में छापेमारी कर भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह के 2 दलालों को गिरफ्तार किया है। वहीं छापेमारी से चंद सेकेंड पहले अस्पताल संचालक पोर्टेबल मशीन लेकर भाग निकला। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रेवाड़ी के धारूहेड़ा थाना में पीएनडीटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया है। दरअसल, स्वास्थ्य विभाग को जानकारी मिली थी कि रेवाड़ी जिले के गांव भालखी निवासी संदीप शर्मा व नवीन भ्रूण लिंग जांच करने वाले गिरोह से जुड़े हुए है। स्वास्थ्य विभाग ने गुप्त मिशन के तहत दोनों से संपर्क किया। संदीप से संपर्क होने पर उसने भ्रूण लिंग जांच कराने की ऐवज में 50 हजार रुपए मांगे। स्वास्थ्य विभाग की टीम पैसे देने को तैयार हो गई। उसके

बाद संदीप ने बताया कि वह पेशेंट को जहां कहे वहां पर लेकर आ जाना उसका अल्ट्रासाउंड करा दिया जाएगा। संदीप ने 50 हजार रुपए में सौदा तय हो जाने के बाद 30 हजार रुपए एडवांस मांगे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फोन-पे के माध्यम से संदीप के पास 30 हजार रुपए 2 फरवरी को ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद रविवार 5 फरवरी को अल्ट्रासाउंड कराने की तारीख तय हुई। इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने डिकॉय पेशेंट तैयार की। रविवार की सुबह दलाल संदीप ने डिकॉय पेशेंट को रेवाड़ी दिल्ली-जयपुर हाईवे पर स्थित बनीपुर चौक पर बुला लिया। डिकॉय पेशेंट को कार में बैठाने के बाद दोनों दलाल उसे धारूहेड़ा होते हुए केएमपी के रास्ते पलवल पहुंचे। जांच से पहले आरोपियों ने बकाया 20 हजार रुपए और मांगे। इसके बाद 10 हजार रुपए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फिर से फोन-पे के जरिए खाते में डाल दिए। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम दलालों की कार का पीछा करती रही। आरोपी यहां से बुलंदशहर के गांव सिकंदराबाद में पहुंच गए। गांव के बस स्टैंड पर एक बाइक के जरिए दलाल डिकॉय पेशेंट को बादशाहपुर गांव में लेकर गए। गांव बादशाहपुर स्थित 4 कमरों में बने एक छोटे से अस्पताल में दलाल डिकॉय पेशेंट को लेकर पहुंच गए। रेवाड़ी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोकल पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को पहले ही सूचित किया हुआ था।

जींद में रोड एक्सीडेंट में 3 की मौत:ट्रक ने कार को टक्कर मारी; मृतकों में नेशनल लेवल का तैराक भी

जींद, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के जींद में हांसी रोड पर टेंडरी मोड़ के पास कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार 3 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 2 व्यक्ति गांव रामराय और एक पटियाला चौक जींद का रहने वाला था। मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जींद के सिविल अस्पताल में रखवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गांव रामराय निवासी परमिंद्र और रवि कुमार गांव के ही बस अड्डे पर शराब ठेके के बराबर में ढ़ाबा चलाते थे। पटियाला चौक निवासी रवि उनके यहां कारिंदा का काम करता था। रविवार रात को करीब साढ़े 11 बजे परमिंद्र और रवि पटियाला चौक निवासी कारिंदे रवि को घर छोडने के लिए इर्टिका कार में आ रहे थे। टेंडरी मोड़ से पहले पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रहे तूड़ी से भरे ट्रक ने उनकी इर्टिका कार को टक्कर मार दी। इसमें कार सवार रवि, परमिंद्र और रवि कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों ने हादसे के बाद घायलों को गाड़ी से निकाला और अस्पताल पहुंचाया,

कई चुनौतियों के बीच अब हिमाचल कांग्रेस नेताओं की फिर दिल्ली दौड़

शिमला, 6 फरवरी (एजेंसियां)। कई चुनौतियों के बीच हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के नेताओं की अब दिल्ली दौड़ फिर शुरू हो गई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिह सुक्खू 7 फरवरी को नई दिल्ली जा सकते हैं। वहीं, मंत्री विक्रमादित्य सिंह पहले ही पहुंच गए हैं। 9 फरवरी को उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का भी नई दिल्ली पहुंचने का कार्यक्रम है। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से प्रदेश के मौजूदा हालात पर ये नेता मंथन करेंगे। कांग्रेस के राज्य प्रभारी राजीव शुक्ला से भी इन नेताओं की मुलाकात संभावित है। 10 फरवरी को गोवा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के बेटे की

शादी है। हालांकि, सीएम वहां भी जा सकते हैं। कांग्रेस के तीनों प्रमुख नेताओं के दिल्ली दौरे तय होते ही सियासी गलियारों में हलचल शुरू हो गई है। पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) को लागू करना और सीमेंट प्लांटों पर तालाबंदी से निपटना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। मिशन 2024 के लिए आक्रामक होती भाजपा के खिलाफ भी कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व हिमाचल सरकार के नेताओं को विशेष निर्देश जारी कर सकता है। हालांकि लोक निर्माण और खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने 8 फरवरी को भोपाल में खेलो इंडिया कार्यक्रम में भाग लेना है। मुख्यमंत्री सुक्खू हिमाचल की अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने के लिए बार-बार दोहरा रहे हैं कि कड़े फैसले लेने होंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस सरकार की जनता पर बोझ डालने की इस तैयारी से पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व संतुष्ट नहीं है।

हाईवे पर स्पीड ब्रेकर पर उछला तेज रफ्तार ट्रक

चपेट में आए होमगार्ड जवान को 100 मीटर तक घसीटा

खंडवा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के खंडवा में इंदौर- इच्छापुर हाईवे पर तेज गति से दौड़ रहे ट्रक और अमानक स्पीड ब्रेकर ने एक होमगार्ड की जान ले ली। जबकि, उसकी पत्नी की हालत नाजुक है। रविवार दोपहर होमगार्ड जवान पत्नी के साथ ससुराल से घर लौट रहा था। हाईवे पर रुस्तमपुर शंकर मंदिर के पास दंपती की बाइक पहुंची, इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने स्पीड ब्रेकर से उछलते हुए उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर से पत्नी उछलकर दूर गिर गई। जबकि, होमगार्ड जवान ट्रक के निचले हिस्से में (बंपर में) फंस गया। उन्होंने जान बचाने के लिए बंपर पकड़ लिया। ट्रक फिर भी नहीं रुका। होमगार्ड जवान को ट्रक ड्राइवर 100 मीटर दूर तक घसीटता ले गया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 7 फरवरी- 2023

दवा के दुष्परिणाम

भारत के तमिलनाडु में बनी एक दवा की वजह से अमेरिका में कई लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, जबकि एक व्यक्ति की मौत तक होने की खबर है। अपने देश में बन रही इस तरह की प्राणघातक दवाइयों के निर्माण से देश का नाम खराब हो रहा है, जबकि मुनाफाखोर अकूत कमाई के चक्कर में ऐसा कुकृत्य कर रहे हैं। बता दें कि इसके पहले भारत में ही बनी खांसी की दवा पीने की वजह से पहले अफ्रीकी देश गांबिया और फिर उज्बेकिस्तान से कई बच्चों की मौत की खबर आई थी। यह बात अलग है कि बाद में उन मामलों पर अलग-अलग दावे सामने आए। अमेरिका में 'सेंटर फार डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन' यानी सीडीसी के मुताबिक इस दवा की वजह से संक्रमण के प्रकोप में बारह राज्यों के कम से कम पचपन लोग बीमार हो गए। हर दो तीन माह के अंतराल पर ऐसी मनहूस खबरें आने से कई स्तर पर चिंता पैदा करती हैं। किसी दवा की वजह से सामने आए दुष्परिणाम की अगर इक्का-दुक्का घटनाएं हों तो उसे प्रभावित व्यक्ति में एलर्जी मान कर इलाज किया जाता है। लेकिन अगर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एक ही तरह की बीमारी का सामना करना पडे तो निश्चित रूप से यह दवा में मौजूद किसी तत्त्व का दुष्परिणाम माना जाएगा। जाहिर है ऐसी दवाएं बगैर किसी जांच-परख के ही बेचने और इस्तेमाल के लिए बाजार में उतार दी जाती हैं। बाद में इसके दुष्परिणाम को देखते हुए दवा को खरीदने और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। संबंधित दवा कंपनी ने इसका उत्पादन रोक दिया है। ऐसे में सवाल स्वाभाविक है कि जो दवाएं किसी बीमारी या परेशानी से बचाव या उसका इलाज करने के लिए बनाई जाती हैं, वही लोगों के भीतर नया रोग पैदा करने से लेकर मौत तक की वजह कैसे बन जाती हैं! विडंबना ही है कि जिस दवा को रोगी के इलाज के लिए बनाया गया है वही अपने दुष्परिणाम की वजह से मरीज की जिंदगी खतरे में डाल देती है। दवा बनाने वाली लगभग सभी कंपनी अपनी दवाओं के अच्छे असर और उनकी लाभकारी उपयोगिता के बारे में काफी बढ़-चढ़ कर दावे करती हैं। दवाओं के बारे में पेश की गई सूचनाओं में उसे हर कसौटी पर गुणवत्ता से लैस बताने से पीछे नहीं हटती है। इसके बावजूद यदि उन दवाओं के इस्तेमाल से शरीर में कोई नुकसान होने के अलावा मौत तक का खतरा पैदा हो जाता है तो इसकी क्या वजह हो सकती है! बता दें कि कानूनन किसी भी दवा के निर्माण के बाद उसे खुले बाजार में भेजने से पहले उसका हर स्तर पर सुरक्षित होना सुनिश्चित किया जाता है। यह पहलू हर कंपनी अपने प्रतिनिधियों के जरिए जोर देकर बताई जाती रही है। इसके बाद भी ऐसी दवाएं कई लोगों के लिए जानलेवा कैसे साबित हो जाती हैं? हैरानी की बात यह भी है कि अमेरिका में जिस दवा के उपयोग से लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, वह अमेरिका के बाजार में तो भेजा जाता है, मगर भारत में इसकी बिक्री नहीं की जाती है! वहीं कई बार ऐसी दवाएं भी भारत में आसानी से मिलने और उनके उपयोग की खबरें आती रहती हैं, जिन पर किसी दूसरे देश में पाबंदी होती है। अगर कोई एक दवा एक जगह नुकसान या खतरे की वजह बन सकती है तो वही किसी अन्य स्थान पर पूरी तरह सुरक्षित कैसे मान ली जाती है? यह भी समझ से परे है। अगर सरकार के पास बाकायदा औषधि की गुणवत्ता की जांच-परख और निगरानी आदि के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन जैसा चौकस तंत्र है तो वह दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी को लेकर क्या उपाय करता है! किसी कंपनी को दवा बनाने और उसे बेचने की इजाजत देने के लिए जांच प्रक्रिया आदि को लेकर क्या मानक अपनाए जाते हैं? अब समय आ गया है कि इसका भी खुलासा किया जाना चाहिए।

लेखक का आटा आइडिया

सुनील कुमार महला

चाणक्य नीति कहती है कि- 'विषादप्यमृतं ग्राह्यममेध्यादपि काञ्चनम्। नीचादप्युत्तमां विद्यां स्त्रीरत्नं दुष्कुलादपि।।' यानि कि इस श्लोक का मतलब यह है कि यदि संभव हो सके तो जहर में से भी अमृत निकाल लेना चाहिए। यदि सोना गन्दगी में भी पड़ा हो तो उसे उठा लेना चाहिए, इसे स्वच्छ कर उपयोग में लाना चाहिए। अजी ! गोल्ड यानी कि सोना बहुत ही मूल्यवान वस्तु है। पाकिस्तान में मांग-पेट भरने के लिए भारत का गेहूँ जरूरी है और हमारी धर्मपत्नी जी के लिए 'गोल्ड' बहुत जरूरी है। पाकिस्तान में आटा 300 रूपये किलो हो गया और अपने देश में गोल्ड साठ हजारी। वैसे सोने का गणित और अर्थशास्त्र हमें कभी भी समझ में नहीं आया। अब भले ही सोना 'धातु वाला सोना' हो या 'नींद/सोने वाला सोना।' वैसे जब-जब सोने में आग लगती है तब-तब हमारी नींद उड़ जाती है। उधर पाकिस्तान वालों की नींद उड़ी है, क्योंकि आटा नहीं है और आपको तो पता ही है कि आदमी के पेट में जब तक ढ़ाई-तीन सौ ग्राम आटा नहीं जाता, तब तक उसे चैन से नींद नहीं आती। यही हाल अपने देश का भी इसलिए है, क्योंकि यहाँ सब 'गोल्ड' के चक्कर में अपनी नींद गंवा बैठे हैं। आखिर अपना इंडिया, पाकिस्तान का पड़ौसी है, संगत का थोड़ा सा असर आना तो स्वाभाविक ही है। खैर, दोनों देशों की नींद तो उड़ी ही है। पाकिस्तान में गेहूँ की जमाखोरी से आटे की कीमतें बढ़ गई, अपने यहाँ 'गोल्ड प्रेम' और 'गोल्डखोरी' से कीमतें बढ़ गई। खैर, जब-जब हमारी धर्मपत्नी जी सोने की यानी कि 'गोल्ड' की हमसे डिमांड करती है तो हम उसे आटा खरीदकर ला देते हैं। आखिर 'आटा' सोने का बेहतरीन साधन है। हमने अर्थशास्त्र में पढ़ा है कि आटे और सोने(नींद) में सीधा संबंध पाया जाता है। अगर आप ज्यादा आटा खाओगे तो नींद भी ज्यादा आयेगी और कम आटा खाओगे तो नींद भी कम ही आयेगी। अब यह आप पर डिपेंड करता है कि आपको कितना सोना चाहिए ? आटा खाओ और सोना बढ़ाओ। वैसे भी, हम ठहरे अदने से लेखक। हम भला असली गोल्ड(सोने) की ऊंचाइयों तक कैसे पहुंच सकते हैं, क्योंकि गोल्ड तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था की भांति लगातार बढ़ रहा है और सुना है कि हमारी अर्थव्यवस्था ने इंग्लैंड की अर्थव्यवस्था को भी पछाड़ दिया है। बहरहाल, जब-जब भी हमारी धर्मपत्नी जी की गोल्ड की डिमांड होती है तो हम उसे ढ़ेर सारा आटा खिलाकर उसे 'थपकियां और लोरी' देकर सुला देते हैं और उसकी 'सोने' की डिमांड स्वतः ही पूरी हो जाती है। हम भी अपनी धर्मपत्नी जी को ढ़ेर सारा आटा खिलाकर देश की अर्थव्यवस्था को करारी टक्कर दे रहे हैं। आखिर हमें भी तो 'सोने' में फर्स्ट पोजिशन हासिल करनी है। हमें पूरा यकीं हैं कि वेलेंटाइन-डे से पहले हम हमारी धर्मपत्नी जी की 'सोने की डिमांड' को पूरी कर देंगे और यह हमारा उनको 'वेलेंटाइन-डे' का बड़ा गिफ्ट होगा। वैसे, हम उसे यह भी समझाते हैं कि पगली ! ये दुनिया धातु वाले सोने के प्रति यूं ही बावली है। नींद वाला सोना दुनिया में सबसे कीमती है, क्योंकि अच्छी नींद/ अच्छे सोने से आदमी का स्वास्थ्य बना रहता है और 'हेल्थ इज वेल्थ।' हम अपनी धर्मपत्नी जी को बताते हैं कि -' अरी भागवान ! तुम देखो अब पाकिस्तान राजनीतिक और कूटनीतिक तरीक़े से भारत से गेहूँ की डिमांड उस वक्त कर रहा है, जब उसके भारत से रिश्ते अच्छे नहीं हैं। वह अपने सभी देशवासियों को आटा खिलाकर उन्हें 'सोने' में अभूतपूर्व राहत देना चाहता है और 'सोने' से अपनी अर्थव्यवस्था को टॉप पर ले जाना चाहता है, क्योंकि वैसे तो वो कंगाल है ही।

त्रिपुरा में सत्ता बचाने के लिए भाजपा तैयार , विरोधी भी दमदार

अशोक भाटिया

त्रिपुरा में 60 सीटों पर विधानसभा चुनावों की 16 फरवरी को वोटिंग होनी हैं । फिलहाल यहां भाजपा का राज है और माणिक साहा मुख्यमंत्री हैं। बता दें, भाजपा ने पिछले विधानसभा चुनावों में 36 सीटें जीतकर CPI(M) की 25 सालों की सत्ता को यहां से उखाड़ फेंका था। इस चुनाव में भी भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर यहां चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। त्रिपुरा चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों कि सेना की घोषणा कर दी हैं । इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े भाजपा नेताओं की एक स्टार कास्ट है, जिनके प्रचार के आखिरी दिन 13 फरवरी 2023 को राज्य का दौरा करने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी के पश्चिम त्रिपुरा और दक्षिण त्रिपुरा जिलों में रैलियों को संबोधित करने की संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार फिर से राज्य का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने उत्तर और दक्षिण त्रिपुरा दोनों से 'जन विश्वास यात्रा' नाम की रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाने के लिए 5 जनवरी 2023 को त्रिपुरा का दौरा किया था। पार्टी के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि अमित शाह के 6 फरवरी और 12 फरवरी को आने की संभावना है, जहां वह पूरे त्रिपुरा में 10 रैलियों और जनसभाओं में शामिल होंगे। साथ ही इस समयभाजपा ने लेफ्ट के चुनाव घोषणापत्र की आलोचना कर रही है कह रही है कि विपक्ष जानता है कि वे सत्ता में नहीं आएंगे इसलिए छंटनी किए गए 10,323 स्कूल शिक्षकों को नौकरी देने जैसे असंभव वादे कर रहा है। फिलहाल न तो भाजपा और न ही उसके गठबंधन सहयोगी आईपीएफटी ने अपने चुनाव घोषणापत्र की घोषणा की है। भाजपा , केंद्रीय सरकार की प्रधानमंत्री विकास योजना ,छोटे उद्योग और हस्तशिल्प सहित कई व्यवसायों का समर्थन करेगा और त्रिपुरा जैसे राज्य इससे सीधे लाभान्वित होने की बात कर रही है । भाजपा का प्रचार बिंदु बजट में पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए भारी धनराशि आवंटित की गई है। नबेंदु भट्टाचार्य ने कहा कि कृषि को अब कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा और इसके लिए इसका डेटाबेस तैयार किया जाएगा। इतना ही नहीं हाल में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को त्रिपुरा का दौरा किया और पार्टी के मेगा अभियान में शामिल हुए। जहां केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतिमा भौमिक, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा सहित कई नेता शामिल हुए। बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, बंगाल भाजपा नेता दिलीप घोष, सांसद और भाजपा जनजाति मोर्चा के प्रमुख समीर उरांव सहित अन्य नेता विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में 35 रैलियों में शामिल हुए।पार्टी सूत्र ने कहा कि जेपी नड्डा केंद्रीय मंत्रियों नितिन गडकरी, सर्बानंद सोनोवाल, किरेन रिजिजू, अर्जुन मुंडा और स्मृति ईरानी जैसे स्टार प्रचारकों के साथ फिर से त्रिपुरा आएंगे, जबकि अन्य प्रमुख प्रचारक जैसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, अभिनेता हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती, मनोज तिवारी, हिमंत बिस्वा सरमा भी पार्टी के चुनावी अभियान के लिए पहुंचेंगे। उत्तर-पूर्वी राज्य त्रिपुरा के राजनीतिक घटनाक्रम की बात करें तो राज्य में बीते साल मई में उस वक्त खलबली मच गई, जब अचानक प्रदेश का मुख्यमंत्री बदल दिया गया। चुनाव से ठीक पहले मौजूदा मुख्यमंत्री बिप्लब देव ने पद से इस्तीफा दे दिया और उनकी जगह माणिक साहा को नया मुख्यमंत्री बनाया गया। माणिक साहा पेशे से दंत चिकित्सक हैं और कुछ साल पहले ही वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। आपको बता दें, भारतीय जनता पार्टी ने यही फॉर्मुला अपने गढ़ गुजरात में भी अपनाया गया था जहां चुनावों से ठीक पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को हटाकर भूपेंद्रभाई पटेल को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया था। त्रिपुरा में भी कुछ ऐसा ही हुआ। हालांकि भाजपा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। वहीं पिछले चुनाव में त्रिपुरा में पहली बार भाजपा की सरकार बनी है, ऐसे में सत्ता रिपीट करना भाजपा के लिए चुनौती साबित होगी। यहां आपको बता दें कि कभी ऐसा भी समय था जब त्रिपुरा में भाजपा का एक भी विधायक नहीं था, लेकिन बीते चुनावों में भाजपा ने अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधियों को चौंका दिया था। अब त्रिपुरा में भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए माकपा और कांग्रेस इस बार साथ आए हैं। वजह है कि त्रिपुरा की सत्ता पर 25 साल राज करने वाली माकपा पिछले विस चुनावों में केवल 16 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस का हाथ खाली रहा जबकि क्षेत्रीय आदिवासी संगठन और भाजपा की एलाइंस पार्टी इंडिजिनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (आईपीएफटी) के खाते में 8 सीटें आई। इस बार भी दोनों एक साथ मैदान में उतर रहे हैं। इधर, पूर्वोत्तर के राज्यों में हाशिए पर पहुंची कांग्रेस भी त्रिपुरा में अपना दमखम लगाती दिख रही है। इसके लिए कांग्रेस ने त्रिगुट गठबंधन तैयार किया है जो भाजपा के लिए रास्ते का कांटा साबित हो सकता है। कांग्रेस यहां कर्नाटक फॉर्मुला पर चुनाव लड़ेगी। ऐसे में मकसद साफ है कि सत्ता की बागड़ौर मिले, न मिले लेकिन भाजपा को रोकना ही कांग्रेस का एकमात्र मकसद है।कांग्रेस ने कर्नाटक फॉर्मुला अपनाते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)- माकपा से गठबंधन किया है। पिछले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने ज्यादा सीटें होने के बावजूद जेडीएस के मुखिया एचडी कुमारास्वामी को मुख्यमंत्री बनाया था। त्रिपुरा के विस चुनाव में अगर कांग्रेस और माकपा मिलकर सरकार बनाते हैं तो सीटें किसी की भी ज्यादा हो, माकपा के माणिक सरकार ही मुख्यमंत्री के दावेदार होंगे। वहीं त्रिपुरा राज्य में नवगठित टिपरा मोथा पार्टी भी कांग्रेस और माकपा के साथ इस त्रिगुट में शामिल हो गई है। बता दें सूबे में नई नवेली टिपरा मोथा पार्टी अपने गठन के कुछ ही माह के अंदर स्वायत्त जिला परिषद चुनावों में जीत दर्ज करने में कामयाब रही है। इस पार्टी के गठबंधन में शामिल होने से माकपा-कांग्रेस-टिपरा मोथा का महा गठबंधन भाजपा के समक्ष काफी मजबूत लग रहा है। सत्ताधारी भाजपा को हराने के लिए तीनों पार्टियां सीटों की बंटवारे की रणनीति को तैयार कर रहे हैं। इसमें ज्यादा मतभेद होने की आशंका न के बराबर है। यहां मुख्यमंत्री कोई भी बने लेकिन कांग्रेस का लक्ष्य आगामी चुनाव में केवल और केवल भाजपा को हराना है। वहीं इस त्रिगुट को कमजोर कर रही है ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पार्टी। ममता ने पहले ही स्पष्ट कर दिया हे कि टीएमसी त्रिपुरा में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में अकेले ही लड़ेगी। ऐसे में टीएमसी इस त्रिगुट के वोटों में सेंध लगाने का काम करने वाली है, जो कांग्रेस के लिए परेशानी का काम करेगी।यहां गौर करने वाली बात ये भी है कि त्रिपुरा से पहले बंगाल के 2021 और 2016 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और वामदलों के मोर्चे का ममता बनर्जी के खिलाफ चुनावी गठबंधन हुआ था, मगर दोनों चुनावों में तृणमूल कांग्रेस इनके साझे गठबंधन पर भारी पड़ी। प्रयोग नाकाम होने के बावजूद कांग्रेस पार्टी ने त्रिपुरा में वामपंथी दलों और राज्य की जनजातीय पार्टी टिपरा मोथा के साथ चुनावी तालमेल कर आगे बढ़ने का फैसला किया है।

वहीं बात करें त्रिगुट के बीच सीटों के बंटवारे की तो 60 सदस्यीय वाली त्रिपुरा विधानसभा में कांग्रेस की कोशिश बराबर सीटें लेने की रहेगी, मगर शुरुआती संकेतों से साफ है कि माकपा इस गठबंधन की सीनियर पार्टनर की भूमिका में रहेगी। तीनों के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बनने के बाद कांग्रेस-माकपा और जनजातीय दलों के मंच का संयुक्त रूप से चुनाव मैदान में उतरना भाजपा के लिए सशक्त चुनौती मानी जा रही है।

जासूसी गुब्बारा को मार गिराए जाने के मायने

दुनियावी देशों की निगरानी क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए चीन ने जो 'जासूसी गुब्बारा' उड़ाया था, अमेरिकी आसमान में उसका प्रवेश होने के बाद अमेरिकी वायुसेना ने उसे अपनी मिसाइल से मार गिराया। वहीं, चीन ने असैन्य मानव रहित यान पर अमेरिका द्वारा हमला करने का कड़ा विरोध जताते हुए इस कथित जासूसी गुब्बारे को अपना मानव रहित मौसम अनुसंधान पोत बताया और अमेरिका को अंजाम भुगतने की धमकी दी। इस घटनाक्रम का संदेश स्पष्ट है। एक ओर जहां अमेरिका ने अपने वायुक्षेत्र का स्पष्ट उल्लंघन समझकर जासूसी गुब्बारे के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके दुनिया के सामने अपनी सम्प्रभुता की रक्षा को लेकर एक नजीर पेश की है, तो वहीं दूसरी ओर चीन को यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि उसकी तकनीक दुनिया की अव्वल तकनीक है, जिससे किसी का भी बच निकलना सम्भव नहीं है। देखा जाए तो इससे वैश्विक पटल पर चीन के नापाक इरादों की कलई एक बार फिर खुल गई, जिससे भारत को भी सबक लेने और अतिशय सावधानी बरतने की जरूरत है। वास्तव में, चीन के मौसम अनुसंधान पोत को जासूसी गुब्बारा समझकर अमेरिका द्वारा मार गिराये जाने के कुछ खास रणनीतिक मायने हैं, जिन्हें समय रहते ही समझ जाने में सभी देशों की भलाई है। सबसे पहले हम बात करते हैं इस पूरे घटनाक्रम की, फिर इसके मायने की, ताकि इसे समझकर तदनुरूप एहतियाती रणनीति तैयार की जा सके। बता दें कि 28 जनवरी 2023 को अलास्का, 30 जनवरी को कनाडा और 31 जनवरी को अमेरिका के हवाई क्षेत्र मोंटाना में चीन का एक विशाल जासूसी गुब्बारा देखे जाने से हड़कम्प मच गया था, क्योंकि इसका आकार तीन बसों के बराबर था। अमूमन ये गुब्बारा 5 दिनों तक अमेरिका के हवाई क्षेत्र में मौजूद रहा, जिस पर बरीकीपूर्वक नजर रखी गई। इसी बीच अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन द्वारा अपनी संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित करने को तत्काल कदम उठाए गए, जबकि अमेरिकी रक्षा एजेंसियां इस जासूसी गुब्बारे की पड़ताल करके इसे निपटाने में जुट गईं। खबर है कि जब यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के संज्ञान में आई तो उन्होंने जमीन पर किसी को नुकसान पहुंचाए बिना इसे मार गिराने का आदेश दिया। जिसके बाद गत 4 फरवरी को इसे मार गिराया गया। बताया जाता है कि इसमें कनाडा की सरकार ने भी उसे पूरा सहयोग किया। ततपश्चात अमेरिकी वायुसेना ने दक्षिण कैरोलाइना में अमेरिकी तट से लगभग 9.65 किलोमीटर दूर अटलांटिक महासागर के ऊपर जासूसी गुब्बारे को मार गिराया, जिसका मलबा दक्षिण कैरोलाइना में मिरटल बीच के पास गिरा और 11 किलोमीटर क्षेत्र में फैल गया। वहीं, अब इस मलबे को समेटने का प्रयास अमेरिकी सेना कर रही है, ताकि गुब्बारे द्वारा एकत्रित की गई संवेदनशील सूचनाएं हासिल की जा सकें और चीन के लिए इसका खुफिया महत्व खत्म हो जाये। उधर, विशेषज्ञों की मानें तो चीन ने यह जासूसी गुब्बारा अमेरिका की निगरानी क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए उठाया था, ताकि वह इस बात से भलीभांति अवगत हो सके कि अमेरिकी निगरानी प्रणाली कितने समय में विदेशी उपकरणों का पता लगाने में सक्षम हैं। हालांकि, चीन इससे इनकार कर चुका है। प्रतिरक्षात्मक तौर पर उसका कहना है कि अमेरिका द्वारा असैन्य मानवरहित यान के ऊपर बल प्रयोग पर जोर देना वास्तव में एक अनावश्यक प्रक्रिया और अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन है, जिसकी प्रतिक्रिया में वह आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। वह प्रासंगिक कम्पनी के वैध अधिकारों और हितों को दृढ़तापूर्वक बनाये रखेगा, क्योंकि अमेरिका द्वारा मार गिराया गया गुब्बारा एक मौसम अनुसंधान पोत था, जो तेज हवाओं के कारण अमेरिकी नभ क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। स्वाभाविक है कि चीन भी अगला कोई कदम अवश्य उठाएगा।मेरे विचार से भारत को इस घटनाक्रम से सबक लेना चाहिए और चीन के मुकाबले अपने शोध-अनुसंधान को उच्चस्तरीय बनाने के लिए इसे प्रोत्साहित करते रहना चाहिए। क्योंकि चीन अमेरिका से ज्यादा भारतीय महत्वाकांक्षाओं के लिए बाधक और खतरा दोनों साबित हो सकता है, यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है। संभव है कि जल और थल पर इस तरह की जासूसी करते रहने का आदी हो चुका चीन, भारतीय नभ (आकाश) क्षेत्र में भी इस तरह की जासूसी किया हो, जिसे हमारे टोही तंत्र पकड़ने में नाकामयाब रहे हों! इसलिए अमेरिकी तकनीक को हासिल करने का प्रयास करते हुए भारत को अब आगे से अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। गौरतलब है कि विश्व का सुपर पावर समझे जाने वाले अमेरिका की जगह लेना चीन की दशकों पुरानी हसरत है, जिसके खातिर वह असीम सैन्य क्षमता व आर्थिक शक्ति हासिल करने को लालायित रहता है। इसी कड़ी में वह तरह तरह के अनुप्रयोग करते रहता है। यह भी उसकी एक कड़ी हो सकती है। स्मरण रहे कि पहले रूस भी यही सोच रखता था, लेकिन 1990 के दशक में उसके यह अरमान टूट गए। इसलिए अब वह चीन को आगे करके अमेरिका को बर्बाद करने की कूटनीति पर अमल कर रहा है। वहीं अमेरिका भारत को आगे करके चीन को प्रत्यक्ष और रूस को अप्रत्यक्ष हानि पहुंचाने की सोच रखता है। हालांकि, भारतीय कूटनीति की परिपक्वता अक्सर अमेरिकी सोच पर भारी पड़ जाती हैं। ऐसा इसलिए कि भारत रूस का मित्र है और चीन को अपना दुश्मन नम्बर 1 समझता है, लेकिन रूस और अमेरिका दोनों को साधकर बेलगाम चीन को नाथने की मंशा रखता है, जिसमें वह अबतक सफल प्रतीत होता आया है। सच कहा जाए तो वैश्विक पटल पर पहले अमेरिका और रूस के बीच और अब अमेरिका और चीन के बीच जो तनातनी चल रही है, उससे शेष दुनिया के सभी देशों, आर्थिक और सैन्य गुटों के आर्थिक और सामरिक हित निकट भविष्य में प्रभावित होने के आसार बढ़ चुके हैं। इससे कोई गुटनिरपेक्ष देश भी अछूता नहीं बचने वाला है। इसलिए सभी देशों को तकनीकी दक्षता हासिल करते हुए अपनी आर्थिक और सैन्य रणनीति को आधुनिक बनाने की पहल करनी चाहिए, ताकि मौका पड़ने पर वे एक दूसरे के काम आ सकें, या फिर मनोनुकूल गुट में शामिल हो जाना चाहिए, ताकि उनकी सम्प्रभुता पर पहले ईराक और अब यूक्रेन जैसी आंच कभी न आए। वहीं, सीरिया, अफगानिस्तान और ताइवान आदि के घटनाक्रमों से भी सभी कमजोर देशों को सबक लेनी चाहिए, यदि उनका कोई पड़ोसी उनसे सबल और क्रूर दोनों हो तो...!

-कमलेश पांडेय

सोशल मीडिया का जायका फैला रायता

रेखा शाह अरबी

एक है नौरंगीलाल कहते हैं कि तीन तिगाड़े काम बिगाडे नौरंगीलाल की जिंदगी इन्हीं ने बिगाड़ दी ऐसे तो यह खुद बड़े ज्ञानी ध्यानी विद्वान है आजकल यहां वहां जहां तहां भटकते रहते हैं । उनके बारे में सुना गया है कि पहले वह भी गृहस्थ आदमी थे, बड़े ही काम के आदमी थे लेकिन कहते हैं 'गालिब इश्क ने निकम्मा कर दिया' नौरंगीलाल भी इसी मुहावरे के अंतर्गत शिकार हो गए। यूं तो नौरंगीलाल बचपन से ही नटखट है थोड़े युवा हुए तो जीवन में नौ रसों का आगमन भी हो गया... लेकिन स्थाई स्थान उनके जीवन में श्रृंगार रस ही बना पाया श्रृंगार रस ने ऐसा उन्हें प्रभावित किया कि.. अन्य रसो का स्थान गौण होकर ही रह गया । यूं ही नहीं कहा गया है जिसे प्रेम की हवा लगी उसे न कोई दवा ना दुआ लगी श्रृंगार रस ने उनके ऊपर ऐसा असर किया कि एक छोड़ कितनी ही कन्याओं के हृदय में विचरण करने लगे। लेकिन उनके साथ बहुत बुरा हुआ ... इन तीन तिगाड़े ने इनकी जिंदगी बिगाड़ कर रख दी या यू कहिए उजाड़ कर रख दी और यह थे फेसबुक- इंस्ट्रा - ट्विटर, इन तीनों पर नौरंगीलाल इतना रास रचाए की सुंदरियों का डिजिटल दुनिया के स्क्रीन से निकलकर रियल दुनिया में घर के दरवाजे पर आगमन हो गया और तब उनकी पत्नी और परिवार वालों ने उनको इतना त्रास दिया की सुंदरियों का आगमन और नौरंगीलाल का घर से पलायन , दोनों कांड एक साथ अंजाम को पाए थे। नौरंगीलाल फिर भी जिंदगी के मोर्चे पर डटे हुए थे, रोजी- रोजगार , घर छूट गया । अमीर से फकीर हो गये लेकिन सुंदरिया और तीन तिगाडो के प्रति उनका मोह अभी भी नहीं छूटा था.. अतः वो करतल भिक्षा तरु तल वास करते हुए सुंदरियों के द्वारे द्वारे भिक्षा मांगते फिर रहे थे । अतः इनसे आम गृहस्थ जनों को ज्ञान और आशीर्वाद लेने की परम आवश्यकता है, आखिरकार जीवन की सभी विधाओं पर पर नौरंगीलाल रिसर्च और शोध किए हुए छात्र हैं फुल वारंटी देते हैं सफलता की गारंटी के साथ..। और उन्हें ज्ञान देने का हक भी है क्योंकि इन सभी बाधाओं भूत-प्रेतों से वह निपट चुके हैं।

उन्हें हर प्रकार की सुंदरी के दिल के दरवाजा खोलने का पासवर्ड उन्हें पता है और बसंत ऋतु में उनकी डिमांड बहुत बढ़ जाती है । बहुत दूर-दूर से लोग इनके पास ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते हैं।

वैश्विक रूप लेती परीक्षा पे चर्चा

शिक्षा व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र और विश्व के कल्याण का मूल मंत्र है। शिक्षा व्यक्ति का व्यक्तित्व, राष्ट्र का गौरव और विश्व कल्याण का भाव भरती है। शिक्षा के बिना किसी राष्ट्र की सार्थक कल्पना करना संभव नहीं है। भारतवर्ष विश्व पटल पर विश्वगुरु के रूप में अपनी पहचान रखता है, यह विश्व गुरु की पहचान या नाम शिक्षा के चलते ही है। जनकल्याण का भाव और विश्वकल्याण का भाव आज भी भारतवर्ष के मंदिरों में आरती के बाद गुंजनयमान हो जाते हैं। भारतीय जन और विश्व जन के प्रिय नेता हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने बच्चों के साथ 27 जनवरी, 2023 को परीक्षा पे चर्चा की। मोदी जी जन से सीधा संवाद करते हैं, यही इनकी सबसे बड़ी ताकत है। मोदी जी बाल, युवा, वृद्ध सभी वर्गों से समय-समय पर किसी न किसी कार्यक्रम में चर्चा करते ही रहते हैं। परीक्षा पर चर्चा मोदी जी की लोकप्रियता, उनके विचारों को सुनने की ताकत और वैश्विक छवि का प्रमाण है। राजनीति से दूर स्वच्छ बाल मन से होती यह चर्चा अपने आप में अद्भुत है। इस चर्चा में 38 लाख से ज्यादा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों आदि ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। जबकि परीक्षा पे चर्चा सुनने वालों का आंकड़ा तो इससे कई गुना है। इतना ही नहीं इस चर्चा में 155 देशों के लोग शामिल हुए। इसके साथ ही भारतवर्ष और दुनिया के कितने ही विद्यार्थियों और लोगों ने इस चर्चा को देखा और सुना है। यूट्यूब और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी यह चर्चा लोकप्रियता ले रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि मोदी जी केवल वोट डालने वाले व्यस्कों तक ही लोकप्रिय नहीं है, बल्कि बच्चों में भी इतने ही लोकप्रिय हैं। इनकी वाणी और विचारों का ही जादू है कि हर कोई इन्हें बार-बार सुनना चाहता है। मोदी जी लगभग दो घंटे तक इस कार्यक्रम में जुड़े और पूरे कार्यक्रम में कुर्सी पर नहीं बैठे। यह इनकी सशक्त ऊर्जा का प्रमाण है, जो बच्चों के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करता है। मोदी जी ने नमस्ते शब्द से इस चर्चा को शुरू किया और चर्चा के आरंभ में ही कहा परीक्षा पे चर्चा मेरी भी परीक्षा है तथा देश के कोटि-कोटि विद्यार्थी मेरी परीक्षा ले रहे हैं। मोदी जी के बोलने का अंदाज और विचार दोनों ही बालकों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। मोदी जी ने प्यासा कौवा कहानी को नए अंदाज में बच्चों को समझाया और कहानी के माध्यम से हार्डवर्क और स्मार्ट वर्क का फर्क बताया। साथ ही अपने एक अनुभव को भी साझा किया। मोदी जी ने बच्चों को आरोप और आलोचना में फर्क को बताते हुए कहा कि आलोचना करने वाले शुभचिंतक हैं तो उनकी सुननी चाहिए, जो शुभचिंतक नहीं है, उनका उद्देश्य केवल पथ से भटकाना होता है। आरोप को गंभीरता से न लेने की सलाह भी दी। आलोचना से जुड़े शब्दों पर चंडीगढ़ से जुड़ी मन्नत बाजवा, गुजरात से कुमकुम, बैंगलोर से आकाश आदि छात्रों ने ऑनलाइन प्लेटफार्म से प्रश्न किया। इस पर मोदी जी ने उत्तर दिया कि जहाँ तक मेरा सवाल है, मेरा एक क्नविक्शन (conviction) है और मेरे लिए यह आरटिकल ऑफ फेत (Article of Faith) है। मैं सिद्धांतः मानता हूँ कि समृद्ध लोकतंत्र के लिए आलोचना एक शुद्धि यज्ञन है। आलोचना इस समृद्ध लोकतंत्र की पूर्व सर्त है। मोदी जी ने बच्चों को बताया कि टेक्नोलॉजी का उपयोग करना चाहिए, उसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। सप्ताह में कम से कम एक दिन टेक्नोलॉजी फास्टिंग अर्थात तकनीक से दूर रहें। मोदी जी ने कहा कि मेरे हाथ में शायद ही किसी ने मोबाइल फोन देखा होगा। मोदी जी ने समय प्रबंधन पर भी ध्यान देने की बात कही, यह समय प्रबंधन केवल परीक्षा तक ही नहीं बल्कि जीवन भर होना चाहिए। मोदी जी ने अपनी इस चर्चा में परीक्षा के साथ मानवता के हर एक पहलू को छुआ और बच्चों के अंदर एक सार्थक ऊर्जा का संचार भर दिया। अभिभावकों को भी सच्चा संदेश दिया।

मोदी जी ने दिव्यांग छात्रों से कहा कि वह खूबियों को पहचानना शुरू कर दें, धीरे-धीरे इन्हीं खूबियों को विकसित करें क्योंकि भविष्य में यह खूबियाँ काम आएँगी। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम ने बच्चों में नवऊर्जा और नवसंचार का कार्य किया। यह कार्यक्रम देश की नवशक्ति को नवप्राण के साथ-साथ नवोपदेश की ओर अग्रसर कर देने वाला है। इस कार्यक्रम में जब मोदी जी ने बच्चों से प्रश्न किया कि यह कार्यक्रम लंबा चलना चाहिए? तो इस पर छात्रों ने हाँ में उत्तर दिया। इस दृष्टि से देखें और समझे तो यह पूरा कार्यक्रम देश के युवाओं को मजबूत बनाने और उन्हें नवसंदेश देने वाला रहा है। देश के बच्चों और युवाओं को परीक्षा के भय से मुक्त कर देने वाले इस कार्यक्रम के लिए मोदी जी को हृदय से प्रणाम।

-डॉ. नीरज भारद्वाज

फाल्गुनः इस मास में शिव जी के साथ ही भगवान विष्णु की पूजा करने की है परंपरा

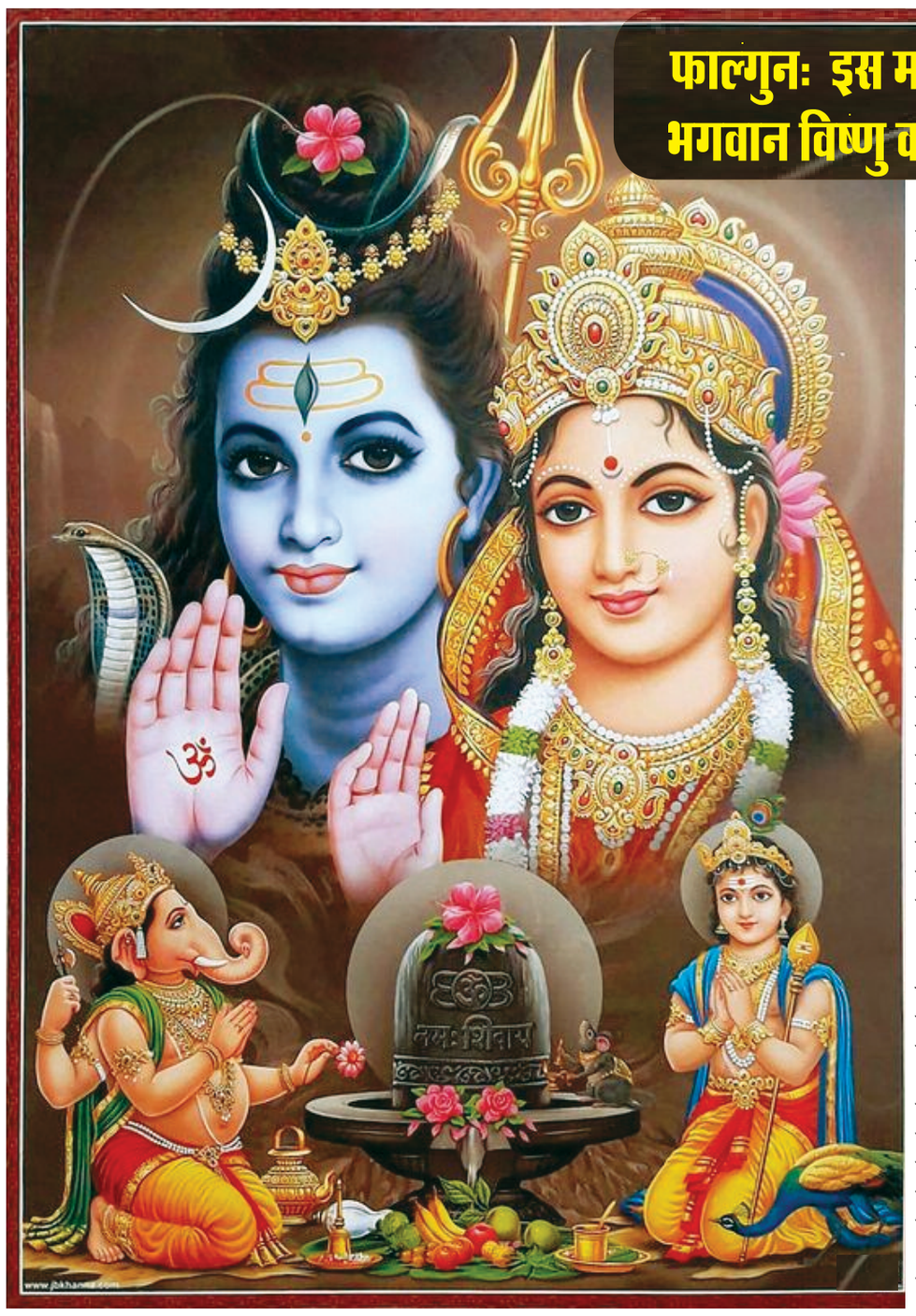

हिन्दी पंचांग का अंतिम महीना फाल्गुन शुरू हो गया है। इस महीने में चतुर्थी और एकादशी व्रत के साथ ही महाशिवरात्रि, होली जैसे बड़े पर्व मनाए जाते हैं।

इस महीने की दोनों चतुर्थी (9 और 23 फरवरी) पर भगवान गणेश की पूजा और व्रत किया जाएगा। दोनों एकादशी (16 फरवरी और 3 मार्च) पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास करना चाहिए। इन तिथियों के व्रत और पूजन से घर की सुख-समृद्धि बनी रहती है और कार्यों में आ रही बाधाएं खत्म होती हैं।

महाशिवरात्रि से जुड़ी मान्यताएं

18 फरवरी को शिव पूजा का महापर्व महाशिवरात्रि है। इस पर्व से जुड़ी कई मान्यताएं हैं, लेकिन मान्यताएं सबसे ज्यादा प्रचलित हैं। पहली, पुराने समय में फाल्गुन मास की त्रयोदशी (प्रदोष व्रत) पर भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी का झगड़ा हो रहा था। दोनों देवता खुद को बड़ा बता रहे थे। उस समय एक लिंग के रूप में शिव जी प्रकट हुए और दोनों का झगड़ा शांत कराया।

दूसरी मान्यता ये है कि इस तिथि पर भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हुआ था। देवी सती के वियोग में शिव जी तपस्या में बैठे हुए थे। उस समय तारकासुर से तीनों लोक त्रस्त थे। तारकासुर को वरदान मिला था कि उसका वध शिव जी के पुत्र द्वारा ही होगा। तब सभी देवताओं ने शिव जी से प्रार्थना की थी कि वे देवी पार्वती से विवाह कर लें। इसके बाद शिव जी और पार्वती जी का विवाह इसी तिथि पर हुआ था।

होली से जुड़ी मान्यता

7 मार्च को होलिका दहन होगा और 8 को होली खेली जाएगी। इस पर्व की मान्यता असुर हिरण्यकश्यपु से जुड़ी है। हिरण्यकश्यपु भगवान विष्णु को शत्रु मानता था। उसके यहां प्रहलाद का जन्म हुआ, जो कि भगवान विष्णु का परम भक्त था। इस बात से गुस्सा होकर हिरण्यकश्यपु ने अपने ही पुत्र प्रहलाद को मारने की कई बार कोशिश की थी। हिरण्यकश्यपु की एक बहन थी होलिका। होलिका को वरदान मिला था कि वह आग में जलेगी नहीं। फाल्गुन मास की पूर्णिमा पर होलिका प्रहलाद को मारने के लिए उसे लेकर आग में बैठ गई। विष्णु जी की कृपा से प्रहलाद को बच गया, लेकिन होलिका आग में जल गई। तभी से होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा खास तौर पर की जाती है।

क्यों परमहंस ने कहा- अहिल्या रूपी पत्थर पर छेनी-हथौड़ी चलने से आ सकती है तबाही?

सैकड़ों वर्षों के संघर्षों और बलिदानों के बाद आखिरकार वो दिन आ ही गया जब प्रभु श्रीराम अपनी जन्मभूमि में विराजमान होंगे। ठीक 11 महीने बाद राम लला अपने गर्भ गृह में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। ऐसे में राम लला की प्रतिमा बनाए जाने के लिए नेपाल के जनकपुर से दो शिलाएं धर्म नगरी अयोध्या पहुंची हैं। लेकिन शिलाओं की धार्मिक मान्यताओं और राम भक्तों की आस्था के कारण अब एक नया विवाद शुरू हो गया है। दरअसल जनकपुर के जानकी मंदिर के महंत और नेपाल के उप प्रधानमंत्री की मौजूदगी में ट्रस्ट के पदाधिकारियों को शालिग्राम शिला तो सौंप दी गई है। लेकिन पत्थर की धार्मिक मान्ताओं को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। चलिए कुछ तस्वीरों के जरिए आपको समझाते हैं क्या धार्मिक मान्यता और नया विवाद।

अयोध्या पहुंची शालिग्राम शिला नेपाल की पवित्र नदी गंडकी के तट पर मिलती है। ऐसा माना जाता है कि यह शिला आज से करीब 6 करोड़ वर्ष पुरानी है।

शिला में श्रीहरि विष्णु का वासः अयोध्या पहुंची शिलाओं को लेकर ऐसी धार्मिक मान्यताएं है कि इस शिला में श्रीहरि विष्णु का वास होता है। इसी शिला को नारायण के स्वरूप में पूजा भी जाता है। इतनी ही इस शिला में श्रीहरि विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी जी का भी वास होता है।

शालिग्राम की नहीं होती प्राण-प्रतिष्ठाः श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी जी का स्वयं स्वरूप होने के कारण शालिग्राम शिला की प्राण प्रतिष्ठा नहीं की जाती है। इस पत्थर को सीधे-सीधे स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी जाती है।

बड़ा पत्थरः नेपाल से प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या दो शालिग्राम शिलाएं लाई गई हैं। शालिग्राम की बड़ी शिला से प्रभु श्रीराम की मूर्ति निर्माण की बात चल रही है। यही कारण है कि भक्त पत्थर को राम लला का स्वरूप मान पूजा-अर्चना करने लगे हैं।

छोटा पत्थरः शालिग्राम की दूसरी छोटी शिला को लेकर कई बातें सामने आ रही हैं। कोई माता जनकी की मूर्ति निर्माण की बात कर रहा है तो प्रभु लक्ष्मण की तो कई कह रहा है कि, सभी भाईयों की मूर्तियां बनाई जाएंगी।

धार्मिक मान्यताएंः अयोध्या के सबसे प्राचीन पीठ तपस्वी छावनी के पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने यह मांग की है कि अगर शालिग्राम शिला पर छेनी-हथौड़ी चली तो मैं अन्य जल का परित्याग कर दूंगा।

विवाद का कारणः पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य का कहना है कि शालिग्राम शिला अपने आप में स्वयं नारायण की स्वरूप है। ऐसे में भगवान के उपर छेनी और हथौड़े से प्रहार स्वीकार नहीं होग। यदि ऐसा होगा तो देश औकर दुनिया में भयंकर तबाही आएगी।

शालिग्राम पूजा के लिए भक्तों का तांताः वहीं जब से शालिग्राम पत्थर रामनगरी पहुंचा है पूजा-अर्चना के लिए राम भक्तों का तांता लगा हुआ है। लाखों की संख्या में पहुंचे भक्त प्रभु श्रीराम का स्वरूप मानकर आपने आराध्य को प्रणाम कर रहे हैं। भक्ति कर रहे हैं, आशीर्वाद ले रहे हैं।

ऑफिस टेबल में रखें ये चीजें
मिलेगी तरक्की

वास्तु के अनुसार ऑफिस टेबल को ऐसी जगह रखना चाहिए कि आपकी पीठ दीवार की तरफ हो। इसको कभी सीधे दरवाजे के सामने नहीं रखना चाहिए।

ऑफिस टेबल के उत्तर-पूर्व दिशा में क्रिस्टल का पेपर वेट रखना चाहिए, साथ ही टेबल के उत्तर में ही चाय और काफी का कप रखना चाहिए ।

ऑफिस टेबल पर जरूरी किताबों और फाइलों को दाहिने हाथ की तरफ रखना ज्यादा उचित माना गया है। इससे कामों को पूरा करने में सकारात्मकता बनी रहती है ।

ऑफिस टेबल के पीछे की दीवारों पर अच्छा-सा कोई पोस्टर या तस्वीर भी लगानी चाहिए।

घर में गलत तरीके से रखी हुई ये चीजें ला सकती हैं दुर्भाग्य

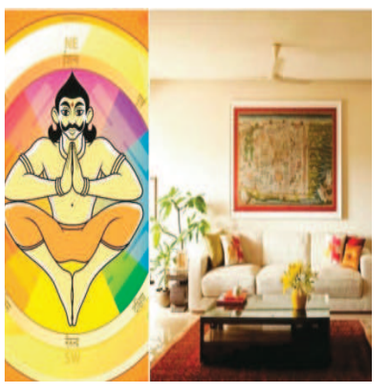

घर या बिजनेस में धन को आने से रोककर दुर्भाग्य को बढ़ाती हैं। सबसे पहले बात तिजोरी के पास या उसके पीछे रखी झाड़ू के बारे में ।

जिस तिजोरी या अलमारी में आप अपने पैसे या पूंजी रखते हैं और उसी के पीछे अगर झाड़ू भी रखते हैं तो यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। ऐसा करने से धन की हानि होती है।

किचन में दवाई का बॉक्स रखना भी ठीक नहीं होता। इससे परिवार के सदस्यों की सेहत पर असर पड़ता है। उनके स्वास्थ्य में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

घर में बाथरूम व शौचालय के दरवाज़ों को आवश्यकता न होने पर खुला नहीं छोड़ना चाहिए। इन्हें यूज़ करने के बाद तुरंत बंद कर दें। अन्यथा इससे घर और बिजनेस में लगातार पैसों का नुकसान होता रहता है।

पर्स में इन चीजों को रखने से मां लक्ष्मी हो सकती हैं नाराज

आज के इस दौर में हर व्यक्ति चाहता है कि उसका पर्स हमेशा रुपयों पैसों से भरा रहे। उसे सभी प्रकार की सुख सुविधाएं मिले, उसका पूरा जीवन धन-धान्य से भरपूर हो। स्त्री हो या पुरुष सभी को अपना बटुआ पैसों से भरा हुआ ही अच्छा लगता है और इसके लिए वह अथक प्रयास और मेहनत भी करता है। वास्तु शास्त्र मानता है कि कुछ ऐसी वस्तुएं होती हैं जिन्हें पर्स में रखना अशुभ होता है। इन वस्तुओं के पर्स में होने से पैसे नहीं टिकते। अनावश्यक ही खर्चे होते चले जाते हैं। बहुत से लोग पर्स में पैसों के अलावा अन्य चीजें भी रखते हैं। ऐसा माना जाता है कि इनमें से कुछ चीजों के कारण माता लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं। वे कौन सी वस्तुएं हैं आइए जानते हैं दिल्ली निवासी ज्योतिषाचार्य पंडित आलोक पांड्या से।

पुराने बिल

कई बार हमारी आदत होती है कि हम अपने पर्स में पुराने बिल आज भी रखे छोड़ देते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसी चीजों को पर्स में रखना अशुभ होता है। यदि आप खरीदारी करते वक्त पैसे के लेनदेन के बिल अपने पर्स में रखते हैं तो उन्हें कुछ दिनों बाद ही पर्स से बाहर निकाल देना चाहिए। वास्तु शास्त्र मानता है कि ऐसा ना करने से धन हानि होने की संभावना बढ़ जाती है।

भगवान की तस्वीर

बहुत से लोग अपने मृतक परिजनों की तस्वीरें भी अपने पर्स में रखते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र मानता है कि ऐसी किसी फोटो को पर्स में रखना सही नहीं होता। पर्स को वास्तु के अनुसार माता लक्ष्मी का स्थान माना गया है। ऐसी किसी फोटो को पर्स में रखने से वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है।

कभी न रखें चाबी

बहुत से लोग अपने पर्स में चाबी रखते हैं। मगर ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता। वास्तु शास्त्र के मुताबिक पर्स में किसी भी प्रकार की धातु की वस्तु रखना नकारात्मक ऊर्जा को आमंत्रण देता है ऐसे में धन हानि हो सकती है।

घर के इस दिशा में लगाएं छोटे पौधे

वास्तु शास्त्र के अनुसार, पेड़-पौधों का प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है। इसलिए वास्तु कहता है क पेड़-पौधों को लगाने से पहले वास्तु का खास ध्यान रखना चाहिए। साथ ही इन्हें उचित दिशा में लगाना चाहिए। क्योंकि इससे कई तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। इतना ही घर में पेड़-पौधे लगाने से घर का वास्तु दोष दूर होता है और हरियाली भी आती है। ऐसे में वास्तु शास्त्र में आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए कैसे पेड़-पौधे घर में नहीं लगाने चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार,नींबू, कैक्टस आदि काटेदार पेड़-पौधों को घर के अन्दर नहीं लगाना चाहिए साथ ही ऐसे पौधे जिनसे दूध निकलता है उन्हें भी नहीं लगाना चाहिए, ऐसे पौधों को अशुभ माना जाता है। ऐसे पौधों से नकारात्मक ऊर्जा निकलती है जिससे घर में अशांति रहती है।

लेकिन गुलाब का पौधा घर में लगाना शुभ माना जाता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि काला गुलाब घर में नहीं लगाना चाहिए क्योंकि काला गुलाब लगाने से चिंता बढ़ती है। साथ ही घर में ऐसे पेड़-पौधे भी नहीं लगाने चाहिए जो सांप, मधुमक्खी, उल्लू आदि को आमंत्रित करते हैं।

परीक्षा में सफलता पाने के लिए अपनाएं ये वास्तु टिप्स

परीक्षा में सफलता पाने के अचूक उपाय

जब भी आप पढ़ने के लिए बैठते हैं उस समय अपने इष्ट देव को याद करें इससे आपका ध्यान एकाग्र रहता है और पढ़ा हुआ जल्दी याद हो जाता है। अपनी पुस्तक और कापियों को पढ़ना शुरू करने से पहले एक बार मस्तक से ज़रूर लगायें। परीक्षा में सफलता के उपाय के अंतर्गत ब्रह्ममुहूर्त में उठकर पढ़ने से विशेष लाभ होता है। इस समय वातावरण में शुद्ध हवा होती है और चारों तरफ शांति छायी रहती है जिससे पढ़ने में अच्छा मन लगता है।

छात्रों को हमेशा पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुख करके अध्ययन करना चाहिए। छात्रों को घर पर अध्ययन करते समय जूते या मोज़े नही पहनना चाहिए। हर छात्र को अपने गले में माँ सरस्वती का यंत्र धारण करना चाहिए। छात्र अपनी बुद्धि के विकास के लिए गुरुवार के दिन अपनी किताब में इमली के ताज़े पत्ते ज़रूर रखें। छात्रों को किसी भी परीक्षा में सफलता के उपाय के लिए मोर पंख को अपने साथ रखने की भी सलाह दी जाती है। किसी भी छात्र के जीवन में अच्छी स्मरण शक्ति का बहुत महत्व होता है। अच्छी स्मरण शक्ति वाला विद्यार्थी काफी जल्द परीक्षा में सफलता प्राप्त

कर सकता है। स्मरण शक्ति के लिए छात्रों को तुलसी के कुछ पत्तों में मिश्री मिलाकर खाना चाहिए।

परीक्षा में सफलता के टोटके

आज का समय प्रतियोगी परीक्षाओं का है। आज हर स्टूडेंट प्रतियोगी परीक्षाओं में पास होना चाहता है ताकि उसको मनपसंद कॉलेज में प्रवेश या मनपसंद नौकरी मिल सके। छात्रों को परीक्षा में सफलता के उपाय के लिए हर गुरुवार गाय को पेड़े खिलाना चाहिए।

विद्यार्थियों को परीक्षा में मनवांछित सफलता प्राप्त करने के लिए अपने अध्ययन कक्ष में माँ सरस्वती की फोटो पूर्व दिशा में लगानी चाहिए। सरस्वती बीज मंत्र का उच्चारण करने से एकाग्रता में वृद्धि होती है और पढ़ने में मन लगता है। छात्रों को गणेश चालीसा भी पढ़ना चाहिए। गणेश जी को प्रसन्न करने के लिए बुधवार के दिन उन्हें दूर्वा अर्पित करें और बेसन के लड्डू का प्रसाद भी चढ़ाएं।

विद्या प्राप्ति के लिए बड़ों का लेना आशीर्वाद लेना बहुत ज़रूरी होता है। जब भी आप परीक्षा देने के लिए घर से निकलें आप घर में माता पिता, दादा-दादी या कोई भी घर के बड़े सदस्य के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लेना न भूलें।

सैंड आर्टिस्ट ने स्वर कोकिला को दी श्रद्धांजलि समुद्र किनारे रेत पर उकेरी तस्वीर

अपनी आवाज से लोगों के दिलों पर राज करने वाली स्वर कोकिला लता मंगेशकर की आज पहली पुण्यतिथि है। पिछले साल 6 फरवरी को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था, लेकिन आज भी वह अपने चाहने वालों के दिलों में हैं। लगा मंगेशकर की पहली पुण्यतिथि के मौके पर सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी समुद्र तट पर उन्हें खूबसूरत अंदाज में ट्रिब्यूट दिया है।

पुरी समुद्र तट पर लता मंगेशकर की रेत से बनाई गई यह मूर्ति करीब 6 फीट ऊंची है। इसके साथ म्यूजिक इंस्ट्रयूमेंट भी बना है और साथ लिखा है, भारत रत्न लता जी को श्रद्धांजलि, मेरी आवाज ही पहचान है। वहीं, इसमें बहुत ही कम रंगों का इस्तेमाल किया गया। लता मंगेशकर को दिए गए इस ट्रिब्यूट को फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं और स्वर कोकिला को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

बता दें कि पिछले साल लता मंगेशकर कोरोना से संक्रमित थीं, जिसके बाद उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद लंबी बीमारी के बाद 6 फरवरी को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। ज्ञात हो कि लता मंगेशकर को 2001 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण और दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है।

शादी से पहले 75 लड़कियों को डेट कर चुके अंगद बेदी, नेहा भी सुनकर रह गई थीं दंग

बॉलीवुड अभिनेता अंगद बेदी अपना 39वां जन्मदिन मना चुके हैं। उनका जन्म 6 फरवरी 1983 को दिल्ली में हुआ था। अंगद बेदी का जन्म पूर्व भारतीय क्रिकेटर कप्तान बिशन सिंह बेदी के घर में हुआ था। अभिनेता ने अपनी पढ़ाई ज्ञान भारती स्कूल, साकेत नई दिल्ली से की। इसके बाद उन्होंने सेंट स्टीफेंस कॉलेज से अपनी ग्रेजुएशन पूरी की। बता दें कि अंगद बेदी ने अंडर 19 क्रिकेट खेला था। कॉलेज के बाद अंगद बेदी ने मॉडलिंग में अपने करियर की शुरुआत की और अभिनय करने लगे।

अंगद बेदी अभिनेता होने के साथ साथ मॉडल भी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म काया तरण से की थी, जिसे शशि कुमार ने डायरेक्ट किया था। इसके बाद अंगद एन एस माधवन की मलायाम फिल्म वानमारंगल वीझुंपोल (व्हेन द बिग ट्रीज फॉल) में नजर आए। अंगद ने बॉलीवुड की तमाम फिल्मों में काम किया। इनमें फालतू, पिंक, डियर जिंदगी और टाइगर जिंदा है आदि फिल्में शामिल हैं। वानमारंगल वीझुंपोल फिल्म के लिए अंगद के अभिनय की खूब सराहना की गई थी।

अंगद बेदी की पर्सनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने अभिनेत्री नेहा धूपिया से साल 2018 की 10 मई को शादी कर ली थी। दोनों कलाकारों ने एक-दूसरे को काफी समय तक डेट किया था, जिसके बाद उन्होंने साल 2018 में शादी कर ली। नेहा धूपिया अंगद बेदी से दो साल बड़ी हैं। अंगद के दो बच्चे हैं। बताया जाता है कि शादी से पहले नेहा धूपिया प्रेग्नेंट थीं, क्योंकि नवंबर 2018 में ही उन्होंने बेटी को जन्म दिया था।

शादी से पहले 75 लड़कियों को किया डेट

अंगद बेदी ने अपनी लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातों के बारे में एक इंटरव्यू में खुलासा किया था। उन्होंने बताया था कि उन्होंने शादी से पहले 75 लड़कियों को डेट किया। दरअसल अभिनेता अंगद बेदी ने नेहा धूपिया के चैट शो 'नो फिल्टर नेहा' में इस बात का खुलासा किया था। साथ ही, उन्होंने यह भी बताया था कि इन 75 लड़कियों में कई ऐसी थीं, जो उम्र में उनसे काफी बड़ी थीं। अंगद ने नेहा के इस शो के दौरान बताया कि वह बहुत डिसिप्लिन में पले-बढ़े हैं। मुंबई आने से पहले तक वह काफी शर्मीले थे। मुंबई शिफ्ट होने के बाद काफी सारी चीजों में बदलाव आए, जिनमें नए दोस्त बने और कई लोगों से मुलाकात हुई। इस दौरान कई लड़कियों को डेट भी किया। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ लड़कियां तो उनसे लगभग 10 साल तक बड़ी थीं। अंगद बेदी और क्रिकेटर युवराज सिंह बचपन के दोस्त हैं।

अपने इस दोस्त की वजह से बिग बॉस 16 से बाहर निकल आईं सुंबुल?

टीवी अभिनेत्री सुंबुल तौकीर खान इन दिनों चर्चा में हैं। वह बिग बॉस के घर से बाहर आ चुकी हैं। बता दें कि 'बिग बॉस 16' में सुंबुल को दर्शकों का खूब प्यार मिला। अब जब वह घर से बाहर हो गई हैं तो सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव हैं। वह लगातार फैंस के साथ अपनी फोटोज और वीडियो शेयर कर रही हैं। इस बीच उनका नया वीडियो सामने आया है। इसमें वह अपने दोस्त और को-स्टार फहमान खान के साथ देखी जा रही हैं।

बता दें कि फहमान खान ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि एक-दूसरे से मिलकर दोनों किस कदर खुश हैं। दोनों सड़क किनारे खड़े हैं। फहमान कह रहे है, 'हां जी कि हाल? आ गई लड़की बाहर। ये देखो... क्या रे कैसा रहा अंदर?' इसके बाद सुंबुल जवाब देती हैं और कहती हैं, 'बहुत अच्छा रहा। बहुत मजा आया।' इसके आगे वीडियो में फहमान कहते दिख रहे हैं, 'मैं बार-बार बोलता था कि जीतकर आएगी और अगर नहीं जीतेगी तो जल्दी मिलेगी।' फहमान की इस बात पर सुंबुल प्यार भरा गुस्सा जताते हुए कहती हैं, 'तूने जो इतना मैनिफेस्ट किया है। तेरे मेनिफेस्टेशन की वजह से मैं पहले आ गई।'

बता दें कि फहमान और सुंबुल टीवी शो 'इमली' में साथ नजर आ चुके हैं। शो में दोनों के बीच गजब की केमिस्ट्री देखने को मिली। इनके बीच की अंडरस्टैंडिंग देख दर्शकों ने इनकी डेटिंग के कयास लगाने शुरू कर दिए। इसके अलावा फहमान बिग बॉस 16 में भी सुंबुल से मिलने गए थे। रियलिटी शो में भी दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग रही, जिसके बाद एक बार फिर इनके अफेयर की खबर उड़ी। हालांकि, अभी तक दोनों ने इस तरह की अफवाहों पर चुप्पी नहीं तोड़ी है। अब इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस फिर यह अनुमान लगा रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ तो बात है।

हालिया वीडियो पर यूजर्स की काफी दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। एक यूजर ने लिखा, 'हाय दईया! किसी की नजर न लगे।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'यह होती है असली पार्टनर वाली बॉन्डिंग। अल्लाह खुश रखे।' एक यूजर ने लिखा, 'चार महीने बाद सुंबुल इतनी खुश हुई है। दोनों कितने प्यारे लग रहे हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'इन्होंने यह वीडियो हमारे लिए बनाई है और दिल खुश कर दिया।'

सिक्योरिटी पर सालाना इतना खर्च करते हैं ये बॉलीवुड स्टार्स, सैलरी सुनकर आप भी रह जाएंगे दंग

बॉलीवुड सितारों की रियल लाइफ के बारे में जानने के लिए हर कोई उत्सुक रहता है। फिर चाहें उनका डाइट प्लान हो, एअरपोर्ट लुक या फिर उनके सिक्योरिटी के बारे में तमाम बातें... फैंस अक्सर अपने फेवरेट स्टार से जुड़ी हर बात जानने के लिए बेचैन रहते हैं। तो आइए, आपको बताते हैं कि बॉलीवुड स्टार्स अपनी सिक्योरिटी को लेकर कितने एक्टिव हैं और अपनी सुरक्षा पर कितने रुपये खर्च करते हैं।

सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा इंडस्ट्री के सबसे चर्चित बॉडीगार्ड है। सलमान को भले ही सब भाईजान से बुलाते है, लेकिन शेरा उन्हें मालिक के नाम से बुलाते शेरा पिछले 25 साल से सलमान की सुरक्षा कर रहे हैं। सलमान शेरा को अपने परिवार की तरह रखते है। एक इंटरव्यू में शेरा से जब सलमान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था कि सलमान खान ने मेरे लिए बहुत किया है, उतना इंडस्ट्री में किसी ने भी अपने बॉडीगार्ड के लिए नहीं किया होगा। शेरा की सैलरी की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान शेरा को सालाना **2 करोड़** रुपये सैलरी देते हैं।

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान भी अपने बॉडीगार्ड रवि सिंह का खास ख्याल रखते हैं। रवि शाहरुख की परछाई बनकर उनके साथ हर जगह होते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रवि सिंह बॉलीवुड में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले बॉडीगार्ड हैं। किंग खान रवि सिंह को हर साल **2.7 करोड़** रुपये सैलरी देते हैं।

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्ट यानी आमिर खान भी इस रेस में दोनों खान से पीछे नहीं हैं। आमिर के बॉडीगार्ड युवराज घोरपड़े हर समय उनकी सुरक्षा के लिए मौजूद रहते हैं। युवराज की सैलरी की बात की जाए तो आमिर खान युवराज घोरपड़े को सालाना **2 करोड़** रुपये सैलरी देते हैं। एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अपनी सिक्योरिटी को लेकर काफी एक्टिव हैं। एक्ट्रेस की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनके बॉडीगार्ड प्रकाश सिंह उर्फ सोनू के पास है। सोनू अनुष्का की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। वहीं ,एक्ट्रेस भी उनका खास ख्याल रखती हैं। अनुष्का सोनू को तकरीबन 10 लाख रुपये महीना यानी 1.2 करोड़ रुपये सालाना सैलरी देती हैं।

सना खान ने मक्का पहुंचकर किया उमराह:शेयर की तस्वीरें, फैंस ने लगाए प्रेग्नेंसी के कयास

बिग बॉस फेम सना खान ने 2020 में फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया था। वो अब लाइमलाइट से दूर पति अनस सईद के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हैं। हाल ही में सना पति सईद के साथ इस्लाम के पवित्र शहर मक्का गईं थीं, जहां उन्होंने इस्लामी यात्रा उमराह की।

सना ने सोशल मीडिया पर कुछ फोटोज शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की है। इतना ही नहीं कैप्शन में उन्होंने लिखा कि यह उमराह यात्रा उनके लिए बेहद खास थी। पोस्ट सामने आने के बाद से ही यूजर्स सना की प्रेग्नेंसी के कयास लगा रहे हैं।

फोटो शेयर करते हुए सना ने लिखा- 'अल्हम्दुलिल्लाह मैं बहुत खुश हूं। यह उमराह मेरे लिए बहुत खास है, जिसकी वजह मैं आप सभी के साथ जल्द ही साझा करूंगी। अल्लाह इस सफर को आसान बनाए।'

सना की इन फोटोज पर यूजर्स जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा- क्या आप मां बनने वाली हैं?, एक अन्य यूजर ने लिखा- 'आप प्रेग्नेंट हैं, मैं ये बात 1 महीने से जानता हूं, बधाई हो।' एक अन्य यूजर ने लिखा- 'आप दुआ करना की हमें भी जल्द उमराह करने का मौका मिले।'

20 नवंबर 2020 को हुआ था निकाह

बता दें कि प्यार में दिल टूटने के बाद सना ने फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया और आध्यात्मिकता का रास्ता चुना। 20 नवंबर 2020 को सना और अनस सईद की शादी हुई। अब सना अपने क्लोदिंग ब्रांड पर काम कर रही हैं। वो अक्सर सुंदर, रंगीन हिजाब पहनती रहती हैं। इतना ही नहीं वो लोगों को इस्लाम के बारे में भी जागरूक करती हैं।

बिना नाम लिए कंगना रनोट ने साधा रणबीर-आलिया पर निशाना!

किया दावा-कोई मेरी जासूसी कर रहा, बोलीं- मेरा डाटा लीक हुआ है

एक्ट्रेस कंगना रनोट अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है कि बॉलीवुड से जुड़ा एक कपल उनकी जासूसी कर रहा है। अपने पोस्ट में कंगना ने दावा किया है कि उनकी प्रोफेशनल और पर्सनल डिटेल्स लीक हो रही हैं।

कंगना ने अपने पोस्ट किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके दिए हुए हिंट्स इस बात की तरफ इशारा कर रहे हैं कि उनके ये आरोप बॉलीवुड कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर पर है। इतना ही नहीं कंगना ने पोस्ट में कपल की बेटी का भी ज़िक्र किया है।

कंगना ने क्रिप्टिक पोस्ट में लिखा - 'मैं जहां भी जाती हूं मेरा पीछा किया जाता है और जासूसी की जाती है। न केवल सड़को पर, यहां तक कि मेरी बिल्डिंग की पार्किंग और घर की छत पर भी वे मेरी निगरानी के लिए जूम लेंस लगाते हैं। हर कोई जानता है कि पैपराजी केवल उन्हीं स्टार्स से मिलते हैं, जो उन्हें स्पॉट करने के पैसे दें।' लेकिन मैंने या मेरी टीम ने पैपराजी को कोई भी पैसे नहीं दिए है, तो आखिर इसके पैसे कौन दे रहा है?

सुबह 6:30 पर मेरी फोटोज क्लिक की गई, भला उन्हें मेरे शेड्यूल के बारे में कैसे जानकारी मिली? वो इन फोटोज के साथ क्या करने वाले हैं। आज सुबह मैं कोरियोग्राफी प्रैक्टिस सेशन के लिए स्टूडियो पहुंची थी, किसी को भी इस बात की जानकारी नहीं दी गई थी, इसके बावजूद वहां पर भीड़ थी।

कंगना ने आगे कहा- मुझे यकीन है मेरा व्हाट्सएप डाटा लीक हो रहा है। प्रोफेशनल डील्स या यहां तक कि पर्सनल लाइफ से जुड़ी चीजों पर कोई निगरानी रख रहा है। इसके पीछे फिल्म इंडस्ट्री का एक कैसानोवा हो सकता है। वो नेपो माफिया जोकर, जो बिना बुलाया एक बार मेरे दरवाजे पर आ गया और मुझे फोर्स किया।

वो एक जाना-माना वूमनाइजर और कैसानोवा है। वो नेपो माफिया का सबसे करीबी है, जिसने अपनी वाइफ को प्रोड्यूसर बनने पर मजबूर किया और वुमन सेंट्रिक फिल्में ज्यादा करने के लिए कहा है। जो मेरे जैसे कपड़े पहनती है, मेरे घर जैसे इंटीरियर बनवाती है। यहां कि उसे मेरे हेयर स्टाइलिस्ट और होम स्टाइलिस्ट को भी हायर कर लिया, जिन्होंने बाद में मेरे साथ काम करने से मना कर दिया है।

दूसरी स्टोरी में कंगना ने लिखा- कैसानोवा की वाइफ उसके इस व्यवहार को बढ़ावा दे रही है, उसने अपनी शादी पर वही साड़ी पहनी थी, जो मैंने पहले अपने भाई की शादी के रिसेप्शन के लिए पहनी थी। यह बहुत अजीब है। हाल ही में एक फिल्म कॉस्ट्यूम डिजाइनर फ्रेंड, जिन्हें मैं एक दशक से भी ज्यादा समय से जानती थी, वो इस कपल के साथ काम कर रहा है। मेरे फाइनेंसर्स और बिजनेस पार्टनर्स लास्ट मोमेंट पर बिना किसी कारण डील कैंसल कर देते हैं। मुझे लगता है कि वो मुझे अलग करने और मानसिक तनाव में डालने की कोशिश कर रहे हैं।

कंगना ने आगे लिखा- 'वैसे उसे एक अलग मंजिल पर रखता है, वो दोनों एक बिल्डिंग में अलग-अलग रहते हैं। मेरी सलाह है कि उसे इस अरेंजमेंट के लिए मना कर देना चाहिए और अपने पति पर नजर रखनी चाहिए। उसे ये सब डेटा कैसे मिल रा है और वो क्या कर रहा है? क्योंकि, अगर वो परेशानी में पड़ता है तो वो और उनका बच्चा भी परेशानी में होंगे। उसे अपनी लाइफ की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और यह पता लगना चाहिए कि कहीं उसका पति कुछ अवैध तो नहीं कर रहा है। उनकी न्यूबॉर्न बेबी गर्ल को बहुत सारा प्यार।'

पोस्ट में भले ही कंगना ने किसी का नाम ना लिया हो, लेकिन लोगों का मानना है कि उनके ये आरोप बॉलीवुड कपल आलिया-रणबीर पर हैं। बता दें कि आलिया ने अपनी शादी पर गोल्डन सब्यसाची की साड़ी पहनी थी। ठीक वैसी ही साड़ी कंगना ने अपने भाई के रिसेप्शन पर कैरी की थी।

पोस्ट में यूजर्स ने कहा- आलिया-रणबीर से कंगना की दुश्मनी का सिलसिला बेहद पुराना है। एक अन्य यूजर ने लिखा- 'रणबीर और आलिया आप पर जासूसी कर रहे हैं। लेकिन वो अलग अलग फ्लोर पर रहते हैं ये आपको कैसे पता, क्या आप उनकी जासूसी कर रही हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा- प्लीज तुम अपने काम से काम रखो, ऐसा कुछ नहीं है।'

पाकिस्तान में गैरकानूनी तरीके से दिखाई जा रही है पठान : 900 रुपए में बिक रहे फिल्म के टिकट

पठान इन दिनों इंडियन बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है। इंडिया के अलावा विदेशों में भी फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है। अब खबरें हैं कि पाकिस्तान में भी फिल्म की स्क्रीनिंग की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कराची में फिल्म की गैरकानूनी तरीके से स्क्रीनिंग की जा रही थी। जब पाकिस्तानी सेंसर बोर्ड के संज्ञान में ये बात आई तो उन्होंने एक स्टेटमेंट जारी किया। सेंसर बोर्ड का कहना है कि जब तक किसी फिल्म को ऑफिशियली रिलीज की अनुमति न मिले तब कोई भी व्यक्ति किसी भी फिल्म को निजी तौर पर रिलीज नहीं करेगा।

900 रुपए में बिक रहे थे फिल्म के टिकट्स

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के शहर कराची के कई हिस्सों में पठान की अवैध तरीके से स्क्रीनिंग की जा रही थी। यहां तक कि डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी में भी फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई थी। सोशल मीडिया पर स्क्रीनिंग के लिए टिकट भी बेचे जा रहे थे।

फायरवर्क इवेंट्स नाम की कंपनी फेसबुक के जरिए 900 रुपए में एक टिकट बेच रही थी। टिकटों की बिक्री के लिए सोशल मीडिया पर एड भी दिए गए थे।

स्क्रीनिंग कराने वालों पर भड़का सेंसर बोर्ड

सेंसर बोर्ड का कहना है कि जब तक किसी फिल्म को आॅफिशियली रिलीज प्रमाणित न किया जाए तब तक निजी तौर पर कोई भी व्यक्ति किसी भी फिल्म को सार्वजनिक रूप से नहीं दिखा जा सकता। सेंसर बोर्ड ने उन सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच की है जहां से फिल्म के टिकट्स के लिए एड दिए गए थे। सेंसर बोर्ड का कहना है कि गैरकानूनी तरीके से फिल्म की स्क्रीनिंग करने वालों को तीन साल की जेल और एक लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पठान को लेकर पाकिस्तान में काफी ज्यादा क्रेज था, लोग शाहरुख की इस फिल्म को किसी भी हाल में देखना चाहते थे। फिल्म का क्रेज इस कदर था कि गैरकानूनी तरीके से हो रही स्क्रीनिंग के लिए भी सारे टिकट्स बिक गए थे।

कुछ दिन पहले ऐसी खबरें आई थी कि पाकिस्तानी फिल्म द लीजेंड ऑफ मौला जट भारत में रिलीज होगी। भारत में फिल्म को रिलीज करने के लिए जी स्टूडियोज ने पूरी कमर कस ली थी, लेकिन सेंसर बोर्ड ने अंतिम वक्त पर फिल्म की रिलीज पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी।

पठान ने सिर्फ 11 दिनों में 386.50 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। इसके साथ ही पठान सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। तमिल और तेलुगु के आंकड़े जोड़ लिए जाए तो फिल्म की कुल कमाई 400 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं पठान के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म का आंकड़ा 729 करोड़ तक पहुंच गया है।

ब्लड शुगर कंट्रोल में रखने के लिए बस एक केला काफी है

मधुमेह रोगियों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे क्या खाते हैं। क्योंकि डायबिटीज के मरीजों को अपना ब्लड शुगर हमेशा कंट्रोल में रखना चाहिए। फलों और सब्जियों सहित आवश्यक पोषक तत्वों का सेवन करना बहुत महत्वपूर्ण है। क्योंकि डायबिटीज को कंट्रोल में रखने में आपकी डाइट अहम भूमिका निभाती है। ऐसे में मधुमेह विशेषज्ञों का कहना है कि लाल केला खाने से मधुमेह रोगियों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। लाल केले में पोटैशियम होने के कारण यह उच्च रक्तचाप को नियंत्रित रखता है। इसमें बीटा-कैरोटीन होता है जो आंखों के स्वास्थ्य में सुधार करता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर लाल केले को लेकर कई अध्ययन प्रकाशित किए गए हैं। तो आइए जानते हैं कि मधुमेह रोगियों को अपने दैनिक आहार में लाल केले को शामिल करने से क्या लाभ मिल सकते हैं।

लाल केले का ग्लाइसेमिक इंडेक्स

सामान्य तौर पर, पीले केले में लाल केले की तुलना में अधिक ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है। चूंकि लाल केले का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इसलिए मधुमेह रोगी इनका भरपूर सेवन कर सकते हैं। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थ ब्लड सर्कुलेशन में धीरे-धीरे ग्लूकोज छोड़ते हैं। इससे मधुमेह रोगियों को अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रण में रखने में मदद मिलती है। संतरे का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 45 और पीले केले का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 51 होता है। लाल केला फाइबर से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं।

ब्लड शुगर को करे कंट्रोल

लाल केले में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है इसलिए ब्लड शुगर लेवल को हमेशा नियंत्रित किया जा सकता है। यह ग्लूकोज के संश्लेषण में शामिल अल्फा-एमाइलेज और ग्लूकोसिडेज एंजाइम की गतिविधि को रोकता है। यह हाई ब्लड शुगर लेवल को रोकने में मदद करता है।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर प्रकाशित एक शोध के मुताबिक अधिकांश अन्य फलों और सब्जियों की तरह, लाल केले में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। वास्तव में पीले केले की तुलना में लाल केले अधिक मात्रा में कुछ एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट ऐसे कंपाउंड होते हैं जो फ्री रेडिकल्स कहलाने वाले अणुओं के कारण होने वाली सेलुलर क्षति को रोकते हैं। आपके शरीर में अत्यधिक मुक्त कण ऑक्सीडेटिव तनाव के रूप में जाना जाने वाला असंतुलन पैदा कर सकते हैं, जो हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर जैसी स्थितियों से जुड़ा हुआ है

दृष्टि में सुधार

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन पर प्रकाशित एक अन्य शोध के मुताबिक डायबिटिक रेटिनोपैथी मधुमेह रोगियों की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है। डायबिटिक रेटिनोपैथी के कारण धब्बेदार अधः पतन, दृष्टि हानि और आंखों से रक्तस्राव जैसी समस्याएं होती हैं। हाई ब्लड शुगर आंखों में ऑप्टिक तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और डायबिटिक रेटिनोपैथी का कारण बनता है। तो जो लोग दृष्टि में सुधार करना चाहते हैं वे मार्जरीन फल ले सकते हैं जिसमें कैरोटीनॉयड होता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

एक शोध के अनुसार लाल केले में पाए जाने वाले विटामिन सी और बी6 सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में मदद करते हैं और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देते हैं। एंटीबॉडी बढ़ाता है और रोगजनकों से लड़ने में मदद करता है।

दाल में चिकन और मटन से ज्यादा प्रोटीन है मौजूद

बढ़ता वजन लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी है। वजन को कंट्रोल करने के लिए लोग अपना आराम और सुख तक छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। बढ़ते वजन को कंट्रोल करने के लिए दो स्ट्रॉन्ग टूल्स है एक है डाइट तो दूसरा है वर्कआउट। ये दोनों टूल्स वजन को तेजी से कम करने में असरदार साबित होते हैं। बढ़ते वजन को कम करना चाहते हैं तो रोजाना 40 मिनट तक वर्कआउट करें और डाइट में प्रोटीन को शामिल करें। प्रोटीन डाइट का सेवन करके आसानी से वजन को कंट्रोल किया जा सकता है। प्रोटीन डाइट से मतलब जरूरी नहीं है कि आप चिकन और मटन का ही सेवन करें। आप प्रोटीन डाइट में दालों का सेवन कर सकते हैं। दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं जिनका सेवन करके आसानी से वजन को कम किया जा सकता है।

एम्स के पूर्व कंसल्टेंट और साओल हार्ट सेंटर के फाउंडर एंड डायरेक्टर डॉ बिमल झांजेर के मुताबिक दाल में चिकन,मटन और फिश से ज्यादा प्रोटीन होता है। सोयाबीन से लेकर सभी दालों में 28 फीसदी से लेकर 17 फीसदी तक प्रोटीन होता है। आपको बता दें कि मटन में 18 ग्राम प्रोटीन होता है जबकि चिकन में 30 ग्राम प्रोटीन होता है और फिश में 17-23 ग्राम तक प्रोटीन मौजूद होता है। नॉनवेज फूड्स से प्राप्त प्रोटीन का सेवन वजन बढ़ा सकता है। प्रोटीन डाइट में दालें ऐसा शाकाहारी फूड हैं जिनका सेवन करने से आसानी से वजन को कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि प्रोटीन से भरपूर दालें कैसे वजन को कंट्रोल करती है।

यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो डाइट में प्रोटीन से भरपूर दालों को शामिल करें। वजन कम करने के लिए आप अपने वजन के प्रति किलोग्राम के बीच 1.6 और 2.2 ग्राम प्रोटीन के सेवन का लक्ष्य रखें। वजन कम करना चाहते हैं और हैवी वर्कआउट कर रहे हैं तो प्रति किलोग्राम 2.2-3.4 ग्राम प्रोटीन का सेवन करें। प्रोटीन डाइट वजन कम करने के लिए बेहद असरदार उपाय है। दालें प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती हैं। इनका सेवन करने से भूख लम्बे समय तक नहीं लगती। अगर आप रेगुलर प्रोटीन डाइट का सेवन करें तो आपकी 60% तक भूख कंट्रोल हो सकती है। वजन कम करने के लिए प्रोटीन डाइट बेहद असरदार साबित होती है।

प्रोटीन डाइट में इन फूड्स को करें शामिल

अगर आप बढ़ते वजन को प्रभावी तरीके से कंट्रोल करना चाहते हैं तो डाइट में किनुआ का सेवन करें। किनुआ एक सीड की केटेगरी में आता है जिसमें प्रोटीन के साथ ही फाइबर भी मौजूद होता है जो पाचन को दुरुस्त करता है और वजन को कंट्रोल करता है।

वजन कम करने के लिए अंडा, पनीर और दूध को करें डाइट में शामिल। ये सभी फूड्स प्रोटीन से भरपूर होते हैं और वजन को तेजी से कंट्रोल करते हैं। वजन को कंट्रोल करने में दालें हैं असरदार। दाल प्रोटीन से भरपूर होती है जो वजन कम करने में बेहद मदद करती हैं। सभी दालें, सोयाबीन, राजमा, छोले, चना इन सभी में फैट बहुत कम और प्रोटीन बहुत ज्यादा होता है। इन दालों को खाने से वजन कम होता है।

टेनिस बॉल मसाज से दूर होगा गर्दन का दर्द:धनुरासन और स्ट्रेच से होगा फायदा, गलत तरीके से बैठने पर बढ़ेगा दर्द

गलत बॉडी पोस्चर या बहुत देर तक कंप्यूटर के सामने गर्दन झुका कर बैठने से कई बार कंधे और गर्दन में दर्द हो सकता है। दरअसल, गर्दन की मांसपेशियां और नसें खिंचती हैं।

गर्दन और कंधे के दर्द को ज्यादा दिनों तक नजरअंदाज करने से ऑस्टियोआर्थराइटिस की प्रॉब्लम भी हो सकती है। डॉक्टर श्लेष सिंह बता रहे हैं लाइफस्टाइल से जुड़े छोटे-छोटे बदलावों के बारे में जिससे गर्दन के दर्द में मिलेगा आराम।

टेनिस बॉल मसाज

एक हाथ में टेनिस बॉल लें और इससे अपनी गर्दन की अलग-अलग तरीकों से मसाज करें। दर्द वाली जगह पर 20-30 सेकंड के लिए दबाएं और फिर छोड़ दें। फिर से यही प्रोसीजर स्टार्ट करें। टेनिस बॉल मसाज से टिश्यू और मसल्स रिलैक्स होंगे और दर्द में काफी हद तक आराम मिलेगा।

धनुरासन से गर्दन के दर्द में मिलेगा आराम

धनुरासन करने के लिए सबसे पहले जमीन पर मैट बिछाएं। पेट के बल मैट पर लेट जाएं। घुटनों को अंदर की तरफ करें जिससे कि आपकी हथेलियां आपके कूल्हों तक पहुंचें। दोनों हाथों से अपने पैरों को पकड़ें। सांस भरते हुए हथेलियों को सीधा ऊपर की ओर लाएं और जांघों को जमीन से उठाएं।

अपने ऊपरी शरीर को ऊपर खींचें और उसी समय फर्श से उठाएं। दस सेकेंड तक इसी स्थिति में खड़े रहो। सांस छोड़ें और धीरे-धीरे अपने शरीर को फर्श पर लाएं। धनुरासन से कंधे के दर्द में आराम मिलेगा और मांसपेशिया भी मजबूत होंगी। गलत बॉडी पोस्चर की वजह से कंधे झुक गए हैं तो इस आसन से आपको फायदा मिलेगा

नेक स्ट्रेचिंग से मिलेगा आराम

नेक स्ट्रेचिंग से भी गर्दन के दर्द में आराम मिलता है। गर्दन को आगे की तरफ स्ट्रेच करने के लिए धीरे-धीरे ठुड्डी को छाती से नीचे लाएं और 10 सेकेंड तक ऐसे ही रहें। सिर को वापस पहले की ही तरह करें। इसके बाद सिर को पीछे की ओर झुकाएं और 15 सेकेंड तक इसी स्थिति में रहें। नेक स्ट्रेचिंग की दोनों स्थितियों में 10 बार रिपीट करें।

काम के बीच में लेते रहें ब्रेक

लगातार गर्दन झुकाकर डेस्क वर्क करने से भी गर्दन में दर्द हो सकता है। इससे छुटकारा पाने के लिए सही स्थिति में बैठें, काम के बीच-बीच में ब्रेक लेते रहें। भारी वजन सावधानी से उठाएं।

पीठ के दर्द का आयुर्वेदिक उपचार

प्रश्न. मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले दो माह से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

–कमलाकर शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर. पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांस पेशिया , कंडराओ में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात वृद्धि आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं यदि उसके शाक अब्जॉर्बर खराब हो गए हो तभी भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुक कर कार्य करना,एक हाथ से वजन उठाना घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ के दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमाटाइज तेल या उंझा महानारायण तेल की मालिश करें। रूमाटाइज टीकिया, उंझा महायोगराज गुग्गुलु व उंझा वातगजांकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवे। उंझा अश्वगंधारिष्ट,उंझा दशमूलारिष्ट 10– 10 मिलीलीटर दवा को दुगने पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवे। नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले व सदा प्रसन्नचित्त रहें। गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार,कंदमूल (आलू, रतालू,अरबी,मूली आदि) का सेवन एवम् रात्रिजागरण ना करें। बासी खाद्याअन्न व ठंडा पेय,आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है। डॉक्टरों के अनुसार मुझे गाउट है। उंगलियों और जोड़ों में बहुत दर्द होता है। कृपा कर इसका आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– उर्मिला महेश शर्मा, वारंगल

उत्तर : आयुर्वेद में गाउट को वातरक्त कहते हैं। सामान्य भाषा में गठिया रोग कहते हैं । इसमें और संधिवात में सबसे बड़ा फर्क है सिरम यूरिक एसिड के स्तर का बढ़ना। वात रक्त में रक्त में यूरिक एसिड का स्तर स्त्रियों में 7 से ऊपर यदि रहता है तो यूरिक एसिड के क्रिस्टल जोड़ों में जमा होने लगते हैं और काफी दर्द होने लगता है। शरीर में यूरिक एसिड बढ़ने की वजह से गुर्दे का शरीर में मौजूद यूरिक एसिड को पेशाब के जरिए शरीर के बाहर नहीं निकल पाना है । कई तरह के पदार्थ जै से :

स भी प्रकार की दालें , डिब्बे वाले जूस, मांसाहारी भोजन, सीफूड, मशरूम ,मटर बीन्स आदि यूरिक एसिड को बढ़ाते हैं। अतः इन से दूर रहें। जैतून तेल, ईसबगोल, ओट्स ,टमाटर ,अंगूर, चेरी ,मेवे, कद्दू, तुरई , घीया, खीरा, करेले, भिंडी, कुंदूरु, परवल, पुराने चावल, जवारी, गेहूं आदि का प्रयोग गाउट में हितकारी है। ऊंझा अमृता गुग्गुलु, ऊंझा कैशौर गुग्गुलु, ऊंझा संशमनी वटी ,ऊंझा अमृतारिष्ट आदि का प्रयोग वात रक्त में उपयोगी है। गिलोय - तुलसी रस निराहार सुबह और भोजन के पहले संध्या को 30 मिलीलीटर की मात्रा में दोगुने पानी के साथ मिलाकर प्रयोग करते रहने से वात रक्त पूरा ठीक होता है।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। मुझे नजले की शिकायत है । नाक हमेशा बहती रहती है। नाक से पीले रंग का गाढा रेशे जैसा तरल पदार्थ निकलता रहता है । सिर व आंखों में भी दर्द रहता है। कृपया उपचार बताएं।

– मनोहर प्रसाद सक्सेना सिकंदराबाद

उत्तर : नजला या दुकान आयुर्वेद का 'प्रतिश्याय' रोग है। इसमें नाक बहना , छींके आना , सर्दी लगकर बुखार आना, नाक में संक्रमण होना, नाक में सूजन आना, नाक बंद रहना या नासामल से भरी रहना, सिर व आंखों में भारीपन के साथ दर्द होना- यह सब प्रतिश्याय के लक्षण हैं।

साधारण औषधि योग में त्रिकटु चूर्ण (सोंठ , काली मिर्च एवं पिपली का समभाग चूर्ण) सबसे सरल व कारगर योग है ।इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में शहद में मिलाकर लेने से लाभ मिलता है। ऊंझा लक्ष्मी विलास रस की गोली को सादे पान के पत्ते में रखकर खाने से भी नजला ठीक होता है। ऊंझा चौंसठ प्रहरी पीपल टिकिया, ऊंझा काफकेतु रस के संग ऊंझा चंद्रामृत रस टिकिया को गुनगुने पानी से देना परम गुणकारी नतीजे देता है। भोजन के बाद द्राक्षारिष्ट को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में समभाग गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम के पार्श्व प्रभाव जल्दी ही ठीक हो जाते हैं।

इसमें खासकर ठंडी चीजों एवं कफ वर्धक आहार - विहार से बचें। तेज धूप से आते ही तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए । थोड़ी देर ठहर कर पसीना सूखने के बाद ही पानी पीना चाहिए।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

हाई लेवल सोडियम बना रहा है आपके खून में पानी

शरीर को फिट और स्वस्थ रखने के लिए बहुत सारे पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। सबसे महत्वपूर्ण तत्व सोडियम है। सोडियम शरीर में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। शरीर में कोशिकाओं को ठीक से काम करने की आवश्यकता होती है। शरीर में तरल पदार्थ और इलेक्ट्रोलाइट का स्तर संतुलित होना चाहिए और रक्तचाप को नियंत्रित करना चाहिए। यह सब सोडियम द्वारा संभव बनाया गया है। सोडियम ब्लड प्रेशर को रेगुलेट करने का काम करता है। इसके साथ ही सोडियम मांसपेशियों को ठीक से काम करने में भी मदद करता है।

जब शरीर में सोडियम की कमी हो जाती है तो उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। शरीर में सोडियम की कमी भी लीवर को खराब कर सकती है या इसे बीमार कर सकती है। साथ ही शरीर में सोडियम की अधिक मात्रा भी हानिकारक होती है। क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, अतिरिक्त सोडियम से डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, बुखार, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ज्यादा सोडियम के सेवन से पेशाब में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि सोडियम को बैलेंस में रखा जाए।

सोडियम के स्तर को कैसे कम करें

रिपोर्ट के मुताबिक रोजाना खाए जाने वाले 10 तरह के खाने में 40 फीसदी तक सोडियम पाया जाता है। ब्रेड, पिज्जा, सैंडविच, कोल्ड कट्स, सूप, बरिटो, स्नैक्स, चिकन, पनीर, अंडे और आमलेट सोडियम के प्रमुख स्रोत हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ हमेशा शरीर में सोडियम को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं। अगर आप भी अपने शरीर में सोडियम के स्तर को नियंत्रित करना चाहते हैं, तो आप अपने आहार में कुछ खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं।

नींबू का रस पिएं

नींबू में विटामिन-सी प्रचुर मात्रा में होता है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का काम करता है। इसके साथ ही नींबू का रस शरीर में सोडियम की मात्रा को नियंत्रित करने का काम करता है। अगर शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है तो आप नींबू का रस पी सकते हैं।

सेब का सेवन करें

अगर आप सोडियम को कंट्रोल करना चाहते हैं और स्वस्थ रहना चाहते हैं तो रोजाना एक सेब का सेवन कर सकते हैं। सेब पेक्टिन से भरपूर होते हैं। इसके अलावा इसमें कॉपर, मैग्नीशियम, आयरन, पोटैशियम, सेलेनियम, मैंगनीज, जिंक, फॉस्फोरस, कैल्शियम, सोडियम पाया जाता है। जो कई बीमारियों में फायदेमंद होता है। सेब में सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। सेब किडनी के लिए फायदेमंद होता है।

अंडे का सेवन करें

अंडा भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर प्रोटीन होते है। अंडे को इसी वजह से सुपरफूड भी कहा जाता है। इसमें सोडियम की मात्रा बहुत कम होती है। इसके लिए अंडे खाए जा सकते हैं। अंडे शरीर में सोडियम को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

सलाद में खीरे को करें शामिल

खीरे में भरपूर मात्रा में पानी होता है। इसमें 96 प्रतिशत पानी है। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। खीरे में सोडियम की मात्रा भी बहुत कम होती है। आधे खीरे में सिर्फ 3 ग्राम सोडियम होता है। इसलिए खीरा सोडियम कंट्रोल में उपयोगी माना जाता है। इसके अलावा दही में सोडियम की मात्रा भी काफी कम होती है। दही में नमक और चीनी मिलाकर खाने से परहेज करें। ज्यादा फायदे के लिए आप इसमें फल मिला सकते हैं।

111 करोड़ डॉलर के शेयर रिलीज करेगा अदाणी समूह, बयान जारी कर किया बड़ा एलान

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में अदाणी समूह के शेयरों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच समूह ने बड़ा एलान किया है। सोमवार को एक बयान जारी कर कंपनी ने कहा है कि वह अपनी लिस्टेड कंपनियों के 1114 मिलियन यूएस डॉलर (111 करोड़) के गिरवी पड़े शेयर सितंबर 2024 से पहले रिलीज करा लेगी। समूह की ओर से की गई घोषणा के अनुसार अदाणी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन के 168.27 मिलियन के शेयर जारी किए जाएंगे जो कि कंपनी में प्रमोटर्स की कुल होल्डिंग का 12 प्रतिशत है। वहीं अदाणी ग्रीन के 27.56 मिलियन के शेयर रिलीज किए जाएंगे यह प्रमोटर होल्डिंग का 3% है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि अदाणी समूह के प्रवर्तक सितंबर 2024 में परिपक्वता से पहले गिरवी रखे गए शेयरों को जारी करने के लिए 1,114 मिलियन डॉलर का प्री-पेमेंट करेंगे। अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड के 11.77 मिलियन शेयर जारी किए जाएंगे जो कि कंपनी में प्रमोटर होल्डिंग का 1.4% है। कंपनी ने अपने बयान में कहा है कि प्रमोटर्स की ओर से अपने ऋण भुगतानों के प्रति वित्तीय संस्थानों को आश्वस्त करने के लिए यह फैसला लिया गया है। बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च की अदाणी समूह के संबंध में एक रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है। समूह का मार्केट कैप घटकर लगभग आधा हो गया है। इस बीच समूह ने अपना एफपीओ भी वापस ले लिया है। रिपोर्ट में अदाणी समूह के खातों में गड़बड़ी का दावा किया गया था।

राहुल बोले- संसद में अडाणी पर चर्चा से सरकार डरी

लोकसभा-राज्यसभा स्थगित; अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 13 दिन में करीब 55% गिरे

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को लेकर संसद के दोनों सदनों में सोमवार को भी जमकर हंगामा हुआ। एक तरफ विपक्ष इस पर चर्चा कराने की मांग पर अड़ा रहा, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने देशभर में एलआईसी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ऑफिस के बाहर अडाणी ग्रुप के वित्तीय लेनदेन की जांच संसदीय पैनल (जेपीसी) या सुप्रीम कोर्ट की कमेटी से करवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सोमवार को हंगामे के बीच दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि सरकार अडाणी पर संसद में बहस नहीं चाहती। सरकार डरी हुई है। मोदीजी पूरी कोशिश करेंगे कि अडाणी पर संसद में बहस नहीं हो। मैं 2-3 साल से यह मुद्दा उठा रहा हूं। अडाणी के पीछे कौन सी शक्ति है। यह सामने आना चाहिए। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने नई याचिका दाखिल कर रिटायर्ड जज की अगुआई में अडाणी ग्रुप पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट की जांच कराने की मांग की गई है।

बाजार खुलते ही अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 5% गिरे

अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट पब्लिश होने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में भी लगातार गिरावट देखी जा रही है। रिपोर्ट 24 जनवरी को आने के बाद से अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर 13 दिन में करीब 55% टूट चुके हैं। कंपनी के शेयर्स में सोमवार सुबह 5% की गिरावट आई। हालांकि बाद में शेयर में रिकवरी दिखी और ये केवल 2% गिरकर 1,554 रुपए पर बंद हुआ। उधर, ब्रिटिश लेंडर स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने मार्जिन लोन पर कोलेटरल के रूप में अडाणी ग्रुप के बॉन्ड को लेना बंद कर दिया है। इससे पहले सिटीग्रुप और क्रेडिट सुइस बैंक भी ऐसा कर चुका है।

लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही कल तक स्थगित

लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने अडाणी मामले में चर्चा की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। दोनों सदनों के स्पीकर्स ने सांसदों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसके बाद जब दोनों सदनों में कार्यवाही शुरू हुई तो फिर हंगामा हुआ। इसके बाद कार्यवाही को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

विपक्षी पार्टियों का संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने धरना

कांग्रेस समेत 15 विपक्षी पार्टियों ने संसद परिसर में गांधी प्रतिमा के सामने धरना दिया। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार आम लोगों के पैसे का इस्तेमाल अपने दोस्तों की मदद के लिए कर रही है। विपक्ष की मांग है कि सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा होने दे।

टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला जारी, अब डेल 6 हजार से अधिक लोगों को नौकरी से निकालेगी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया की दिग्गज टेक कंपनियों में छंटनी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। अब डेल टेक्नोलॉजीज ने अपने 6000 से अधिक कर्मचारियों को को नौकरी से निकालने की घोषणा की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार डेल अपने वैश्विक वर्कफोर्स से 5 प्रतिशत हिस्सा घटाने की योजना बना रही है। अगर ऐसा होता है तो कंप्यूटर बनाने वाली कंपनी के करीब 6650 कर्मचारियों की नौकरी जाएगी।कंपनी के को-चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर जेफ क्लार्क ने अपने कर्मचारियों के साथ शेयर किए गए नोट में कहा कि बाजार चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कर रहा है। कंपनी में छंटनी बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा, हमने पहले भी आर्थिक मंदी का सामना किया है और मजबूत बनकर उभरे हैं। कंपनी ने 2020 में भी इसी तरह की छंटनी की घोषणा की थी, जब कोविड महामारी ने दस्तक दी थी। उद्योग विश्लेषक आईडीसी ने कहा कि प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि 2022 की चौथी तिमाही में पर्सनल कम्प्यूटर शिपमेंट में तेजी से गिरावट आई है। आईडीसी के अनुसार प्रमुख कंपनियों में डेल के शिपमेंट में 2021 की तुलना में 37 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

एयर विस्तारा पर डीजीसीए का एक्शन

नियम का पालन नहीं करना पडा भारी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। सिविल एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने एयर विस्तारा पर 70 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने देश के नॉर्थ ईस्ट रीजन के कम सेवा वाले एरियाज के लिए मैंडेटेड फ्लाइट्स के मिनिमम नंबर का संचालन नहीं करने के लिए एयर विस्तारा पर यह जुर्माना लगाया है। एयर विस्तारा पर जुर्माना पिछले साल अक्टूबर में अप्रैल 2022 में नियमों का पालन नहीं करने के लिए लगाया गया था। डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन पहले ही जुर्माना भर चुकी है। इस मामले पर विस्तारा के स्पोक्सपर्सन ने कहा, 'विस्तारा पिछले कई सालों से रूट

डिस्पर्सल गाइडलाइंस (आरडीजी) का पूरी तरह से पालन कर रही है। वास्तव में हम लगातार अलग-अलग कैटेगरीज में अपेक्षित एएसकेएम (अवेलेबल सीट किलोमीटर) से ज्यादा तैनात कर रहे हैं, जैसा कि आरडीजी रूल में निर्धारित किया गया है।' हालांकि, स्पोक्सपर्सन ने स्वीकार किया कि बागडोगरा एयरपोर्ट के बंद होने के कारण कुछ फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं थीं। जिससे अप्रैल 2022 में आवश्यक फ्लाइट्स की संख्या में केवल 0.01% की कमी आई थी। मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के प्रमुख प्रोग्राम रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम यूडीएएन(उड़े देश का आम नागरिक) के पांच साल पहले ही पूरे हो चुके हैं। पहली उड़ान अप्रैल 2017 में शुरू की गई थी। यह स्कीम अक्टूबर 2016 में आम नागरिक की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। जिसमें टियर II और टियर III शहरों में बेहतर एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर और एयर कनेक्टिविटी देना शामिल था।

साढ़े 57 हजार पर आया सोना, चांदी भी फिसलकर 68 हजार के नीचे

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी आज सोमवार को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, 6 फरवरी को सर्राफा बाजार में सोना 356 रुपए सस्ता होकर 57,432 रुपए पर आ गया है। इससे पहले बजट के बाद 2 फरवरी को सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था। तब सोना 58,689 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।

68 हजार के नीचे आई चांदी

अगर चांदी की बात करें तो इसमें आज बड़ी गिरावट देखने को मिली है। सर्राफा बाजार में ये 1,940 रुपए लुढ़ककर 67,599 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को ये 69,539 रुपए पर बंद हुई थी।

बजट में सोना-चांदी पर सीमा शुल्क बढ़ाया

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को बजट में सोने और इमिटेशन ज्वेलरी

पर सीमा शुल्क 20% से बढ़कर 25%, चांदी पर 7.5% से 15% करने का ऐलान किया था। इससे बजट के बाद सोने के दामों में तेजी आई थी। केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक इससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। अजय केडिया ने कहा कि 2023 में सोना 64,000 रुपए तक पहुंच सकता है।

मिस्ड कॉल देकर पता लगाएं सोने का रेट

आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा। इसमें आप लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

जनवरी में 14% बढ़ी गाड़ियों की बिक्री:मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा कारें बेचीं, टू-व्हीलर्स में हीरो मोटोकॉर्प टॉप पर

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने जनवरी 2023 में बिकने वाली गाड़ियों की रिपोर्ट जारी कर दी है। इसके मुताबिक भारतीय ऑटो मार्केट में पिछले महीने 14% की ग्रोथ के साथ 18 लाख 26 हजार 669 व्हीकल्स बिकीं, जबकि पिछले साल जनवरी में 16 लाख 08 हजार 505 व्हीकल बिके थे। पैसेंजर व्हीकल की बात करें तो मारुति सुजुकी ने सबसे ज्यादा 1.50 लाख कारें बेची हैं। वहीं टू-व्हीलर्स में हीरो मोटरकॉर्प 3.70 लाख गाड़ियों की बिक्री के साथ टॉप पर है। 3-व्हीलर सेगमेंट में बजाज ऑटो ने सबसे ज्यादा 24,564 गाड़ियां बेचीं हैं और कमर्शियल सेगमेंट में 31,847 गाड़ियों की बिक्री के साथ टाटा मोटर्स पहले नंबर पर है।

कोरोना महामारी से उबर रहा ऑटो सेक्टर

फाडा प्रेसीडेंट मनीष राज सिंघानियां ने बताया कि ओवरऑल व्हीकल्स की बिक्री में साल-दर-साल बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन कोरोना महामारी से पहले जनवरी 2020 की तुलना में कुल बिक्री अभी भी 8% कम है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जनवरी 2023 में जनवरी 2022 की तुलना में 10% टू-व्हीलर बिके हैं, लेकिन

जनवरी में 18.26 लाख गाड़ियां बिकीं

जनवरी 2020 की तुलना में 13% की गिरावट आई है। रिपोर्ट में बताया कि थ्री-व्हीलर्स सेगमेंट 60% ईयर टु ईयर ग्रोथ के साथ लगभग कोविड-पेंडामिक के लेवल पर वापस आ गया है, लेकिन अभी भी 3% की गिरावट है। पैसेंजर व्हीकल कैटेगरी ने भी 22% की जबरदस्त ग्रोथ दिखाई है। वहीं ट्रैक्टर और कमर्शियल व्हीकल्स की बिक्री 16% बढ़ी है।

एंट्री लेवल व्हीकल की मांग तेजी से बढ़ेगी

रिपोर्ट में बताया गया कि बजट 2023-24 में की गई घोषणाएं ऑटोमोबाइल सेक्टर को बूस्ट करेंगी। इनकम टैक्स में छूट बढ़ाने, व्हीकल स्कैप पॉलिसी के लिए बजट बढ़ाने और लिथियम आयन बैटरी को बनाने के लिए इम्पोर्ट ड्यूटी में छूट मिलने से देश में एंट्री लेवल व्हीकल की मांग तेजी से बढ़ेगी। इसके अलावा, इन्फ्रास्ट्रक्चर खर्च के लिए 10 लाख करोड़ रुपए का इन्वेसमेंट कमर्शियल व्हीकल की बिक्री में मदद करेगा है।

सेंसेक्स 334 अंक गिरकर 60,506 पर बंद

अडाणी पोर्ट्स में 8.63% की तेजी; एनडीटीवी, अंबुजा और एसीसी भी चढ़े; एंटरप्राइजेज 2% टूटा

मुंबई, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (6 फरवरी 22) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 334 अंकों की गिरावट के साथ 60,506 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 89 अंक गिरकर 17,764 पर आ गया है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 शेयरों में गिरावट रही। वहीं 9 शेयरों में तेजी देखने को मिली।

अडाणी एंटरप्राइजेज 2.05% टूटा

अडाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में गिरावट जारी है। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 13 दिन में करीब 55% टूट चुका है। वहीं आज अडाणी ट्रांसमिशन में 10.00% और अडाणी एंटरप्राइजेज में 2.05% की गिरावट आई है। इसके अलावा अडाणी ग्रीन, टोटल गैस, विल्मर और पावर में 5-5% की गिरावट रही।

अडाणी पोर्ट्स में 8.63% की तेजी

इस बीच अडाणी पोर्ट्स में 8.63% की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा अडाणी ग्रुप द्वारा हाल ही में खरीदी गई कंपनी एनडीटीवी में 2.42%, एसीसी में 1.97% और अंबुजा सीमेंट में 0.91% की तेजी आई। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद से अडाणी ग्रुप के शेयरों में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

डिविस लैब और जेएसडब्ल्यू स्टील टॉप लूजर

डिविस लैब, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को, टाटा स्टील, इंफोसिस, अडाणी एंटरप्राइजेज, कोटक बैंक समेत निफ्टी-50 के 34 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। वहीं अडाणी पोर्ट्स, इंडसइंड बैंक, बीपीसीएल, अपोलो हॉस्पिटल, हीरो मोटोकॉर्प, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड समेत निफ्टी के 16 शेयरों में तेजी रही।

मेटल सेक्टर में 2.20% की गिरावट

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 6 में गिरावट देखने को मिली। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.20% की गिरावट रही। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी गिरावट आई। वहीं एफएमसीजी, मीडिया, फार्मा, पीएसयू बैंक और रियल्टी सेक्टर में तेजी देखने को मिली।आज आएगा अडाणी ट्रांसमिशन का रिजल्ट आज टाटा स्टील और अडाणी ट्रांसमिशन अपने दिसंबर तिमाही के नतीजे जारी करेंगे। इनके अलावा एजीएस ट्रांजेक्ट, बालाजी अमीन, ईजी ट्रिप प्लानर, इंफीबीम एवेन्यू, जेके पेपर, कोल्टे-पाटिल डेवलपर्स, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, मुथहुट फाइनेंस, शंकरा बिल्डिंग प्रोडक्ट, एसजेवीएन, तेजस नेटवर्क्स, और वरुण बेवरेजेस के भी नतीजे आएंगे।

शुक्रवार को 900 अंक चढ़ा था बाजार

पिछले हफ्ते के पांचवें और आखिरी कारोबारी दिन, शुक्रवार को सेंसेक्स 909 अंकों की तेजी के साथ 60,841 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 243 अंकों की तेजी के साथ 17,854 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में लगातार पांचवें दिन यह तेजी देखने को मिली थी।

आयकर बचत: 10.5 लाख रुपये की है सालाना इनकम?

जानिए नई और पुरानी टैक्स व्यवस्था में से किसमें बचेगा ज्यादा पैसा

नई दिल्ली, 6 फरवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्स छूट की सीमा को 7 लाख रुपये सालाना इनकम तक कर दी है।

इसका मतलब है कि नई टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्सपेयर्स को 7 लाख रुपये के सालाना इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होगा, लेनिक अगर 7 लाख रुपये से ज्यादा साल की इनकम है तो आपको टैक्स चुकाना पड़ेगा।पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत कोई बदलाव नहीं किया गया है।ऐसे में ये समझना बेहद जरूरी है कि आपके लिए कौन सी टैक्स व्यवस्था ज्यादा सही है।आप एक उदाहरण से इसे समझ सकते हैं।अगर आपकी सालाना इनकम 10.5 लाख रुपये है तो आइए जानते हैं आपको नई और पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत कितना टैक्स चुकाना होगा।

10.5 लाख रुपये सालाना इनकम पर टैक्स

अगर आपकी सालना इनकम 10.5 लाख रुपये है तो आपको नई टैक्स व्यवस्था के तहत 60,000 रुपये का भुगतान करना होगा।न्यू टैक्स रिजिम के तहत आप टैक्स छूट के लिए क्लेम नहीं कर सकते हैं। हालांकि अगर आप पुरानी टैक्स व्यवस्था के तहत टैक्स भरते हैं तो आपको 2,62,500 रुपये तक की कटौती की आवश्यकता होगी।इसके बाद, ओल्ड टैक्स रिजिम के तहत 60 हजार रुपये टैक्स का भुगतान करना होगा।

10.5 लाख सालाना इनकम पर देना होगा जीरो टैक्स

साढ़े 10 लाख रुपये के सालाना इनकम पर पुराने टैक्स व्यवस्था के तहत शून्य टैक्स का भुगतान करना चाहते हैं तो आपको 5.5 लाख रुपये की कुल कटौती का दावा करना होगा।इसके लिए आप आयकर अधिनियम के तहत कई छूट प्रावधानों का लाभ उठा सकते हैं।

5.5 लाख रुपये की कटौती का दावा कैसे करें

10.5 लाख की इनकम पर स्टैंडर्ड डिडक्शन 50,000 रुपये होगा।आयकर की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये की कटौती की जा सकती है।अगर एनपीएस में निवेश किया है तो सेक्शन 80सीसीडी(1बी) के तहत 50,000 रुपये की कटौती की जा सकती है।हेल्थ इंश्योरेंस परिवार या अपने लिए लिया है तो सेक्शन 80डी के तहत 75 हजार रुपये तक की रकम बचा सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	05-01 बजे
चंद्र-	सिंह	में	कुंभ -	07-11 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	08-50 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	10-26 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-10 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-10 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	16-23 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	18-35 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-40 बजे
			तुला	22-47 बजे
			वृश्चिक.	00-57 बजे
			धनु.....	03-10 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- उत्तर • गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया- **04 -28** राततक उपरान्त तृतीया
मास • फाल्गुन कृष्ण पक्ष , मंगलवार **Feb 07**
नक्षत्र -मघा - **17 -44** तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - शोभन **-16 - 01** - तक उप अतिगण्ड
करण- तैतिल **-15 - 25** - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मकर मे बुध-**07-28** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:22 से 16:47 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:50 - 08:13	अशुभ	काल	18:10 - 19:47	अशुभ
उत्पात	08:13 - 09:39	अशुभ	लाभ	19:47 - 21:22	शुभ
चंचल	09:39 - 11:05	शुभ	उत्पात	21:22 - 22:56	अशुभ
लाभ	11:05 - 12:30	शुभ	शुभ.	22:56 - 00:30	शुभ
अमृत	12:30 - 13:56	शुभ	अमृत	00:30 - 02:04	शुभ
काल	13:56 - 15:22	अशुभ	चंचल.	02:04 - 03:39	शुभ
शुभ	15:22 - 16:47	शुभ	रोग.	03:39 - 05:13	अशुभ
रोग	16:47 - 18:13	अशुभ	काल	05:13 - 06:50	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (धू धे धो ला ली लू ले लो ञा): आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके । इससे पहले कि आप विकर्षित अनुभव करें ,आपको किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सलाह लेनी चाहिए ।

वृष (ई उ ए जो वा वी वू वे वो): आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

मिथुन (का की कू घ ड झ के को हा): आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अपने स्वयं के वित्त एवं धन का नियंत्रण लेना आप के लिए अब बहुत महत्वपूर्ण है और आप इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत से डरते नहीं हैं । आज आप बहुत संगठित और अनुशासित हैं और आप बहुत ही व्यावहारिक तरीके से अपने कार्य क्षेत्र और कैरियर के मुद्दों से निपटने के लिए तैयार हैं। आज आप अपने अच्छे काम शुरू करे ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बेठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योंकि आपको धोखा मिल सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ट पे पो): आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं।

तुला (स री रु रे से ता तू ते): कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

वृश्चिक (तो मा मी मू मे मो य यी यू): आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं |ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें |यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

धनु (ये यो भा भी मू धा फा ढा भे): आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

मकर (भे जे जी खी खू खो मा मी): आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अगर किसी के साथ इन दिनों आपके सम्बन्ध सही नही हैं तो आज उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं । उनकी भी बात ध्यानपूर्वक सुनें । सामने वाले को ना तो इतनी छूट दें की आपको रोंदकर आगे बढ़ जाए,ना ही बहुत रुखा व्यवहार करना ठीक होगा । ऑफिस में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात सम्भव है,सतर्क और सक्रिय रहें ।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो च ची): आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कासगंज में मरे चंदन का न चौक, न नौकरी

मां बोलीं- जिसके लिए मरा, वही भूली, पिता बोले- लोग मजाक उड़ाते हैं

कासगंज, 6 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'वो तो योगीजी और बीजेपी का भक्त था। 2017 में योगी जब मुख्यमंत्री बने, तो संतों का भंडारा किया था। उस दिन भी (26 जनवरी 2018) खीर बनाने के लिए दूध लाया था, खीर तो बनी, लेकिन वो खाने के लिए नहीं लौटा।' कासगंज दंगों में मारे गए चंदन गुप्ता की मां संगीता ये बताते हुए रोने लगती हैं। फिर कहती हैं- 'उसके नाम पर चौक बनाने का वादा था, बना भी। 5 साल से मूर्ति लगी है, ढकी हुई है। किसी नेता को फुर्सत नहीं कि उद्घाटन कर दें। उसकी मौत की बरसी पर हमें वहां दीया तक नहीं जलाने देते। बेटी को सरकारी नौकरी दी थी, 6 महीने बाद ही निकाल दिया। अब किसी को याद नहीं चंदन कौन था, किसके लिए मर गया?'

आखिर चंदन गुप्ता था कौन

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ा चंदन गुप्ता मोदी-योगी का कट्टर समर्थक था। 26 जनवरी 2018 की सुबह 9 बजे यूपी के कासगंज में विश्व हिंदू परिषद, एबवीपी और हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता करीब 100 मोटरसाइकिलों पर तिरंगा और भगवा झंडा लेकर निकले। चंदन गुप्ता भी इसी भीड़ में था। प्रशासन ने यात्रा निकालने की इजाजत नहीं दी थी, लेकिन ये लोग नहीं माने। छोटी-छोटी गलियों वाले कासगंज कोतवाली इलाके में घुस गए। ये लोग मुस्लिम आबादी वाले बड्डूनगर की एक गली से गुजरने की जिद करने लगे। वहां स्थानीय लोग पहले से गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम कर रहे थे। नारेबाजी शुरू हो गई, माहौल बिगड़ा और दोनों तरफ से पथराव शुरू हो गया। एक गोली चली, जो सीधे चंदन को लगी। उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वो बच नहीं पाया। मौत की खबर फैलते ही पूरे कासगंज में दंगे शुरू हो गए। 2 मुस्लिम युवक भी बुरी तरह घायल हुए।

चंदन की मौत के बाद कासगंज में तीन दिन तक हालात इतने खराब रहे कि प्रशासन को इंटरनेट बंद करना पड़ा। मुसलमानों की दुकानें जलाने की बातें भी सामने आई थीं। ये दंगे एक हफ्ते तक चले। चंदन की हत्या के मामले में सलीम, वसीम और नसीम आरोपी हैं। अब तीनों जमानत पर बाहर हैं। चंदन के परिवार से तीन वादे किए गए थे, जिनमें से सिर्फ मुआवजे का वादा पूरा हुआ है।

चंदन की मौत को 5 साल गुजर चुके हैं। कासगंज की गलियों को अब न कोई तिरंगा यात्रा याद है और न ही चंदन गुप्ता। हर 26 जनवरी पर प्रशासन अलर्ट जरूर रहता है, लेकिन बाकी सब नॉर्मल है। कासगंज में नदरई गेट मोहल्ले की शिवालय वाली गली में चंदन का घर है। 5 साल पहले यहां हजारों की भीड़ थी, नेताओं का आना-जाना था, लेकिन अब ये सुनसान है।

घर का वो कमरा, जहां 27 जनवरी को चंदन का शव रखा था, अब सरकारी गल्ले की दुकान में बदल गया है। ये दुकान चंदन के बड़े भाई की है। अस्पताल में काम करने वाले चंदन के पिता सुशील गुप्ता ने मुझे बाहर के कमरे में एक मिनट रुकने को कहा। अंदर जाने पर बरामदे में सोफे पर पूरा परिवार बैठा नजर आता है। चंदन के बड़े भाई के बच्चे बरामदे में खेल रहे हैं। मेरे कुछ पूछने से पहले ही चंदन के पिता बताने लगते हैं- 'वो तो उस दिन सुबह-सुबह दूध लेकर आया था। मां से बोला खीर बना देना, तिरंगा यात्रा के बाद दोस्तों के साथ लौटूंगा। फिर लौटा ही नहीं।'

ये कहते हुए उनकी आंखों में आंसू आ जाते हैं। खुद को संभालते हुए कहते हैं- 'चंदन तो महाराज जी (योगी आदित्यनाथ) का समर्थक था। मैं खुद 1984 से आरएसएस से जुड़ा हूं। इस सबके बावजूद मुआवजे के अलावा कोई वादा नहीं निभाया गया।'

सुशील गुप्ता उस दिन की कहानी सुना रहे थे, तो सामने तखत पर बैठी चंदन की मां संगीता उसकी फोटो दिखाते हुए रोने लगती हैं। वे खुद ही कहने लगती हैं- 'उस दिन दंगे होने की खबर जैसे ही मुझे मिली, मैंने सबसे पहले चंदन को ही फोन किया। मेरा जी घबरा रहा था, लग रहा था उसके साथ कुछ गलत हुआ है। सिर्फ एक बार घंटी बजी और उसने फोन उठा लिया। मैंने कहा कि लल्ला जल्दी आ जा। माहौल बिगड़ रहा है। पीछे से एक धमाके की आवाज आई, शायद गोली चली थी। फोन कट गया, उसकी आवाज आखिरी बार उसी दिन सुनी थी।'

संगीता फिर बोलती हैं- 'योगीजी सीएम बने तो संतों को खाना खिलाया, उन्हें नए कपड़े दिलाए थे। अब उसे याद करने वाला कोई नहीं। हम बहुत अपमानित महसूस करते हैं। ये घर कभी-कभी जेल जैसा लगता है। न तो चंदन चौक बनाया, न ही कोई सुनवाई हुई। जॉब की तो हम भूल ही गए।'

संगीता का दुख धीरे-धीरे गुस्से में बदल जाता है। वो बताती हैं- 'नेताओं से मिलने जाती रही कि शायद उनका मन पसीज जाए, लेकिन ऐसा-ऐसा सुनने को मिला कि सारी उम्मीदें ही खत्म हो गईं। इंसाफ मांगने सीएम के जनता दरबार तक भी गई थी। वहां अफसरों ने हमें बेइज्जत किया। किसी ने हमारी बात ही नहीं सुनी, हमें जाने के लिए कह दिया।' चंदन सबकी मदद करता था, अब हमारी मदद करने वाला कोई भी नहीं। समाज और सरकार दोनों चंदन को भूल चुके हैं। तीनों आरोपी भी जमानत पर बाहर आ चुके हैं। केस का ट्रायल तो शुरू हो गया है, लेकिन पता नहीं कब तक फैसला आएगा?'

चंदन के पिता सुशील बात आगे बढ़ाते हैं- 'बेटी को सरकारी नौकरी तो मिली थी, लेकिन 5 महीने बाद उस पद को ही खत्म कर दिया गया। चंदन के नाम पर चौक बनाने का ऐलान किया था। सब कुछ बन गया है, लेकिन 5 साल बीत जाने के बावजूद आज तक उसका उद्घाटन नहीं हो सका। हमें उसकी बरसी पर वहां दीपक तक नहीं जलाने देते हैं। हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है, जैसे हम वहां दीपक जलाकर कोई अपराध कर रहे हों। चंदन के बड़े भाई विवेक भी तब तिरंगा यात्रा में मौजूद थे। उनके सामने ही चंदन को गोली मारी गई। विवेक कहते हैं- 'जब चंदन को गोली लगी, मैं थोड़ा पीछे ही था। चंदन मेरे सामने ही जमीन पर गिरा। उसके केस की वजह से मुझे मार्केटिंग की जाब छोड़नी पड़ी। सभी कहते थे कि मुसलमानों से दुश्मनी हो गई है, अब इस तरह की जॉब नहीं कर पाओगे। मैंने नौकरी छोड़ दी। अब घर में सरकारी गल्ले की दुकान पर बैठता हूं।'

विवेक के पास ही चंदन की बड़ी बहन कीर्ति बैठी हैं। चंदन की मौत के बाद कीर्ति को ही लोकमित्र की सरकारी नौकरी मिली थी। वे कहती हैं- '5 साल में सिर्फ दर-दर की ठोकरें ही मिली हैं, लेकिन अब भी उम्मीद है कि भाई को इंसाफ मिलेगा।'

चंदन के पिता सुशील भर्राई आवाज से कहते हैं- 'सिर्फ 5 साल में लोग चंदन को भूल गए। वो लोग भी भूल गए, जिनका वह कट्टर समर्थक था। उनके काम के लिए वो न दिन देखता था न रात। यही लोग अब हमारी हालत देखकर हंसते हैं।' 'मैंने उस दिन भी चंदन से कहा था कि उन गलियों में मत जाना। काश, वह मेरी बात मान लेता। मैं अब भी बीजेपी का समर्थक हूं, परिवार भी है। इस बार भी उन्हें ही वोट दिया था, लेकिन भरोसा उठने लगा है। अब बस इतना चाहता हूं कि बेटे को न्याय मिल जाए।'

गुप्ता परिवार के वकील राजीव कपूर साहू बताते हैं कि कासगंज से ट्रांसफर होकर अब ये केस लखनऊ की स्पेशल कोर्ट में चल रहा है। इसमें तिरंगे के अपमान की धारा भी लगी है, इसलिए इस कोर्ट में मामला है। राजीव बताते हैं- 'केस ट्रायल पर आ चुका है। गवाही चल रही है। 18 मार्च की तारीख लगी है। इसमें जांच अधिकारी को पेश होना है। अभी केस में दो जिरह और बची हैं। इसके बाद बहस होगी और केस का अंतिम फैसला आ जाएगा।

कासगंज, जहां खुसरो का जन्म हुआ

मैं चंदन के परिवार से मिलकर लौट रहा हूं। यूपी के ब्रज इलाके का आखिरी जिला कासगंज है। इसके एक तरफ गंगा है और दूसरी तरफ यमुना बहती है। हिंदुओं-मुसलमानों के बीच यहां कभी तनाव नहीं रहा, आज भी नजर नहीं आया।

कासगंज में ही अमीर खुसरो का भी जन्म हुआ था। यहां के लोग इनको ही अपना पूर्वज मानते हैं, बातों-बातों में बार-बार ये जिक्र भी करते हैं। लौटते हुए मैं सोचता हूं कि चंदन या तीनों आरोपी सलीम, वसीम और नसीम को ये बात किसी ने नहीं बताई थी, या वो कौन लोग हैं, जिन्होंने उन्हें ये भूलने पर मजबूर किया।

पत्नी ने दूध में जहर मिलाया, बच्चों समेत पी लिया

एक बेटी की मौत, अब बोला- पछतावा हो रहा, ऐसा क्यों किया

भोपाल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। एक शख्स ने दिनभर पसीना बहाकर काम किया। इस उम्मीद से कि बच्चों के साथ हंसी-खुशी जिंदगी गुजारेगा, लेकिन जिसके यहां काम किया उसने रुपए नहीं दिए। मेहनतकश शख्स उससे रुपए मांगता है तो उसे तरह-तरह से धमकाया और परेशान किया गया। रात-बिरात आकर घर का दरवाजा खटखटाता और बीवी बच्चों के सामने जलील करता। कहता- इसे समझा लो वरना ठीक नहीं होगा। इससे मजदूर को रुपए नहीं मिलने से ज्यादा तकलीफ जलील करने से हुई। उसने पत्नी से बात की और परिवार सहित सुसाइड करने का फैसला कर लिया।

ये दर्दनाक कहानी भोपाल के शख्स की है। जिसने चार बच्चों और पत्नी के साथ जहर खा लिया। डॉक्टरों ने 5 लोगों को तो बचा लिया, लेकिन एक बेटी को नहीं बचा पाए। हाल में पांचों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। अब भी परिवार तनाव और गम के दौर में गुजर रहा है।

परिवार के मुखिया से बात की तो उन्होंने बताया कि स्वाभिमान को धक्का लगा, तो परिवार को खत्म करने की ठान ली। बेटी को खोने का पछतावा भी है। अब परिवार की क्या हालत है? किस स्थिति से गुजर रहा है?

सुसाइड का ख्याल कैसे आया और उस रात क्या हुआ?

मेरा नाम किशोर जाटव है। पेशे से ठेकेदार हूं। पत्नी, तीन बेटियों और एक बेटे के साथ पूरा परिवार हंसी-खुशी जिंदगी जी रहा था। करीब डेढ़ महीने पहले की बात होगी। गांव के तीन लोग (राहुल राजपूत, लक्ष्मण दुबे, जय अश्विनी) के मकान में सेंटरिंग समेत अन्य काम किया। कुछ पैसे उन्होंने दे दिए। जब बकाया देने की बारी आई, तो धमकाने लगे। फोन पर गाली-गालौज करने लगे। वे घर आकर बच्चों-पत्नी के सामने जलील करते। मुझे कुछ सूझ नहीं रहा था कि मैं क्या करूं। पत्नी बहुत दुःखी थी। हम गरीब लोग हैं। स्वाभिमान में ऐसा धक्का कभी नहीं लगा था। पत्नी से मैंने बात की। दोनों ने सुसाइड का फैसला लिया।

करीब 10 दिन पहले से मन में सुसाइड के विचार आने लगे। शुरुआत में दिन में दो-तीन बार यह विचार आते, लेकिन धीरे-धीरे यह हावी हो गया। दिनभर इसी के बारे में सोचता रहता था। कुछ काम करने की इच्छा नहीं होती थी। ऐसा लगता था कि अब इस दुनिया में मेरे लिए कुछ नहीं बचा। अब मर जाते हैं, लेकिन बच्चों को देखकर मन पलट जाता था। हर रोज की यही स्थिति रहती थी।

मुश्किलों से निकलने के लिए पत्नी से चर्चा करता। वह भी इतनी परेशान थी कि सुसाइड कर लेने जैसी बात कहने लगी। बच्चों को हम दोनों यह बात नहीं बताते थे। दोनों ने फैसला किया कि सुसाइड कर लेते हैं। हम बाजार से जहर खरीद लाए, लेकिन जब भी जहर खाने की सोचते, तो बच्चों के भविष्य को देखकर टाल देते।

9 जनवरी को हम दोनों ने ठान ही लिया कि आज जहर खा ही लेंगे। हमारे मरने के बाद बच्चे परेशान होंगे, ऐसे में उन्हें भी जहर खिलाने का हम दोनों ने तय किया। जब बच्चों को दूध में जहर पिलाया उस समय मेरे मन में कुछ सूझ नहीं रहा था। बस यही लग रहा था कि अब इस दुनिया से चले जाएं।

रात में पत्नी सीता जाटव (35), तीन बेटियों कंचन जाटव (15), अन्नू (10), पूरवा (8) और बेटे अभय (12) के साथ घर में हम लोग टीवी देखते रहे। इसके बाद पत्नी ने बच्चों को पिलाने के लिए दूध उबाला। इसी में जहर (कीटनाशक) डाल दिया। बच्चों को दूध के बहाने जहर पिला दिया। हमने भी दूध में मिलाकर जहर पी लिया। इसके बाद सभी बेहोश हो गए।

सुबह छह बजे मुझे होश आया। मैंने भांजे दीपक को फोन कर कहा- अलविदा। यह आखिरी बात है। इसके बाद फोन काट दिया। मैं वापस बेहोश हो गया। होश आया तो अस्पताल में मिला। इलाज के दौरान सबसे छोटी बेटी पूरवा की मौत हो गई। तब बहुत दुख हुआ। अब उसी के जाने का अफसोस है।

हमने ऐसा क्यों किया, अब भी कुछ समझ नहीं पाता। उस मंजर को यादकर सिहर जाता हूं। बच्चों को देखकर अब दुख होता है, इसलिए पत्नी को बच्चों के साथ मायके भेज दिया है, ताकि वह डिप्रेशन से दूर हो सके। ऐसा लगता है क्या हो गया? लेकिन, अब हिम्मत जुटा रहा हूं कि लड़कर ही न्याय मिलेगा। सुसाइड कोई ऑप्शन नहीं है।

हम लोग इतने चतुर-चालाक नहीं हैं कि प्रताड़ित करने वालों से बदला ले पाते। जिंदगीभर की मेहनत की कमाई से अब तक एक कमरे का घर बना पाए हैं। उसी में पूरा परिवार रहता है। हालांकि हमारे पास किसी का कर्ज नहीं है। थोड़ा-बहुत जो है, वह हम चुका देते, लेकिन हमें इतना प्रताड़ित, जलील किया गया कि सहन नहीं हुआ। ऐसा लगा कि मर जाना ही ठीक है। किसी से हमने मदद भी नहीं मांगी। मरना ही ठीक समझा। मुझे, मेरे परिवार को प्रताड़ित करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई नहीं की है, जबकि अस्पताल में मेरे बयान भी हुए। इसके साथ ही घर पर सुसाइड नोट भी छोड़ा था। उसमें भी प्रताड़ित करने वालों का जिक्र किया था। मेरी बेटी की जान इन्हीं लोगों की वजह से गई। मुझे इतना प्रताड़ित, जलील किया कि अब तक मैं उस तनाव से उबर नहीं पाया। प्रताड़ित करने वालों को सख्त सजा मिलनी चाहिए।

भोपाल की मनोचिकित्सक रूमा भट्टाचार्य बताती हैं- तनाव हर व्यक्ति को होता है। यह तनाव जब डिप्रेशन में बदल जाता है, तब व्यक्ति सुसाइड का मन बना लेता है। उसे कुछ समझ में नहीं आता। वह निराश, हताश दिखता है। उदास रहने लगता है। नकारात्मकता जब चरम सीमा पर पहुंच जाती है, तो उसे लगने लगता है कि अब जिंदगी से अच्छी मौत है। वह सोचते हैं कि जिंदगी जीने का कोई मतलब नहीं है, मर जाना बेहतर है और वह आत्महत्या का मन बना लेते हैं।

फैमिली के साथ सुसाइड करने वाले यह सोचकर जान देते हैं कि उनके मरने के बाद उनके परिवार को दुख होगा। पालन-पोषण कौन करेगा। ऐसी नकारात्मक सोच से वह एक साथ सुसाइड कर लेते हैं। इसका एक ही इलाज है कि अवसाद के लक्षणों को पहचान कर तुरंत काउंसिलिंग और ट्रीटमेंट कराएं।

किशोर के भांजे दीपक ने बताया कि मामा ने मुझे 6 बजकर 7 मिनट पर कॉल किया। बोले- आखिरी दुआ सलाम। मैंने पूछा बात बताइए क्या हुआ? बोले- मैंने बच्चों को पॉइजन दे दिया है। इसके बाद मैं सीधा अपने घर से निकलकर मामा के घर पहुंचा। सभी वहां पड़े थे। दो बच्चों के मुंह से फेन भी आ रहा था। 108 एम्बुलेंस को फोन किया और सीधा सभी को हमीदिया लेकर आया। मामा ने बताया था कि उनका काम तो चल रहा है, लेकिन पार्टियां उन्हें पेमेंट नहीं दे रही हैं। मैंने उनसे कहा भी कि पार्टी पेमेंट नहीं दे रही है, तो चलो उनसे जाकर बात कर लेते हैं, क्या दिक्कत है। इस पर बोले कि ठीक है मैं बता दूंगा।

एनसीआरबी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो रिपोर्ट में सुसाइड के मामलों में मध्यप्रदेश देश में महाराष्ट्र, तमिलनाडु के बाद तीसरे नंबर पर है। साल 2021 में प्रदेश में कुल 14, 965 लोगों ने खुदकुशी की है, यानी हर रोज 41 लोग जान दे रहे हैं। झकझोर देने वाला तथ्य यह है कि पिछले तीन साल में सामूहिक सुसाइड के 13 केस सामने आए हैं। इसमें 2019 में दो और 2020 व 2021 में एक-एक मामले सामने आए थे।

2022 में अप्रैल से अगस्त के बीच पांच महीने में 9 परिवारों ने सामूहिक सुसाइड कर लिया। पिछले डेढ़ साल में जान देने वाले 10 परिवारों की बात करें, तो इसमें भोपाल, इंदौर, ग्वालियर जैसे बड़े शहर से लेकर भिंड, रायसेन, टीकमगढ़, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, उज्जैन व खंडवा जैसे छोटे शहरों और गांव में रहने वाले परिवार तक शामिल हैं। अधिकतर केस में कॉमन ये है कि 7 परिवारों के सुसाइड की वजह आर्थिक तंगी और कर्ज बना और सभी एकल परिवार से थे।

इन पांच राज्यों में हुई आत्महत्याएं देश में सामने आए मामलों का 50.4% है, जबकि बाकी 49.6% मामले अन्य 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज किए गए। देश की आबादी में सबसे अधिक हिस्सेदारी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में देश में होने वाली आत्महत्याओं के 3.6% मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में आत्महत्या के मामले 2020 की तुलना में 13.5% बढ़े हैं। वहीं, तमिलनाडु में 11.5%, मध्यप्रदेश में 9.1% मामले, पश्चिम बंगाल में 8.2 फीसदी और कर्नाटक में आत्महत्या के मामले 8% बढ़े हैं।

टॉक थेरेपी को साइकोथेरेपी या कॉग्नटिव बिहेवेरियल थेरेपी (सीबीटी) भी कहते हैं। यह युवाओं में आत्महत्या के रिस्क को कम करके का सबसे असरदार इलाज है। इसमें पीड़ित से बात की जाती है, इस दौरान उसके नेगेटिव और पॉजिटिव फीलिंग्स को नोट किया जाता है। इसके बाद पीड़ित की काउंसलिंग करके, नेगेटिव फीलिंग्स को पॉजिटिव से रिप्लेस किया जाता है।

टॉक थेरेपी कारगर तो है, लेकिन उतनी नहीं कि यह पीड़ित को पूरी तरह से नॉर्मल कर दे। अगर किसी युवा में आत्महत्या का रिस्क बढ़ गया है, तो जाहिर है उसमें एंग्जाइटी और डिप्रेशन का स्तर बहुत ज्यादा हो चुका है। ऐसे मामलों में दवाइयां बहुत जरूरी हो जाती हैं।

ऐसे लोग जिनमें आत्महत्या का रिस्क ज्यादा है, उन्हें अपनी लाइफस्टाइल पर बहुत ध्यान देना चाहिए। कई स्टडी में यह बात सामने आई है कि लाइफस्टाइल किसी भी मेंटल डिसऑर्डर को ठीक करने में 50% तक कारगर है। भोपाल के बैरागढ़ कलां में सेंटिंग ठेकेदार ने बीवी-बच्चों समेत जहर पीकर जान देने की कोशिश की। ठेकेदार, बीवी, और चार बच्चों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी को एमआईटी वार्ड में रखा गया। इसमें बच्ची की मौत हो गई।

छत्तीसगढ़ में बनेगी ग्रामीण उद्योग नीति

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने की घोषणा गांवों में रोजगार पैदा करने पर रहेगा जोर

रायपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि के लिए नई उद्योग नीति की तर्ज पर जल्द ही ग्रामीण उद्योग नीति बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री सोमवार को अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पशुपालक ग्रामीणों, गोठानों से जुड़ी महिला समूहों और गोठान समितियों को लाभांश राशि के ऑनलाइन वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रय में उन्होंने 8 करोड़ 23 लाख रुपए की राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित सादे समारोह में भूपेश बघेल ने कहा, गोठान से जुड़े रूरल इंडस्ट्रियल पार्क अधिकतर जगहों पर काम करने लगे हैं। अब यह पूर्णरूप से कार्य करें उसके पहले हमें ग्रामीण उद्योग नीति बनाने की दिशा में कार्य करना होगा इसके लिए संबंधित विभाग जल्द प्रक्रिया पूर्ण करें। जिससे कि जब पूर्ण रूप से रूरल इंडस्ट्रियल पार्क कार्य करना प्रारंभ करेंगे तो इनसे जुड़े हितग्राहियों को बैंक से ऋण लेना तथा अन्य व्यवसाय शुरू करने में मदद मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि राज्य में अब तक 4 हजार 927 गोठान पूरी तरह स्वावलंबी हो चुके हैं।

अभी तक जो गोठान समूह दीया, वर्मी कम्पोस्ट इत्यादि बना रहे थे अब वे बिजली उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों बिजली उत्पादन के लिए जो एमओयू किए गए थे, उनमें बेमेतरा और बस्तर की यूनिट जमीनी स्तर पर मूर्त रूप ले चुकी है। अब इसे बनी बिजली को पावर ग्रिड से जोड़ने और इससे बनी बिजली की कीमत तय करने का काम भी जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा। इस मौके पर कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, सचिव डॉ. अयाज तंबोली, राज्य ग्रामीण आजीवीका मिशन के संचालक अवनीश शरण और कृषि विभाग की संचालक रानू साहू आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने पशुपालकों सहित गोठान से जुड़े महिला समूहों को बधाई दी। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि वे लगातार रिकॉर्ड बना रहे हैं। 8 करोड़ 23 लाख रुपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा 403 करोड़ 58 लाख रुपए हो जाएगा। इसी प्रकार गोबर विक्रेताओं को 4 करोड़ 76 करोड़ रूपए के भुगतान के बाद यह आंकड़ा 206 करोड़ 49 लाख रुपए हो जाएगा।

साहिबगंज डीसी और इरफान अंसारी से पूछताछ करेगी ईडी

रांची, 6 फरवरी (एजेंसियां)। एक हजार करोड़ रुपये के साहिबगंज में हुए अवैध खनन और विधायक कैश कांड मामले को लेकर आज विधायक इरफान अंसारी एवं साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव से ईडी पूछताछ करेगी। दोनों को समन भेजे जाने के बाद वे आज हिनू स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे चुके हैं। दोनों से अलग-अलग पूछताछ की जाएगी। सूत्रों की मानें तो दोनों से लंबी पूछताछ की जा सकती है। अवैध खनन मामले में पूछताछ के लिए साहिबगंज डीसी को 23 जनवरी को बुलाया गया था। उस दिन आठ घंटे से अधिक समय तक उनसे पूछताछ की गयी थी। जबकि 16 फरवरी को विधायक इरफान अंसारी को हाजिर होने को कहा गया था, पर वे हाजिर नहीं हुए थे। ईडी ऑफिस जाने से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मुझपर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं। मेरा कोई पुराना रिकॉर्ड भी इस तरह का नहीं रहा है। हमने सरकार बनायी है फिर उसे क्यों गिराऊंगा। उन्होंने कि जिन लोगों ने मुझपर आरोप लगाया है, उनसे कहूंगा कि नफरत छोड़ो और भारत जोड़ो पर हमलोग विश्वास करते हैं। उन्होंने कहा कि मैं ईडी के तमाम सवालों के जवाब दूंगा। पूरा सहयोग करूंगा। बीते 23 जनवरी को डीसी रामनिवास यादव से ईडी ने पूछताछ की थी। लगभग सात घंटे तक उनसे पूछताछ की गयी थी। पूछताछ के दौरान वह अपनी ही रिपोर्ट सहित अन्य तथ्यों को भूल गये थे।

विस्तृत जानकारी देने के लिए उन्होंने इडी से समय की मांग की थी। उनकी मांग को स्वीकार करते हुए ईडी ने उन्हें फिर से छह फरवरी को हाजिर होने को कहा था। वहीं कैश कांड मामले में पूछताछ के लिए डॉ इरफान अंसारी को बुलाया गया था, पर वे हाजिर नहीं हुए थे।

अडानी और केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

रांची, 6 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी राजधानी रांची के दो जगहों पर प्रदर्शन कर रही है। यह प्रदर्शन कचहरी स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के कार्यालय के सामने और हीनू स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) कार्यालय के सामने किया जा रहा है। यह प्रदर्शन अमेरिकी रिसर्च कंपनी 'हिंडनबर्ग' के रिपोर्ट के खुलासे के बाद हो रहा है। इस

रिपोर्ट के आने के बाद से कांग्रेस अडानी कंपनी को अपने निशाने पर रखी हुई है। दरअसल आज के प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस अडानी ग्रुप के बहाने मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है। इसी को लेकर कांग्रेस पार्टी आज सड़क पर नजर आ रही है। कांग्रेस की ओर से शहर के दो प्रमुख जगहों पर कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। यह प्रदर्शन कचहरी चौक स्थित एसबीआई कार्यालय और हीनू स्थित एलआईसी कार्यालय में हो रहा है। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी द्वारा इंदिरा पैलेस, हिनू में एलआईसी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर रही है। रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो इसका नेतृत्व कर रहे हैं। यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष गीता कोड़ा, बंधु तिर्की आदि शामिल होंगे। वहीं महानगर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष डॉ कुमार राजा की अगुवाई में कचहरी चौक स्थित एसबीआई में घेराव किया जा रहा है।

एफबीआई से घर की तलाशी क्यों करा रहे बाइडेन

सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स की वजह से ही फंसे ट्रम्प, 2024 चुनाव से पहले यूएस प्रेसिडेंट पर इमेज सुधारने का प्रेशर

वॉशिंगटन, 6 फरवरी (एजेंसियां)। हाल ही में अमेरिका के फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन यानी एफबीआई ने प्रेसिडेंट बाइडेन के डेलावेयर के घर की तलाशी ली। ये छानबीन क्लासिफाइड या सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स गायब होने के सिलसिले में की गई। इससे पहले भी एफबीआई ने बाइडेन के इसी घर की तलाशी ली थी। उस वक्त उनके गैरेज और लाइब्रेरी में कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स मिले थे।

यही नहीं, कुछ दिन पहले इसी टीम ने वॉशिंगटन में बाइडेन के एक पुराने ऑफिस की भी तलाशी ली थी। दरअसल, डेलावेयर में बाइडेन के दो घर हैं। एक विलमिंगटन और दूसरा रेहोबोथ में। 11 जनवरी को भी रेहोबोथ और विलमिंगटन में बाइडेन के घर पर छानबीन हुई थी। इस दौरान विलमिंगटन के घर से कुछ डॉक्यूमेंट्स मिले थे। हालांकि, रेहोबोथ में कुछ नहीं मिला था। इसके बाद 20 जनवरी को फिर तलाशी ली गई।

सर्च ऑपरेशन के बारे में बाइडेन के वकील ने कहा- हमने पहले भी उन्हें जांच करने को कहा था और ये भी एक प्लान्ड सर्च है। ऐसे में सवाल ये है कि बाइडेन क्यों खुद एफबीआई टीम को बुलाकर अपने घर और ऑफिस की जांच करवा रहे हैं? क्या बाइडेन इस मामले में फंस चुके हैं, या माजरा कुछ और ही है? हम यहां ऐसे ही कुछ सवालों को जवाब दे रहे हैं

नवंबर में पहली बार मिले ये दस्तावेज

व्हाइट हाउस के मुताबिक, बाइडेन के वकीलों को पहली बार मिडटर्म चुनाव से ठीक एक हफ्ते पहले, 2 नवंबर को उनके पेन-बाइडेन सेंटर में मौजूद ऑफिस में क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स होने के बारे में पता चला था। उसी दिन इसकी जानकारी नेशनल आर्काइव्स को दी गई। नेशनल आर्काइव्स ने 3 नवंबर को दस्तावेज जब्त किए और केस जस्टिस डिपार्टमेंट के हवाले कर दिया।

उस वक्त इससे जुड़ी कोई जानकारी पब्लिक नहीं की गई। जनवरी 2023 की शुरुआत में सीबीएस न्यूज ने पहली बार दुनिया को इस मामले की जानकारी दी। यहीं से बाइडेन के बुरे दिन शुरू हो गए। बाइडेन एडिमिनिस्ट्रेशन पर आरोप लगे कि उन्होंने जानबूझकर ये जानकारी छुपाई और ये अमेरिका की सिक्योरिटी और डिफेंस के लिहाज से खतरनाक है। मांग तो ये भी उठी कि बाइडेन खुद सामने आकर जुर्म कबूल करें और कुर्सी छोड़ें।

चुनाव के चलते बाइडेन ने जानकारी छुपाई

दस्तावेज मिलने के बाद से विपक्षी पार्टी रिपब्लिकन हमलावार हो गई। रिपब्लिकन नेता और हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने कहा- बाइडेन ने चुनाव के चलते ये जानकारी छुपाकर रखी। अब अमेरिकी इस सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते।

ट्रम्प से हो रही तुलना

जनवरी 2021 में व्हाइट हाउस छोड़ने पर ट्रम्प पर अपने फ्लोरिडा स्थित आलीशान घर मार-ए-लेगो में कई क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स ले जाने के आरोप लगे थे। ट्रम्प ने इन डॉक्यूमेंट्स को नेशनल आर्काइव्स को सौंपने से भी इनकार कर दिया था। एफबीआई इस मामले की भी जांच कर रही है। बाइडेन के घर-ऑफिस से दस्तावेज बरामद होने पर अमेरिकी मीडिया में उनकी तुलना ट्रम्प से होने लगी। वहीं रिपब्लिकन पार्टी ने इसे ट्रम्प के मामले से लोगों का ध्यान हटाने के तौर पर इस्तेमाल किया।

बाइडेन का अपनी ही पार्टी में विरोध

बाइडेन की खुद की पार्टी के नेता भी इसे 2024 के चुनावों के लिए खतरा मान रहे हैं। डेमोक्रेटिक सांसद रिचर्ड डरबिन और जो मैन्किन जैसे लोगों ने इसे बेइज्जती बताया। अब बाइडेन पर चुनाव (2024 के प्रेसिडेंशियल इलेक्शन) से पहले पार्टी और देश के सामने इमेज सुधारने का जबरदस्त प्रेशर है। वैसे भी बाइडेन की पॉपुलैरिटी का ग्राफ तेजी से गिरकर 32% पर पहुंच चुका है।

अमेरिकी कानून के मुताबिक- बाइडेन ने अपराध किया

जांच टीम को घर बुलाकर प्रेसिडेंट बाइडेन यह दिखाना चाहते हैं कि ट्रम्प के उलट उन्होंने कभी भी दस्तावेजों को 'जानबूझकर' अपने पास नहीं रखा। बाइडेन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी इस बात पर निर्भर है कि इसके पीछे उनके क्या इरादे थे। फेडरेल लॉ किसी को भी 'जानबूझकर' क्लासिफाइड डॉक्यूमेंट्स प्राईवेट प्लेस या घर पर रखने की मंजूरी नहीं देता। इसे क्राइम माना जाता है। हालांकि, बाइडेन एक आधार पर बच सकते हैं। उन्हें यह साबित करना होगा कि ये सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स उन्होंने 'जानबूझकर' अपने प्राईवेट होम यानी निजी घर पर नहीं रखे।

दस्तावेजों में क्या है?

सीएनएन के मुताबिक, पहली 10 फाइलों में यूक्रेन, ईरान और ब्रिटेन से जुड़ी खुफिया जानकारियां हैं। इसमें एक मेमो भी मौजूद है, जो बाइडेन ने वाइस-प्रेसिडेंट रहते हुए तब के प्रेसिडेंट बराक ओबामा को भेजा था। इसके अलावा कुछ अन्य मेमो में बाइडेन के ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के साथ ही उस वक्त यूरोपियन काउंसिल के प्रेसिडेंट डोनाल्ड टस्क के साथ फोन पर बातचीत की ब्रीफिंग है।

बाइडेन की जगह कौन हो सकता है चुनावी चेहरा

बीबीसी के मुताबिक, बाइडेन के बाद वाइस-प्रेसिडेंट कमला हैरिस डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से प्रेसिडेंट के लिए पहली पसंद हैं। कमला अमेरिका की पहली अश्वेत, पहली एशियन-अमेरिकन और पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं। वो पिछले साल बाइडेन की कोलोनोस्कोपी के दौरान 85 मिनट के लिए राष्ट्रपति भी रहीं थीं। उनके बाद इस पद के लिए पीट बटिगिग को उम्मीदवार के तौर पर देखा जा रहा है।

कर्जमाफी और ब्याज दरों में कोई राहत नहीं देता ड्रैगन

चीन की कड़ी शर्तों से मुसीबत में पाकिस्तान समेत कर्जदार 20 देश

इस्लामाबाद/लंदन, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की मुश्किलें बढ़ रही हैं। एक तरफ वह कड़ी शर्तों पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज के लिए सहमत हुआ है। दूसरी ओर, कारोबारी भी इन शर्तों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित टैक्स बढ़ोतरी के खिलाफ उतर आए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार इन्हें लागू न करे, वर्ना हड़ताल करेंगे। वैसे पाकिस्तान की असली परेशानी चीन का कर्जजाल है। पिछले दो दशक से पाकिस्तान समेत दूसरे देशों को चीन की मदद में इजाफा हुआ है। चीन से कर्ज लेने वाले ऐसे देशों की आर्थिक स्थिति खराब है। दिवालिया होने की कगार पर बैठे पाकिस्तान समेत 38 में से करीब 20 देशों को सबसे अधिक कर्ज चीन ने दिया है। विश्व बैंक के मुताबिक, 2017 में गरीब देशों पर जीडीपी के 11% के बराबर चीन का कर्ज था। यह आंकड़ा बढ़ रहा है।

कोरोना ने बढ़ाई मुश्किलें

कोविड 19 और बढ़ती ब्याज दरों ने मुश्किल बढ़ाई है। चीन के कर्जदाता बनने से पहले पश्चिमी देशों ने खराब कर्ज निपटाने के लिए एक ढांचा बनाया था। कर्जदाता देश मिलकर पुरानी शर्तों पर ही भुगतान का कार्यक्रम नए सिरे से तय करते थे। कर्ज माफी को प्राथमिकता दी गई थी। इस तरह पश्चिमी देशों से कर्ज लेने वाले देश बदतर हालात से बच जाते थे। पर चीन पुराने नियम लागू करने से मना कर रह रहा है।

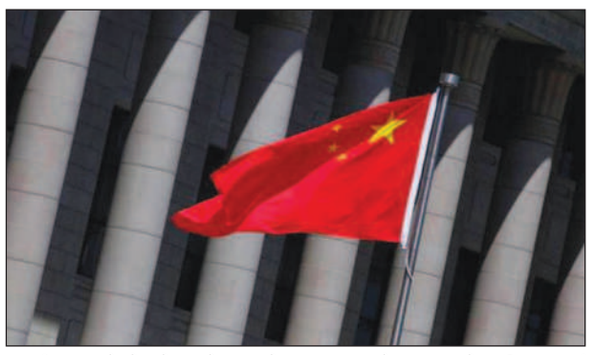

जी-20 देशों ने उसे अपने दायरे में लाने के लिए 2020 में नया ढांचा बनाया है, लेकिन चीन इस पर अमल नहीं कर रहा। महामारी के बाद ब्याज दर कम करने जैसी व्यवस्था बंद हो गई। चीन कर्ज माफी के लिए भी तैयार नहीं है। उसके कर्जजाल की बड़ी समस्या यह है कि चीन अकेले काम करता है। चीन दिवालियेपन को बढ़ावा देने की नीयत से अकेले बातचीत करता है।

2008 के बाद चीन ने 71 देशों के कर्ज की शर्तें बदली

विश्व बैंक के अनुसार 2008 के बाद चीन ने 71 देशों के कर्ज की शर्तें बदली हैं। पर उसने अपनी शर्तों पर ऐसा किया है। वहीं, पश्चिमी देशों के पेरिस क्लब ने 68 देशों के कर्ज रिस्ट्रक्चर किए हैं। चीन अक्सर वस्तुओं के रूप कर्ज की अदायगी स्वीकार करता है। कर्जदार को कर्ज लेकर बनाए गए बुनियादी ढांचे की आय में हिस्सा देना पड़ता है। पाकिस्तान पर 22.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर्ज है। आईएमएफ के मुताबिक इस कर्ज का 30 फीसदी हिस्सा चीन का है। उसने करीब 30 अरब डॉलर चीन से उधार लिए हैं। यह आईएमएफ के कुल कर्ज का तीन गुना है। वर्षों तक पाकिस्तान के मित्र देश उसे मुसीबत से बाहर निकालते रहे।

संकट के समय पैसा मिलता था इसलिए पाकिस्तानी राजनेताओं को ऐनवक्त पर चमत्कार होने की उम्मीद है, लेकिन इस बार चीन ने मदद नहीं दी है। पैकेज का सुझाव देने के बाद सऊदी अरब चुप बैठ गया है। अकेला आईएमएफ पाकिस्तान को संकट से नहीं उबार सकता है। पाकिस्तान के सस्टेनेबल डेवलपमेंट पॉलिसी इंस्टीट्यूट के मुताबिक चीन का कर्ज आर्थिक सहयोग एवं विकास परिषद (ओईसीडी) जैसे संगठनों की तुलना में 2 फीसदी तक महंगा होता है। कड़ी शर्तें लगने से कर्ज लेने वाले देश के लिए गले की फांस बन जाता है।

न्यूयॉर्क की 75% इमारतों में कुत्ते पाले जा रहे

इनके लिए सख्त नियम, अलग लिफ्ट-दरवाजे से निकालें, संख्या 6 लाख से भी ज्यादा

न्यूयॉर्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के कई शहरों में ऊंची रिहाइशी इमारतों में कुत्तों को पालने के लिए बेहद कड़े नियम बना दिए गए हैं। इनके लिए अब अलग लिफ्ट और दरवाजे होंगे। वे उन लिफ्ट से नहीं आ सकेंगे जहां से आम लोग आते-जाते हैं। उनके लिए सर्विस लिफ्ट का ही इस्तेमाल होगा। इन पालतू जानवरों को लॉबी में भी प्रवेश नहीं मिलेगा।

अगर नियमों का पालन नहीं किया गया तो मालिक पर जुर्माना भी होगा। दरअसल, नियम इसलिए सख्त किए गए हैं ताकि इमारतों में रहने वाले शख्स किसी अनजान हादसे का शिकार न हों। अकेले न्यूयॉर्क शहर में ऊंची इमारतों में 6 लाख से अधिक कुत्ते पाले जा रहे हैं।

कुत्तों से खतरे को देखते हुए बनाए गए नियम

महीनेभर पहले ही कोलंबिया के दक्षिण कैरोलिना में तीन पालतू कुत्तों ने लॉबी के बाहर साइकिल चला रहे 11 साल के जस्टिन गिलस्ट्रैप को इतना काटा कि उसके शरीर की 70 फीसदी चमड़ी ही निकाल दी। पुलिस ने कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया। जस्टिन की मां एरिका ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ स्थानीय कोर्ट में मुकदमा भी दर्ज करवाया है। मैनहट्टन के ट्रिबेका में 58 मंजिला इमारत बार्कले टॉवर में रहने वाले जेनो स्टेनर का कहना है कि वह अपने झब्बेदार बाल वाले कुत्ते शिह-पूग को केवल सर्विस एंट्रेंस से ही लेकर जा सकता है, जहां से सभी डॉग्स को उनके मालिक ले जाते हैं। पिछले तीन महीने से मैं अपने डॉग्स को लेकर लॉबी से निकल नहीं पाया हूं। मैंने एक-दो बार ऐसी कोशिश की थी लेकिन मेरे खिलाफ शिकायत दर्ज करा दी गई। न्यूयॉर्क के रियल एस्टेट एग्रेज़र्स एंड कंसल्टेंट्स के अध्यक्ष जोनाथन मिलर का कहना है कि शहर में लगभग 75 फीसदी इमारतों में पालतू जानवर हैं। इन जानवरों से सुरक्षा और नियम कायदे गढ़ना प्रशासन का काम है और हमें इन कायदों को मानना भी चाहिए।

विधानसभा उपचुनाव से पहले कार से छह लाख बरामद

रांची, 6 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के रामगढ जिले में रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव से पहले बीती रात एक कार से 'बिना लेखा-जोखा की' छह लाख रुपये नकदी बरामद की गई। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव के निर्वाचन पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन ने बताया कि शनिवार देर रात्रि रांची-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर चुटुपालू घाटी में जांच के दौरान एक कार से यह नकदी बरामद की गयी। यह कार रांची के लापुंग से रामगढ़ जा रही थी। उन्होंने बताया कि कार में बैठे लोग नकदी का कोई हिसाब- किताब नहीं दे सके, उन्होंने बस इतना दावा किया उनकी कुछ मशीनें खरीदने की योजना थी। उन्होंने कहा कि लिहाजा इस राशि को बरामद कर मामले की जांच की जा रही है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि रामगढ़ के उपायुक्त ने उपविकास आयुक्त नगेन्द्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मामले की जांच के लिए समिति का गठन किया है। उपचुनाव को देखते हुए रामगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग और राज्य मार्गों पर नकदी, हथियारों आदि की जांच के लिए आधा दर्जन नाके लगाये गए हैं।

जंग के बीच रक्षा मंत्री को बर्खास्त करेगा यूक्रेन

करप्शन स्कैंडल के चलते गंवानी पड़ी कुर्सी इंटेलिजेंस चीफ किर्लो बुदनोव को देंगे उनकी जगह

कीव, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जंग के बीच भ्रष्टाचार से जूझ रहे यूक्रेन ने अब अपने रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव को पद से हटाने का फैसला किया है। इनकी जगह अब यूक्रेन के मिलिट्री इंटेलिजेंस चीफ किर्लो बुदानोव लेंगे। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की पार्टी ने रविवार को इसकी घोषणा की।

जेलेंस्की की सर्वेंट ऑफ पीपल पार्टी के हेड डेविड अर्खामिया ने टेलीग्राम के जरिए ओलेक्सी को पद से हटाए जाने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि जंग के दौरान यूक्रेन का रक्षा मंत्रालय किसी नेता की बजाय किसी ऐसे व्यक्ति के हाथ होना चाहिए जिसके पास फौज का अनुभव हो।

दूसरे मंत्रालय में भेजे जाएंगे ओलेक्सी रेजनिकोव

ओलेक्सी रेजनिकोव जंग शुरु होने के 3 महीने पहले नवंबर 2021 में ही यूक्रेन के रक्षा मंत्री बने थे। जेलेंस्की की पार्टी के हेड डेविड अर्खामिया ने बताया कि ओलेक्सी रेजनिकोव को अब कोई दूसरा मंत्रालय सौंपा जाएगा।

हालांकि जब रेजनिकोव से इसके बारे में पूछा गया तो उन्हें साफ कह दिया कि वो किसी भी दूसरे मंत्रालय को स्वीकार नहीं करेंगे। रक्षा मंत्रालय से हटाए जाने की घोषणा होने से पहले उन्होंने कहा था कि कोई भी हो हमेशा पद पर नहीं रहता है। मैं वहीं करूंगा जो जेलेंस्की मुझे कहेंगे।

क्या है रक्षा मंत्रालय में भ्रष्टाचार का मामला

24 जनवरी को यूक्रेन के डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर याचेस्लाव शापोवालोव को भ्रष्टाचार से जुड़े एक स्कैंडल में फंसने के बाद इस्तीफा देना पड़ा था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसी स्कैंडल के चलते अब ओलेक्सी रेजनिकोव को भी हटाया जा रहा है। हालांकि, ओलेक्सी पर सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा है। वहीं माना जा रहा है कि जंग के बीच रक्षा मंत्रालय में हुए स्कैंडल से दुनिया भर में यूक्रेन की छवि बिगड़ी है। जिसका खामियाजा ओलेक्सी को भुगतना पड़ा। दरअसल, यूक्रेन के एक अखबार में 21 जनवरी को छपी रिपोर्ट में बताया गया था कि डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर के निर्देश पर मंत्रालय ने खाने के सामान का कॉन्ट्रेक्ट तीन गुना ज्यादा महंगे दाम पर साइन किया था। द कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक एक अंडा जो कीव की दुकानों में 15 रुपए में मिलता है उसे 37 रुपए के भाव से खरीदा गया था। अंडे के साथ-साथ कुछ और भी खाने के सामानों को महंगे दामों पर खरीदा गया था।

बांग्लादेश में फिर हिंदू मंदिरों पर हमले

14 मंदिरों में 27 हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों को तोड़ा गया, कुछ को तालाब में फेंका

ढ़ाका, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में रविवार के दिन 14 हिंदू मंदिरों पर हमला कर 27 मूर्तियों को तोड़ दिया गया। घटना बलियाडांगी उपजिला के ठाकुरगांव में हुई। सूचना मिलते ही डिप्टी कमिशनर महबुबुर रहमान और एसपी मोहम्मद जहांगीर हुसैन घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि 9 मूर्तियां सिंदूरपिंडी, 4 कॉलेजपारा और 14 मूर्तियां शहबाजपुर नाथपारा इलाके में टूटी हुई मिली हैं। पिछले 5 महीनों में यह दूसरा ऐसा मामला है जब पड़ोसी देश में इस तरह से अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के पूजास्थल पर हमला हुआ हो।

सिर, पैर और हाथ तोड़कर तालाब में फेंकी मूर्तियां

उपजिला निरभाई के अधिकारी बिपुल कुमार ने बताया- कुछ मंदिर बिल्कुल सड़क के किनारे थे, जिनकी हालत हमले के बाद से बहुत खराब हो चुकी है। घटना शनिवार रात और रविवार सुबह के बीच हुई है। बिपुल कुमार ने कहा कि हमने इलाके में रहने वाले हिंदूओं से न डरने को कहा है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर दिए गए हैं। अभी हालात कंट्रोल में हैं। उधर उपजिला पूजा उत्सव परिषद के जनरल सेक्रेटरी ने बताया कि उपद्रवियों ने मूर्तियों के हाथ, पैर और सिर तोड़ दिए। जबकि कुछ को तोड़कर पास के तालाब में फेंक दिया। उन्होंने अधिकारियों से मांग की है कि इस मामले की जांच गहराई से हो और आरोपियों को जल्द पकड़ा जाए।

इस पूरी घटना पर ठाकुरगांव के सुपरीटेंडेंट मोहम्मद जहांगीर हुसैन ने कहा कि हम घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर रहे हैं। जांच के बाद सच सामने आएगा। वहीं मंदिरों पर हुए हमले के बाद से लोगों में डर बन गया है। सिंदूरपिंडी इलाके में रहने वाले काशीनाथ सिंह ने ढाका ट्रिब्यून को बताया कि हमले से पूरे इलाके में डर का माहौल बना हुआ है। आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाना चाहिए। बांग्लादेश में पिछले 5 महीनों में ये हिन्दू मंदिरों पर हुआ दूसरा हमला है। 7 अक्टूबर 2022 को कट्टरपंथियों ने काली मंदिर में घुसकर मूर्तियां तोड़ डालीं थी। ये मंदिर ब्रिटिश काल के समय का था। घटना झेनैदाह जिले के दौतिया गांव में हुई थी। आरोपियों ने मूर्ति का सिर मंदिर परिसर से लगभग आधा किलोमीटर दूर सड़क पर फेंक दिया और फरार हो गए थे। 2011 की जनगणना के मुताबिक, 16.5 करोड़ की आबादी वाले बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 8.5% है, जबकि 90% से ज्यादा मुस्लिम आबादी है। बांग्लादेश में मुस्लिम और हिंदू दोनों मुख्यतः बंगाली हैं, यानी भाषा और सांस्कृतिक रूप से उनमें समानता है, लेकिन धर्म की वजह से उनकी दूरियों का कट्टरपंथी फायदा उठाते हैं।

बांग्लादेश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 1980 के दशक में बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 13.5% थी। वहीं, 1947 में जब भारत, पाकिस्तान की आजादी के साथ बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान बना था, तो उस समय वहां हिंदुओं की आबादी करीब 30% थी। करीब चार दशकों में बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 13.5% से घटकर 8.5% रह गई। बांग्लादेशी सरकार के 2011 के जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक, एक दशक में हिंदुओं की संख्या में कम से कम 10 लाख की कमी आई।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ढाका यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री और प्रोफेसर अब्दुल बरकत ने अपनी स्टडी में पाया कि पिछले कुछ सालों में सुरक्षा और आर्थिक वजहों से हर दिन करीब 750 हिंदू बांग्लादेश से पलायन कर रहे हैं।

केरिपु के नाम 5 विश्व कीर्तिमान बनाने में दिया डीआईजी सुनील कुमार ने अप्रतिम योगदान

लखनऊ, 6 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य सेक्टर मुख्यालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस, गोमतीनगर लखनऊ में पदस्थ श्री सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक ने पूरे विश्व में केरिपु बल इतिहास में अपने समर्पण एवं निःस्वार्थ सहयोग से एक अद्वितीय मील का पत्थर स्थापित करते हुए न सिर्फ अपने शहर व प्रदेश बल्कि पूरे देश का नाम विश्व में रौशन कर दिया है। श्री कुमार के अनुसार जवान देश के नाम अपना सर्वस्व परिवार, सुख-चैन आदि सब कुछ न्योछावर कर देता है, लेकिन जवान के लिए ये समाज उतना नहीं सोचता।

इसी को ध्यान में रखकर उन्होंने जवानों के सर्वतोन्मुखी विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय काउंसलर डॉ. गौरव सक्सेना को जवानों के हितार्थ काउंसलिंग हेतु आमंत्रित किया। डॉ. गौरव सक्सेना एवं श्री कुमार के सम्यक प्रयास से उत्तर प्रदेश राज्य में अवस्थित केरिपु बल के संस्थानों/यूनिटों के वरिष्ठ अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय काउन्सिलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में अधिकारीगण, जवान एवं उनके परिवारजनों ने शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य, नैतिकता, परिवारिक सामंजस्य, कार्य क्षेत्र के तनाव को नियंत्रित करने के तरीके, कैरियर, नशे की लत, नकारात्मकता पर रोक आदि विषयों को पूर्ण वैज्ञानिक, वैदिक एवं सामाजिक आधारों पर पूर्ण उदाहरण के साथ समझाकर लोगों को समस्त परेशानियों / तनाव से निजात दिलाने का प्रयास किया।

गौरतलब है कि डॉ गौरव सक्सेना से श्री कुमार की प्रथम मुलाकात दिनांक 21 जून 2022 को ग्रुप केन्द्र केरिपु बल बिजनौर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर हुई, जहां पर वे मुख्य प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित किये गये थे। वहीं पर श्री कुमार ने उनके अन्दर की ओजस्वी प्रतिभा एवं ज्ञान को भांप लिया था। डॉ गौरव सक्सेना उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड के 89 जे.एन.वी. के ब्राण्ड अम्बेसडर होने के साथ-साथ अपने नाम पर एक विश्वकीर्तिमान बना चुके हैं, 231 मानद उपाधियों से सम्मानित तथा विश्व के 55 देशों मे काउन्सलिंग कर चुके व्यक्ति हैं। वहां से दोनों के रिश्तों में प्रगाढ़ता आ गई। श्री कुमार के नेतृत्व में श्री सक्सेना एवं उत्तर प्रदेश राज्य के सीआरपीएफ संस्थानों के बीच सम्पर्क स्थापित कर इस विशाल कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। मन में जवानों की सेवा का भाव लेकर किये गये इस कार्य में डॉ सक्सेना का ज्ञान एवं श्री कुमार के कुशल नेतृत्व में 05 विश्वकीर्तिमान केरिपु बल के नाम हुए जो निम्न हैं-

श्री कुमार बहुत पहले से इस विषय पर मंथन कर रहे थे कि जवानों को उनके शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक सामंजस्य, तनाव, नशे आदि की लत को दूर करने या उस पर लगाम लगाने के लिए सम्बंधित विषयों पर मोटिवेशनल एवं उपयोगी कार्यशाला का बृहत स्तर पर आयोजन किसी योग्य एवं ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ के सहयोग से आयोजित करवाया जाए ताकि तनाव के कारण जो जवान आत्महत्या या अपने साथी जवान भाइयों की हत्या कर देते हैं उन पर अंकुश लगाया जा सके। श्री कुमार कम्पनी कमाण्डर रैंक से जवानों के हितों /कल्याण से जुड़े मामलों पर संजीदगी से कार्य करते आ रहे हैं। श्री कुमार के लगातार प्रोत्साहन की वजह से बल के अधिकारियों एवं जवानों ने काउंसलिंग सत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और सत्र को सफल बनाया।

पटना निवासी श्री सुनील जी को उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए उन्हें वर्ल्ड रिकार्ड अप्रीसिएशन सर्टिफिकेट से नवाजा गया जो इनके साथ साथ पूरे सीआरपीएफ के लिए बड़े गर्व का विषय है।

एसएमएस में रोबोट करेगा कैंसर जैसी बीमारियों का फ्री इलाज

25-25 करोड़ की दो मशीनें खरीदीं, हाथ से होने वाली सर्जरी से तेज रिकवरी

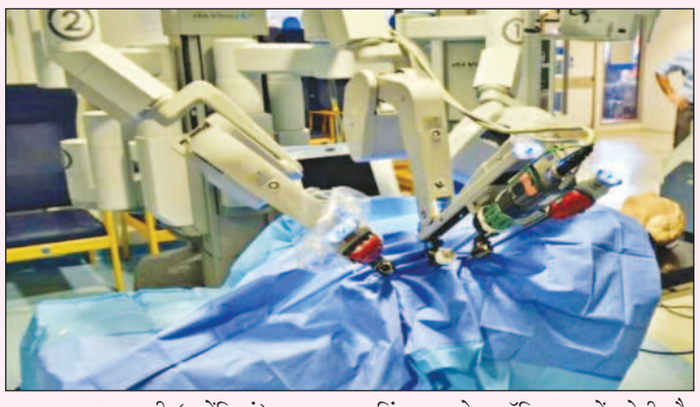

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। जयपुर का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल एसएमएस (सवाई मानसिंह हॉस्पिटल) अब हाईटेक होने जा रहा है। यहां रोबोट के जरिए सर्जरी की शुरुआत होगी। इससे कैंसर और हर्निया की सर्जरी भी चिरंजीवी योजना के तहत फ्री में की जा सकेगी। इसके लिए 25-25 करोड़ रुपए की दो रोबोट मशीनें अगले एक-दो सप्ताह में आ जाएंगी। राजस्थान में सरकारी अस्पताल में ऐसी सुविधा पहली बार मिलने जा रही है।

दोनों मशीनें एसएमएस हॉस्पिटल के यूरोलॉजी और जनरल सर्जरी विभाग में रहेंगी। वहीं, इस मशीन को खरीदने पर सवाल भी उठने लगे हैं। आरोप लगे हैं कि जिस टेंडर प्रक्रिया के जरिए ये मशीनें खरीदी गईं। उसमें शर्तें ही ऐसी रखी गईं, जिसे एक ही कंपनी पूरी कर रही थी। राजस्थान में अभी रोबोटिक सर्जरी कुछ चुनिंदा प्राइवेट हॉस्पिटल में होती है। इसके अलावा दिल्ली, गुड़गांव, मुंबई सहित कई दूसरे शहरों में भी रोबोट से सर्जरी होती है। रोबोटिक सर्जरी अधिकांश तौर पर छोटे ऑपरेशन के लिए उपयोग की जा रही है। ये कैंसर, यूरोलॉजिकल-प्रोस्टेट और जनरल सर्जरी के लिए बेहतर तरीका माना जा रहा है।

मरीज को दर्द कम और खून भी ज्यादा नहीं बहता

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में जनरल सर्जरी के प्रोफेसर डॉ. जीवन कांकरिया ने बताया- रोबोटिक सर्जरी डे-केयर सर्जरी के लिए सबसे अच्छी तकनीक है। इस मशीन के जरिए मरीज के शरीर में बहुत ही छोटे-छोटे छेद करके बड़ी से बड़ी सर्जरी कर दी जाती है। इससे मरीज को दर्द कम होता है। ब्लड भी कम बहता है। इसके साथ ही वह सामान्य हाथ या दूरबीन से की जाने वाली सर्जरी की तुलना में जल्दी रिकवर होता है।

एक महीने आ जाएगी मशीन, तीन सप्ताह चलेगी ट्रेनिंग

जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बताया- अगले एक सप्ताह के अंदर मशीन के जयपुर में आने की उम्मीद है। उसके बाद उसे इंस्टॉल करने में करीब एक सप्ताह का समय लगेगा। इसके बाद डॉक्टरों को सिमुलेटर पर इस मशीन से सर्जरी करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। इस ट्रेनिंग में करीब 3 सप्ताह का समय लग सकता है।

अप्रैल से मरीजों की सर्जरी शुरू होने की संभावना

डॉ. बगरहट्टा ने बताया- मशीन इंस्टॉल करने और डॉक्टरों की ट्रेनिंग देने के बाद डॉक्टरों को प्रैक्टिकल के लिए देश के दूसरे राज्यों के हॉस्पिटल में भेजा जा सकता है। उन्हें वहां मशीन कैसे ऑपरेट होती हैं। उसका लाइव सेशन देखने को मिलेगा। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद हम उम्मीद करते हैं कि अप्रैल के मिड से मरीजों की रोबोटिक सर्जरी का काम शुरू हो जाएगा।

फ्री मिल सकेगा इलाज

डॉ. बगरहट्टा ने बताया- वर्तमान में जो लेपोस्क्रेपी सर्जरी की रेट्स चिरंजीवी योजना के तहत हैं। वही रेट्स हम रोबोटिक सर्जरी के लिए रखेंगे। इसके जरिए बीमारियों को चिरंजीवी से कवर कर फ्री इलाज मिल सके।

कैंसर ट्यूमर, कोलोरेक्टल बेरिएट्रिक समेत कई सर्जरी में होगी उपयोगी

डॉ. जीवन कांकरिया ने बताया कि कैंसर ट्यूमर, कोलोरेक्टल सर्जरी, बेरिएट्रिक सर्जरी, हर्निया, एक्लेजिया कार्डिया समेत अन्य सर्जरी में इसका उपयोग अच्छा होगा। ये सर्जरी रोबोटिक सर्जरी आने के बाद काफी आसान हो जाएगी। इन सर्जरी को न केवल आसानी से बल्कि कम समय में भी किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अगर डॉक्टर इस सर्जरी को करने में एक्सपर्ट हो जाते हैं तो इसके रिजल्ट लेपोस्क्रेपी सर्जरी और सामान्य हाथ से की जाने वाली सर्जरी से भी ज्यादा अच्छे होते हैं।

मशीन के रखरखाव के लिए क्या-क्या जरूरी

इस मशीन को सामान्य ऑपरेशन थिएटर में रखा जाएगा। इसे धूल मिट्टी से बचाया जाएगा। इसको इंस्टॉल करने के बाद 2 साल तक का रखरखाव कंपनी करेगी। 2 साल बाद एसएमएस मेडिकल कॉलेज हर साल मशीन के रखरखाव और उसके इक्यूपमेंट के लिए कंपनी को 1.78 करोड़ रुपए देगा। जो अगले कुछ सालों में बढ़कर 2.25 करोड़ रुपए तक देने होंगे।

कंप्यूटर से पूरी तरह होता है कंट्रोल

विशेषज्ञों के मुताबिक सर्जरी करने वाले रोबोट (मशीन) एक कम्प्यूटर से कनेक्ट होती है, जिसे एक सर्जन चलाता है। इस सिस्टम के जरिए टारगेट अंग पर सर्जरी के लिए रोबोट को कमांड दी जाती है। इस रोबोट में लगे हाई क्वालिटी कैमरों से विजिबिलिटी और सटीकता काफी बेहतर हो जाती है। रोगी के शरीर में डाले गए इस विशेष कैमरे के जरिए ऑपरेटिव क्षेत्र का एक 3D इमेज भी तैयार किया जाता है। ताकि इसे अच्छे से देकर उस अंग (जिसकी सर्जरी करनी है) के आसपास की नाजुक टिश्यू को कोई डैमेज न हो।

इंडियन कंपनियां दे रही हैं 15 से 18 करोड़ रुपए में

एसएमएस के ही डॉक्टरों की मानें तो इस तरह की रोबोटिक सर्जरी की मशीनें इंडिया में कई कंपनियां बना रही हैं। जो 15 से 18 करोड़ रुपए में उपलब्ध करवा रही हैं। आज भारत के ही कई बड़े हॉस्पिटल्स में इंडियन कंपनी की बनाई रोबोट मशीन से सर्जरी हो रही है। ऐसे में डॉक्टरों का कहना है कि अगर ओपन टेंडर किए जाते तो शायद ज्यादा बेहतर होता। इससे इंडियन कंपनियां भाग लेती और ऐसी ही तकनीक की सस्ती मशीन उपलब्ध हो जाती। इसके अलावा उनका रखरखाव भी सस्ता होता, जबकि विदेशी कंपनी की रोबोटिक मशीन लगने के बाद हर साल 2 करोड़ रुपए तो रखरखाव पर खर्च करने पड़ेंगे।

प्राइवेट अस्पतालों में इमरजेंसी का खर्च सरकार उठाएगी

हेल्थ मिनिस्टर बोले-सरकार अलग से फंड देगी; राइट टू हेल्थ बिल में जुड़ेगा

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में अब प्राइवेट हॉस्पिटल की इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के इलाज का खर्च सरकार उठाएगी। सरकार इसके लिए अलग से फंड बनाने पर विचार कर रही है। राइट टू हेल्थ बिल पर डॉक्टर्स और प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों के विरोध को देखते हुए सरकार ने इमरजेंसी इलाज के लिए अलग से फंड बनाने का फैसला किया है।

हेल्थ मिनिस्टर परसादी लाल मीणा ने कहा- राइट टू हेल्थ बिल के जिस प्रावधान को लेकर डॉक्टर और प्राइवेट हॉस्पिटल संचालक विरोध कर रहे हैं। उसका भी समाधान निकाल दिया है। इमरजेंसी में अगर कोई मरीज आता है तो उसके इलाज का खर्च भी सरकार उठा लेगी। इसके लिए हम अलग से फंड देंगे। दरअसल, राइट टू हेल्थ बिल पर प्राइवेट हॉस्पिटल संचालकों का सबसे बड़ा विरोध इलाज के खर्च को लेकर ही था। हॉस्पिटल संचालकों का कहना है कि इमरजेंसी में आने वाले एक्सीडेंट केस में मरीज का इलाज करने का प्रावधान तो बिल में है, लेकिन इस इलाज पर होने वाले खर्च को कौन उठाएगा। यह तय नहीं है।

बिल में ये भी प्रावधान है कि एक्सीडेंट के अलावा इमरजेंसी में कोई अन्य मरीज भी इलाज के लिए अस्पताल में आता है। उसे पैसे के अभाव में डॉक्टर या हॉस्पिटल इलाज देने से मना नहीं कर सकता। रुपए देने का दबाव नहीं डाल सकते। भुगतान नहीं होने की स्थिति में शव नहीं रोक सकते। इसी को लेकर प्राइवेट हॉस्पिटल संचालक विरोध कर रहे थे। उनका कहना है कि राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी प्राइवेट हॉस्पिटल पर डालना चाहती है। 50 फीसदी से ज्यादा मरीज प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के लिए आते हैं। इस बिल का विरोध कर रहे डॉक्टरों के सुझाव को सुनने के लिए विधानसभा की प्रवर समिति 11 फरवरी को एक बैठक करेगी।

हिस्ट्रीशीटर पर फायरिंग करने वाले दो गिरफ्तार

सुपारी देने वाले मुख्य आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

जोधपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। शहर में हिस्ट्रीशीटर राकेश मांजू पर पांच दिन पहले वीतरांग सिटी फायरिंग करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों ने मुख्य आरोपी विक्रम नांदिया के इशारे पर राकेश मांजू पर गोलियां दागी थीं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को भोपालगढ़ के पास से पकड़ा है। दोनों को नांदिया ने सुपारी दी थी। पूछताछ में हमलावरों ने खुलासा किया कि दो महीने से कर रहे थे रेकी। पुलिस अब फायरिंग के मुख्य विक्रम नांदिया सहित अन्य की तलाश में जुटी है।

डीसीपी पश्चिम गौरव यादव ने बताया कि डालीबाई मंदिर के पास स्थित वीतरांग सिटी में बालेसर के भाटेलाई पुरोहितान राकेश मांजू पर गोली चलाने वाले दो आरोपी दयालराम पुत्र सुजाराम जाट और रघुवीर सिंह पुत्र विजय सिंह राजपूत निवासी भोपालगढ़ बागोरिया को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने हिस्ट्रीशीटर विक्रम नांदिया के कहने पर ही गोली चलाई है।

पड़ताल में पता चला कि फायरिंग के बाद दोनों ने विक्रम से बात की थी। गोली चलवाने में भी मुख्य आरोपी विक्रम नांदिया ही है, उसने इन दयालराम और रघुवीर सिंह को रुपये देकर गोली मारने के लिए हायर किया था। पुलिस घटना के बाद से ही आरोपियों की तलाश में जुटी है। इसमें छह थानों की पुलिस, दो एडिशनल अधिकारी व अन्य अधिकारियों की दस टीमें आरोपियों को पकड़ने में जुटी हैं।

गोली चार लोगों ने मिलकर चलाई

बोरानाडा थानाधिकारी किशनलाल के अनुसार गोली चलाने में चार लोग शामिल थे, जिनमें मौके पर मौजूद बजरंग सिंह, दयालराम, रघुवीर सिंह एवं एक धन सिंह नाम का शख्स है। रघुवीर सिंह एवं दयालराम के खिलाफ सिरोही में लूट एवं मारपीट में साल 2020 में केस दर्ज हो रखा है।

पूरा प्लान करने वाला बजरंज

अब तक की जांच में सामने आया कि पूरे मामले में प्लान करने वाला बजरंग सिंह था। जोकि घटनास्थल पर था और गोली भी चलाई थी। थानाधिकारी किशनलाल के अनुसार कार को पुलिस ने पहले ही बालरवा के पास के जब्त कर लिया था। बोरानाडा थानाधिकारी किशनलाल एवं झंवर थानाधिकारी परमेश्वरी ने मिलकर भोपालगढ़ के बागोरिया गांव में आस पास सख्ती रखते हुए घेराबंदी कर बाद में वहां से उक्त दो मुल्जिमानों को दस्यताब कर गिरफ्तार कर लिया है।

बैंक में नकली सोना देकर लिया 2 करोड़ का लोन

8 गोल्ड लोन खातों में फर्जीवाड़ा, वैल्युअर की भूमिका सवालों के घेरे में

अजमेर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अजमेर के बैंक ऑफ इंडिया में गोल्ड लोन के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां नकली सोना गिरवी रखकर कई लोगों ने करीब 2 करोड़ रुपए का लोन ले लिया गया। घटना अजय नगर स्थित ब्रांच की है। आखिर बैंक की जांच में सोना नकली निकला। इसके बाद बैंक में रखे हर गहने की जांच की गई। इस दौरान अलग-अलग लोगों से मिला करीब 2 करोड़ का सोना नकली निकला है।

घटना का पता चलते ही बैंक मैनेजमेंट ने गोल्ड की जांच कर कीमत बताने वाले को हटा दिया। फिर अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी है। अब तक पुलिस में भी मामला दर्ज नहीं करवाया गया है। बैंक मैनेजर का कहना है कि अपने स्तर पर जांच चल रही है। इसके बाद ही मामला दर्ज करवाया जाएगा। बैंक के मुताबिक कस्टमर लोन लेने के लिए गोल्ड लेकर आता है। उस गोल्ड की बैंक की ओर से नियुक्त गोल्ड वैल्यूअर कीमत तय करता है। इसके बाद वह बैंक को बताता है कि इस गोल्ड की कीमत कितनी है। इसके बाद बैंक गोल्ड की कीमत का 75 प्रतिशत तक लोन दे देता है। बैंक की अब तक की जांच में सामने आया है कि करीब

ऐसा फ्रॉड रिकवरी भी नहीं कर पा रहा बैंक

आठ कस्टमर को दो करोड़ से ज्यादा का लोन दिया गया। यह लोन कस्टमर को सोना गिरवी रखकर दिया। गोल्ड वैल्यूअर ने नकली सोने को भी असली बताकर कीमत का आंकलन कर दिया। बैंक ने उसी के मुताबिक लोन दे दिया।

इसके बाद हर साल उसका नवीनीकरण कर दिया गया। ऐसे में इसकी पोल नहीं खुली। हाल ही में रेंडम जांच में गोल्ड नकली पाया गया तो बैंक हरकत में आया। इसके बाद अपने स्तर पर लोन क्लीयर करवाने और रिकवरी करने के भी प्रयास किए, लेकिन सफल नहीं हुए। ऐसे में सभी कस्टमर को बुलाकर उनकी मौजूदगी में अब जांच अन्य गोल्ड वैल्यूवर से करवाई जा रही है। अब तक करीब आठ लोगों के गोल्ड के नकली होने की बात सामने आई है।

परिचित व मिलने वालों पर खेला दांव

बैंक मैनेजमेंट के अनुसार गोल्ड वैल्यूअर ने अपने परिचित व मिलने वालों को ही नकली सोने के बदले रुपए दिला दिए। फिर रुपए प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट कर दिए। कोरोना काल में प्रॉपर्टी के भाव गिर गए और ऐसे में पैसा अटक गया। किस्तें तो देता रहा कि, लेकिन लोन क्लीयर नहीं हुए।

गोल्ड वैल्यूवर को हटाया

मामला सामने आने के बाद बैंक प्रबंधन ने गोल्ड वैल्यूअर महादेव ज्वेलर्स के प्रोपराइटर घनश्याम को हटा दिया। इसकी नियुक्ति करीब चार साल से है। अब उसकी जगह नए गोल्ड वैल्यूअर नया बाजार निवासी कमल सोनी को लगाया है।

200 कस्टमर, अब तक 150 की जांच पूरी

बैंक ऑफ इंडिया में गोल्ड से लोन लेने वाले करीब 200 कस्टमर हैं। मामला सामने आने के बाद बैंक मैनेजमेंट ग्राहकों को बुलाकर उनकी मौजूदगी में नए गोल्ड वैल्यूअर से गोल्ड की जांच करवा रहा है। बताया जाता है कि करीब डेढ़ सौ कस्टमर के गोल्ड की जांच की जा चुकी है। इसमें पूरी तरह से फर्जीवाड़ा होने की बात पुष्ट हो गई है।

बेटे को पेट से बांधकर नहर में कूदी मां, मौत

कूदने से पहले मोबाइल किया फॉर्मेट, पति को बोली- वापस नहीं आऊंगी

बीकानेर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। बीकानेर में छह दिन से लापता मां-बेटे की लाश नहर में मिली है। सोमवार सुबह दोनों की लाश को पानी से निकाला गया। इस दौरान मां ने बेटे को चुन्नी के साथ पेट पर बांध रखा था। संभवता मां ने बेटे को पेट पर बांधकर ही नहर में छलांग लगा दी। इससे दोनों की मौत हो गई। दोनों का शव एसडीआरएफ के जवानों ने बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। अब सवाल खड़ा हो गया है कि ऐसा क्या हुआ कि मां ने खुद के साथ बेटे को भी दर्दनाक मौत दे दी। छत्तरगढ़ थानाधिकारी जयकुमार भादू ने बताया- पिछले दिनों अनीता (30) अपने डेढ़ साल के बेटे साहिल के साथ छतरगढ़ के पांच जीएम राणेर से रवाना हुई थी। उसे रावला के बारह केएनडी अपने ससुराल पहुंचना था। शाम तक नहीं पहुंची। ससुराल व पीहरवालों ने ढूंढना शुरू किया। इस दौरान उसका मोबाइल और बैग इंदिरा गांधी नहर के पास मिला। पुलिस और एसडीआरएफ के जवान तब से नहर में तलाश कर रहे थे। छलांग लगाने के कारण मां-बेटे दोनों काफी नीचे चले गए। जो नीचे ही फंस गए। मौत होने पर दोनों तैरते हुए काफी दूर निकल गए। छह दिन बाद उनका शव फूल गया।

हवा की बजाय बच्चों के सामने चलाई गोली

शादी के जश्न में एक बच्चे समेत 2 की मौत; एक के बाद एक चार फायर किए

अलवर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। अलवर में शादी(लग्न) के जश्न में हुई फायरिंग ने दो लोगों की जान ले ली। एक के बाद एक चली 4 गोलियां 4 लोगों को लगी। मरने वालों में एक 8 साल का बच्चा और एक महिला है। बच्चा दूल्हा का भतीजा है। सूचना मिलने पर देर रात 12 बजे अलवर एसपी तेजस्वी गौतम भी मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि इस मामले में दो आरोपियों को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। कठूमर(अलवर) सीओ अशोक चौहान ने बताया कि खेड़ली थाना क्षेत्र के समूची गांव में रविवार को किसान राजवीर सिंह राजपूत के बेटे देवेंद्र सिंह का लग्न टीका का कार्यक्रम था।

गांव में सभी रिश्तेदार आए हुए थे। जश्न और खुशी के माहौल में रात करीब 8 बजे लग्न में शामिल परिवार के दो लोगों ने हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। एक के बाद एक हुए फायर में गोली कालवारी खेड़ली निवासी धाकड़ (8) पुत्र उदय सिंह और सालवाड़ी खेड़ली निवासी दिनेश (33) पत्नी हरवीर को जा लगी। इस दौरान इनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, सालबाड़ी निवासी हंसी (30) पत्नी अशीष राजपूत और खोह निवासी प्राची (10) पुत्री सोहन सिंह के गोली लगने से घायल हो गए।

वसुंधरा राजे ने की स्कूटी की सवारी

गांव में दौरे के बीच मिलीं लड़कियां बोलीं-आपने ही दी थी

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में चुनावी साल शुरू होने के साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ग्राउंड पर सक्रिय हो गई हैं। मेवाड़-वागड़ दौरे के दूसरे दिन सोमवार को राजे ने डूंगरपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस दौरान करीब 12 बजे चितरी गांव में राजे स्कूटी सवार कुछ लड़कियों से मिलीं। लड़कियों ने कहा- यह स्कूटी पूर्व बीजेपी सरकार में आपने ही दी थी। इसके बाद राजे एक लड़की की स्कूटी पर बैठकर मुख्य मार्ग तक गईं। वहां से वो उदयपुर के लिए रवाना हो गईं।

डेढ़ घंटे तक पूजा-अर्चना

इससे पहले रविवार को राजे अपने तीन दिवसीय प्रवास पर उदयपुर पहुंची थीं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया था। इसके बाद राजे अपने समर्थकों के साथ सड़क मार्ग से डूंगरपुर के लिए रवाना हुई थीं। यहां बेणेश्वर मेले में शामिल होने के बाद डेढ़ किलोमीटर तक पैदल चल राधा-कृष्ण मंदिर पहुंची थीं। उन्होंने महंत अच्युतानंद महाराज का आशीर्वाद लिया और करीब डेढ़ घंटे तक पूजा-अर्चना की थी। मेले में हुई सभा में राजे ने कहा था- मुझे लगता है कि अब भी बहुत कुछ करना है। महाराज के आशीर्वाद से हम सब को यह विश्वास है। आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों मावजी महाराज के आशीर्वाद से यह काम होने वाला है। बस आप लोग अपना आशीर्वाद बनाए रखो। मेले में आदिवासी महिला के आग्रह पर राजे ने तीर-कमान भी चलाया। उन्होंने कहा कि कोई लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपने तीन दिवसीय दौरे के तहत 7 फरवरी तक डूंगरपुर, उदयपुर, बांसवाड़ा जिलों में रहेंगी।

रविवार को राजे उदयपुर और डूंगरपुर दौरे पर रहीं। सोमवार को डूंगरपुर के सागवाड़ा से उदयपुर के लिए रवाना हो गई थीं। उदयपुर में सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हुईं। उदयपुर में ही रात्रि विश्राम करेंगी। मंगलवार शाम राजे जयपुर पहुंचेंगी। इससे पहले 3 फरवरी को वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा था कि कभी-कभी लोग मजाक करते हैं। वो मेरे से कहते हैं कि ये वसुंधरा राजे हमेशा भगवान के भरोसे है। मैं तो कहती हूं- हां, मैं भगवान भरोसे हूं।

डंपर की टक्कर से कार सवार तीन की मौत

गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस पर बरसाए पत्थर, पांच वाहन फूंके

भीलवाड़ा, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे 148डी पर स्थित धौड़ व नाथूण गांव के बीच रविवार को देर रात डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर घायलों को भीलवाड़ा रेकर किया गया। हादसे से गुस्साए ग्रामीणों ने घटनास्थल पर पांच वाहनों को फूंक दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी पथराव होने की सूचना है। पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे।

सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत की खबर फैलते ही आसपास गांव की ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची तो आक्रोशित लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया, जिससे जहाजपुर थाने की गाड़ी के कांच टूट गए। गुस्साए लोगों ने नेशनल हाईवे 148 डी दुर्घटना के आसपास रुकी हुई पांच गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक हंसराज बैरवा, थानाधिकारी दुलीचंद गुर्जर टीम के साथ के मौके पर पहुंचे।

श्री खाटू श्यामजी मंदिर के पट 85 दिन बाद खुले

एक लाख श्रद्धालुओं की होगी एंट्री

जयपुर, 6 फरवरी (एजेंसियां)। खाटू नरेश के मंदिर में एक बार फिर से श्रद्धा का ज्वार उमड़ेगा। इसके लिए मंदिर में व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। दर्शन के लिए ऑनलाइन बुकिंग की जाएगी। पहले से बुकिंग कराने वाले भक्तों को ही मंदिर में प्रवेश मिलेगा। 85 दिन बाद भक्त सोमवार को श्री श्याम बाबा के दर्शन कर सकेंगे। पिछले साल हुए हादसे और भगदड़ के बाद मंदिर परिसर को बंद कर दिया गया था। यहां दर्शन के लिए विशेष लाइन व्यवस्था, ज़िग जैग रेलिंग समेत निर्माण और विकास कार्य करवाए गए हैं। ताकि दर्शन के दौरान भीड़ कंट्रोलिंग हो सकें और अनुशासन की व्यवस्था के साथ दर्शन हो सकें।

श्री खाटू श्याम जी के भक्त भर में हैं। देश-विदेश से आने वाले बाबा के भक्तों की भीड़ को देखते हुए ही मंदिर परिसर में जगह बढ़ाई गई है। 13 नवंबर 2022 से बाबा के भक्तों के लिए

मंदिर बंद कर निर्माण का काम शुरू किया गया था, जो अब पूरा हो चुका है। मंदिर परिसर के साथ ही बाहरी क्षेत्र को भी बढ़ाया गया है। जिसके बाद भक्त 16 कतारों में बाबा के दर्शन कर सकेंगे। मंदिर परिसर में 1 लाख से भी ज्यादा भक्त आ सकेंगे। श्याम बाबा के दर पर पहुंचने वाले हर भक्त को अब दर्शन के लिए 4 मिनट का समय मिलेगा ।

85 दिनों बाद दर्शन की खुशी, फाल्गुन में लगता है मेला

श्री खाटू श्याम जी मंदिर में ज्यादा से ज्यादा भक्तों के आने की जगह बनाने के साथ ही रास्तों का भी चौड़ा किया गया है। 85 दिन खाटू श्याम जी का मंदिर भक्तों के लिए खुलने जा रहा है, इसलिए भक्तों में जबरदस्त खुशी का माहौल है। बाबा श्याम के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन बुकिंग भी शुरू करा दी है।

फागुन के महीने में बड़ा मेला खाटूश्यामजी में लगता है। लोग बड़ी संख्या में निशान लेकर पदयात्रा भी करते हैं। होली से पहले मंदिर खुलने से श्याम भक्तों में भक्ति रस की बयार बह निकली है। मंदिर के आसपास की धर्मशालाओं और होटल्स में प्री बुकिंग शुरू हो चुकी है। भजन मंडलियों की भी बुकिंग तेज़ हो गई है। ग्यारस पर भी मंदिर में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

राजस्थानी प्रगति समाज प्रतिनिधियों ने की सीपी से मुलाकात

तेलंगाना मादिगा परिरक्षणा समिति की टिप्पणी के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस आयुक्त सीवी आनंद से भेंटकर तेलंगाना मादिगा परिरक्षणा समिति की टिप्पणी कि उत्तर भारतीय राजस्थानी मारवाड़ी समाज गो बैक के खिलाफ ज्ञापन सौंपा। पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया। इसमें राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री गोविन्द राठी, वरिष्ठ सदस्य डॉ. आरएम साबू, सुरेन्द्र लूणिया, नन्दगोपाल भट्टड़, गौतमचंद जैन एवं सुमित राठी शामिल रहे। ज्ञापन में जानकारी देते हुए बताया कि तेलंगाना राज्य में राजस्थानी मारवाड़ी समुदाय इस राज्य में अपनी मेहनत से अपना व्यवसाय, नौकरी और अन्य उद्योग कर रहा है। साथ ही इस राज्य के लोगों को काम देने के साथ ही उन्हें पार्टनरशिप में भी अपने साथ रखा है। यह समाज हमेशा यहां के क्षेत्रीय लोगों के साथ मिलकर काम करता रहा है। कभी किसी प्रकार का किसी जाति विशेष से भेदभाव नहीं किया है। दान धर्म, परोपकार, कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण, गरीबों का अस्पतालों में इलाज व वहां के निर्माण कार्य व आवश्यकता पड़ने पर अन्य सेवाएं भी करता आ रहा है। भोजनदान, गरीब बस्तियों में चिकित्सा शिविर, समय-समय पर रक्तदान, गर्मियों में राहगीरों के लिए शीतल जल शाला, छांछ वितरण, जरूरतमंद छात्रों को शिक्षा सहायता, आदि सेवाएं हमेशा उपलब्ध करवाती रहती है। देश हो या राज्य, दोनों ही इस समाज के लिए यह समाज अपनी जाति से ऊपर मानता हैं। चाहे गौशाला हो, अस्पताल हो, धर्मशाला हो, मंदिर हो, या जब भी इस राज्य पर प्राकृतिक आपदा आई हो, या फिर कोरोना कॉल जैसी विपरीत परिस्थिति आई हो, ऐसे विकट समय में इस समाज ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर बहुत बड़ा योगदान दिया है और भविष्य में हमेशा देता रहेगा। ज्ञात हो कि आज लेलंगाना राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों व शहरों में सौ से अधिक स्कूल और अस्पताल तथा एकल विद्यालय के माध्यम से 3600 से अधिक स्कूल और संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर राजस्थानी मारवाड़ी समुदाय का सहयोग और योगदान है। तेलंगाना राज्य में जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आई है तो राजस्थानी मारवाड़ी समाज के भाई सबसे पहले वहां गए हैं और पीड़ित लोगों को अपनी आवश्यक सेवाएं प्रदान की है। सरकारी अस्पतालों में पड़े लावारिस शवों का दाह संस्कार, अनेक महिला वृद्धाश्रमों का संचालन, बालक-बालिकाओं के अनाथालय, श्मशान घाट, प्रांत की विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक, धार्मिक गतिविधियों में सहयोग एवं उपस्थिति हमारी पहचान बनी हुई है। ज्ञापन में संस्था के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने बताया कि राजस्थानी मारवाड़ी समाज के लोग न तो किसी भाषा क्षेत्र या जाति-धर्म-पड़पंच में रहते हैं और न ही ऐसे किसी कार्य में भाग लेते हैं। इसलिए समस्त उत्तर भारतीय राजस्थानी मारवाड़ी समाज सरकार व पुलिस प्रशासन से इस विषय पर अपील करता है कि इस तरह के बयानों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

जन्मशती समारोह पर याद किए गए लिमये और दंडवते

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के द्वारा बीते रविवार को आबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में प्रख्यात समाजवादी चिंतक व राजनेता प्रो. मधु दंडवते और मधु लिमये की जन्मशती समारोह आयोजित की गई। कार्यक्रम में राष्ट्र सेवा दल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुरेश खैरनार, वरिष्ठ समाजवादी नेता अरुण श्रीवास्तव, पूर्व एमएलसी यादव रेड्डी और डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने मुख्य रूप से अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. लोहिया के उत्तर-पूर्व में नागरिक आजादी पर केंद्रित लघु फिल्म उर्वशीयम की स्क्रीनिंग से हुई।

स्वागत भाषण लोहिया विचार मंच, हैदराबाद के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश टी. गोपाल सिंह ने दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लोहिया विचार मंच समय-समय पर अपने समाजवादी पुरखों की स्मृति में परिसंवाद एवं संगोष्ठी का आयोजन करता है, ताकि देश की युवा पीढ़ी लोहिया सहित उनके समकालीन सोशलिस्ट नेताओं के राजनीतिक योगदानों से परिचित हो सकें। श्री सिंह ने मधु लिमये के साथ अपने

संस्मरण को याद करते हुए कहा कि मन, कर्म और वचन के पक्के ऐसे राजनेता मौजूदा समय में नहीं है। डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने हैदराबाद को समाजवादियों की कर्मभूमि बताया। उनके मुताबिक, समाजवादी राजनीति आज हाशिए पर है और इसके लिए कोई और नहीं, बल्कि समाजवादी नेता जिम्मेदार हैं। देश की नई पीढ़ियों से वर्तमान समय के समाजवादी दल पूरी तरह अलग-थलग पड़ चुके हैं। यही वजह है कि छात्र-नौजवानों का इनसे मोहभंग हो चुका है। अभिषेक रंजन ने बताया कि नाउम्मीदी के इस दौर में भी थोड़ी-बहुत संभावनाएं बची हैं, क्योंकि जिस प्रकार मिट्टी में कोई बीज वर्षों से दबा रहता है और अनुकूल वातावरण मिलने पर उसके अंकुर फूटते हैं।

वरिष्ठ समाजवादी नेता अरुण श्रीवास्तव ने कहा कि प्रो. मधु दंडवते सदैव शुचिता की राजनीति की। यह साल उनका जन्मशती वर्ष है, लिहाजा देश भर में उनकी स्मृति में पचास से अधिक कार्यक्रम किए जाएंगे और उनपर केंद्रित एक स्मारिका भी प्रकाशित की जाएगी।

राष्ट्रसेवा दल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुरेश खैरनार ने मधु लिमये और प्रो. मधु दंडवते को याद करते हुए कहा कि आज देश की मौजूदा स्थिति पर वे दोनों राजनेता खामोश नहीं बैठते, लेकिन आज कहीं से भी प्रतिरोध के स्वर प्रभावी नहीं हो रहे। समाजवादी नेता और पूर्व एमएलसी यादव रेड्डी ने कहा कि वर्तमान समय देश की जो स्थिति है, उस पर विपक्षी एकता बेहद जरूरी है। यह कोई प्रयोग नहीं, बल्कि समय की मांग है। तभी देश और संविधान बचेगा। जन्मशती समारोह में सोशलिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की नेता सुभद्रा रेड्डी, जनता दल सेकुलर के नेता पी.जे सूरी, रामदास, बालकिशन राव, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, अतुल कुमार एवं प्रत्युष कुमार सिंह आदि उपस्थित थे और अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक दामोदर रेड्डी (एडवोकेट) ने किया।

बोंदिली ट्रस्ट बोर्ड आत्मगौरव भवन के लिए भूमि पूजन संपन्न

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की ओर से उप्पल में बोंदिली ट्रस्ट बोर्ड को आत्मगौरव भवन लिए एक एकड़ भूमि और निर्माण कार्य के लिए एक करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। माघ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर आत्मगौरव भवन लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया। इसके लिए बोंदिली ट्रस्ट बोर्ड एवं समाज की ओर से तेलंगाना प्रदेश के सीएम के.चंद्रशेखर राव का आभार व्यक्त किया गया। इस भूमि पूजन उदघाटन समारोह में तेलंगाना राज्य सरकार के मंत्रीगणों गंगुला कमलाकर, तलासनी श्रीनिवास यादव, मल्ला रेड्डी, वी. श्रीनिवास गौड़, वकुलाभाराम कृष्ण मोहन, बी. वेंकटेश्म, प्रिंसिपल सचिव, श्रीमती झांसी, ठाकुर बालाजी सिंह, वाइस चेयरमैन, नगरकर्नूल जिला परिषद, जी. रघुवीर सिंह, चेयरमैन, पेद्दापल्ली जिला ग्रंधालय, विधान सभा सदस्यों, विधान परिषद सदस्यों, पार्षदों एवम् नेताओ ने भाग लिया। इस अवसर पर बोंदिली ट्रस्ट बोर्ड के के.रविंद्रनाथ सिंह, चेयरमैन व ट्रस्टी, ठाकुर रामेश्वर सिंह बैस, वाइस चेयरमैन व ट्रस्टी, एन.बालाप्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष व ट्रस्टी, ठाकुर रंजीत सिंह, ठाकुर कमल सिंह, गजेंदर सिंह चौहान, के. कृष्णा कुमार, प्रवीण सिंह, प्रेम सिंह, बालाजी सिंह, जी.रघुवीर सिंह, इंदर सिंह बैस, ट्रस्टीगण, ठाकुर कुन्दन सिंह चौहान, ट्रस्टी, क्षत्रिय राजपूत ट्रस्ट बोर्ड, सतीश सिंह चंदेल, ठाकुर गणेश सिंह, प्रदीप सिंह,उमेश सिंह, विश्वजीत सिंह राजपूत, बजरंग सिंह, चंदर सिंह सेंगर, राजेंदर सिंह पहलवान, दीपक सिंह, रणवीर सिंह, संतोष सिंह, रघुनंदन सिंह, नरसिंग भान सिंह, राजा सिंह, मोहनलाल, प्रवीण सिंह, महिलाएं, युवकों एवं विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

भागवत कथा में गोवर्धन की महत्ता का वर्णन

हैदराबाद, 6 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर के इमली बन पार्क में जारी साप्ताहिक भागवत कथा में पं. सुखेन्द्रजी महाराज ने कहा कि निरंतर रोने से भगवान मिलते हैं। इस कथा के अंतर्गत गोवर्धन पूजन के शुभावसर पर आचार्यश्री ने कहा कि जिस प्रकार हिमालय राजा का एक भाग जिसे पवनपुत्र हनुमानजी ने रामसेतु के अवसर पर जटीपूरा में स्थापित किया था। जिन्हें हम गोवर्धन नाम से जानते हैं, वही गोवर्धन महाराज भगवान के चरणों का आश्रय न पाकर भगवान के वियोग में विलाप किया। जिस प्रकार भगवान ने गोवर्धन जी पर कृपा की, उसी प्रकार मानव भी भगवान के लिए विलाप करे तो निश्चय ही भगवान की प्राप्ति होती है। मीरा ने विलाप किया तो भगवान की प्राप्ति हुई। संत नरसी ने विलाप किया तो भगवान की प्राप्ति हुई। संत एकनाथ ने विलाप किया तो भगवान मिले। संत रैदास ने विलाप किया तो भगवान मिले। राजा इन्द्र ने गोमाता का सहारा लेकर रूदन किया तो भगवान मिले। इसलिए आचार्यश्री ने समस्त जीवों से निवेदन किया कि, रोना है तो संसार के सामने नहीं बल्कि भगवान के लिए विलाप करें। क्योंकि रोने से ही भगवान की प्राप्ति होती है। कथा कार्यक्रम में रामनरेश पाण्डेय, पं.कमलाकांत, पं. अनिल पाण्डेय (पुजारी), पं. पवन गौतम, प्रह्लाद त्रिपाठी, उत्तर भारती नागरिक संघ चेयरमैन एनके सिंह, एस.के. वर्मा, सुरेंदर गोयल, रमेश काबरा, एस.एस.यादव, वी.के. तिवारी, जी.जी. तिवारी, प्रकाश शुक्ला, नरसिंहभान यादव, नरसिंह राव, रविकुमार अग्रवाल, विनयकुमार अग्रवाल, रुतुराज झंवर, वनस्थलीपुरम महिला मंडल अभिषेक काबरा एवं समस्त भक्तगण शामिल रहे।

डॉ. साध्वी मंगल प्रज्ञा आदि ठाणा-6 हैदराबाद की ओर अग्रसर

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ धर्मसंघ अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या डॉ. साध्वी श्री मंगलप्रज्ञा जी आदि ठाणा-6 का आगामी चातुर्मास हैदराबाद फरमाया गया है। साध्वीश्री जी का विजयवाडा से मंगल विहार श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में सानंद गतिमान है। अरिहंत धाम से साध्वीश्री ने हैदराबाद की ओर मंगल विहार किया। इस अवसर पर हैदराबाद से तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष अनीता गिड़िया, उपाध्यक्ष सरला मेहता, मंडल सदस्य इंदु जी कुंडलिया, शांति बाई मालू, संगीता मालू, सागरमल जी कुंडलिया व अन्य कई श्रावक श्राविकाओं ने रास्ते की सेवा का लाभ लिया। सभा मंत्री श्री सुशील जी संचेती के साथ अन्य कई सदस्य भी विजयवाड़ा में दर्शन किए।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूची में पीएम नरेंद्र मोदी का नाम फिर एक बार सूचिबद्ध होने पर उनके चित्र का दुग्धाभिषेक करते हुए पार्षद राकेश जायसवाल। उपस्थित हैं रघु कांबले, रामकृष्ण, राजू यादव, कल्पना, रजिता, रवि, संदीप जैन, रमाकांत व्यास, अशोक जायसवाल, सुरेश व अन्य।

टास्कफोर्स ने गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

वारंगल, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंथेजारगंज पुलिस के साथ आयुक्त की टास्क फोर्स ने शनिवार को गोविंदराजुला गुट्टा के पास एक मोहम्मद अजहर उर्फ छोटू को गांजे की बिक्री और खपत में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया और उसके पास से 500 ग्राम पदार्थ बरामद किया। टास्कफोर्स के एसीपी डॉ. एम. जितेंद्र रेड्डी ने एक प्रेस नोट में कहा कि अजहर ने महाराष्ट्र के बल्हारशाह के एक शेरखान से एक किलो गांजा खरीदा था। वही पैक करके शहर में बेच रहा था। शेरखान फरार था। आगे की जांच के लिए अजहर को इंतेजारगंज पुलिस को सौंप दिया गया है।

इस्कॉन मंदिर, मेडचल में 5 मार्च को आयोजित होने वाली मथुरा शैली में पुष्प होली की आयोजक समिति की बैठक भाजपा राज्यसभा सांसद और मप्र अध्यक्ष मुरली धर राव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में लक्ष्मीकांत शर्मा, शंतिलाल सुथार, सोहन सिंह, विजय सिंह, मनोज शर्मा, अबिनाश कुमार, नागनाथ तोरने, आदि समाज के प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

जीएचएमसी आयुक्त से मुलाकात कर सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र के एल्विन कॉलोनी मंडल की जनसमस्याओं पर ज्ञापन सौंपते हुए विस भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद। गौरतलब है कि श्री योगानंद से इस क्षेत्र का दौरा 23 जनवरी से 5 फरवरी तक किया था। कार्यक्रम में विजित वर्मा, रामाराजू, केशव राव, रमेश, रामकृष्ण, कमलाकर, गणेश, उपेंद्र ने भाग लिया।

राज्य युवा कांग्रेस के पूर्व प्रवक्ता एसपी क्रांति कुमार ने गांधी भवन में तेलंगाना के एआईसीसी प्रभारी माणिकराव ठाकरे से औपचारिक रूप से मुलाकात की और उनसे पूर्व एनएसयूआई और युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पीसीसी पदाधिकारियों और अन्य पीसीसी समितियों में प्राथमिकता देने का अनुरोध किया।

अल्पसंख्यक कल्याण के लिए ऐतिहासिक बजट

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता व चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी मो. सलाउद्दीन ने कहा कि तेलंगाना राज्य विधानसभा में वित्त मंत्री हरीश राव द्वारा पेश बजट ऐतिहासिक है। इससे जनकल्याण को काफी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक विकास के लिए 2,200 करोड़ रुपए, ओल्ड सिटी में मेट्रो ट्रेन के लिए 5 सौ करोड़, कल्याण व शादी मुबारक के लिए 3,200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना की बीआरएस सरकार की तरह देश के किसी राज्य की सरकार ने जनहित में इतना अच्छा बजट पेश नहीं किया। इसके लिए मुख्यमंत्री केसीआर और वित्त मंत्री हरीश राव की जितनी सराहना की जाए कम है।

एसएसके समाज रहीमपुरा द्वारा सहस्त्रार्जुन महाराज के स्वर्ण मंदिर के लिए भूमि पूजा की गई। इस अवसर पर एसएसके समाज रहीमपुरा के अध्यक्ष नगरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, कोषाध्यक्ष शिवरतन, एच. कुमार, बराड़ी अशोक, यशवंत राव, रतन आदि उपस्थित रहे।

व्यंग्यकार डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा व्यंग्यश्री सम्मान से सम्मानित

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। माता कौशल्या साहित्य संस्कृति शोध पीठ, रायपुर, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में आयोजित व्यंग्यकारों के राष्ट्रीय अधिवेशन में दक्षिण भारत के प्रसिद्ध व्यंग्यकार डॉ सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त' को व्यंग्य श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हे यह सम्मान प्रसिद्ध साहित्यकार सुभाष चंदर, डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर, रामकिशोर उपाध्याय के करकमलों से किया गया। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री आवास के समीप वृंदावन भवन, रायपुर में सोमवार को संपन्न हुआ।

बोइनपल्ली एग्रीकल्चर मार्केट कमेटी, सिकंदराबाद की नई कार्यकारिणी का गठन विधायक सायन्ना के नेतृत्व में किया गया। इसमें आर.हरिका चेयरमैन, वेणुगोपाल वाइस चेयरमैन के अलावा और 17 सदस्य बनाये गये।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाता मंदिर में फागुन मास पर आयोजित डोयटन कार्यक्रम में उपस्थित जीतादेवी-भूराराम चोयल, नीतु-महेन्द्र वरपा, पार्थ वरपा, करमनघाट सीरवी समाज अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, भंवरीबाई-छोगालाल सोलंकी, लारीबाई-चुन्नीलाल सिन्दड़ा, नारायणलाल, हीरालाल, हेमन्त, प्रवीण चोयल, गणेशराम बर्फा, सजाराम बर्फा व समाज बन्धु।

नि:शुल्क मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण जागरूकता अभियान आयोजित

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत तुमकुंटा स्थित विश्व विश्वानि स्कूल आफ बिजनेस में नि: शुल्क मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस संदर्भ में, परामर्श मनोवैज्ञानिक डॉ सी. वीरेंद्र व : तेलंगाना साहित्य अकादमी सचिव बालाचारी ने तुमकुंटा स्थित विश्व विश्वानी स्कूल ऑफ बिजनेस में नि: शुल्क मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण जागरूकताअभियान का उद्घाटन किया। इस अभियान कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान परामर्श मनोवैज्ञानिक डॉ सी. वीरेंद्र व :तेलंगाना साहित्य अकादमी सचिव बालाचारी ने सभी को तत्संबंधित मानसिक स्वास्थ्य और जागरूकता अभियान के माध्यम से छात्रों में चिंता, सेलफोन की आदत, एकाग्रता, अवसाद, आत्मसम्मान व तनाव से जागरूक किया गया तथा यह ऐसे मुद्दे हैं जो खासकर वयोवृध्द वर्गों के लिए चिंता का विषय बने हैं। यह अभियान सुबह 10 से सायं 4 बजे के मध्य आयोजित किया गया। इसमें यू एंड मी काउंसेलिंग एंड पीडी ट्रेनिंग सेंटर से जुडे आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 1500 छात्रों ने भाग लिया तथा इसके अंतर्गत अपनी तरह के तत्संबंधित प्रयास "यू एंड मी" में परामर्श और पीडी प्रशिक्षण केंद्र " की व्यवस्था की गयी। इस अवसर पर विश्व विश्वानि प्रबंधन के सदस्यों जैसे श्रीनिवास आचार्य, जीएसएसवी राव, रामकृष्णा, तथा पीजीडीएम, बीबीए, बीएस-सीएस व एमबीए विभागों के निदेशकगण उपस्थित हुए।

कप्तान रोहित का सबसे बड़ा टेस्ट: भारत और डब्ल्यूटीसी फाइनल के बीच खड़ा ऑस्ट्रेलिया; शर्मा का कप्तानी अनुभव कम

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 मैचों की सीरीज रोहित शर्मा के कप्तानी करियर का पहला सबसे बड़ा टेस्ट होगा। 9 फरवरी से नागपुर में पहला टेस्ट खेला जाएगा। फरवरी 2022 में कप्तानी मिलने के बाद रोहित 2 ही टेस्ट में भारत की कप्तानी कर सके। इस बीच इंजरी के कारण वे इंग्लैंड और बांग्लादेश में 3 टेस्ट नहीं खेल सके।

रोहित का टेस्ट कप्तानी में अनुभव कम है। वहीं, वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए सीरीज बहुत अहम है। आगे स्टोरी में हम आंकड़ों के जरिए जानेंगे कि कप्तान रोहित के सामने इस सीरीज में क्या मुश्किलें आएंगी। उन्होंने अपनी कप्तानी में कैसा परफॉर्म किया है और डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को क्या करना होगा।

2 ही मैचों में कप्तानी की

टेस्ट कप्तानी मिलने के बाद रोहित शर्मा भारत के लिए 2 ही मैचों में कप्तानी कर सके। ये टेस्ट पिछले साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए थे। भारत ने दोनों ही टेस्ट जीते। इस सीरीज के बाद भारत ने इंग्लैंड में एक और बांग्लादेश में 2 टेस्ट खेल लिए, लेकिन चोट के चलते रोहित टीम का हिस्सा नहीं बन सके।

इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड में और केएल राहुल ने बांग्लादेश में कप्तानी की। भारत इंग्लैंड में टेस्ट मैच हार गया। वहीं, बांग्लादेश में टीम इंडिया ने क्लीन स्वीप किया।

इंजरी ने किया परेशान

पिछले एक साल में टीम इंडिया से दूर रहने की सबसे बड़ी वजह रोहित की इंजरी रही। इंजरी के कारण वे भारत के लिए पिछले 10 में से 2 ही टेस्ट खेल सके हैं। पिछले महीने भी बांग्लादेश में वह वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हो गए। जिसके बाद टेस्ट सीरीज में उनकी जगह केएल राहुल ने कमान संभाली थी। रोहित अब पूरी तरह फिट हैं। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जिता कर बेहतर माइंडसेट के साथ वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीत के लिए तैयार हैं।

कप्तानी में 30 का औसत

अपनी टेस्ट कप्तानी में बैटर रोहित शर्मा का प्रदर्शन भी अब तक बड़ी टीम के खिलाफ देखने को नहीं मिला है। 2022 में श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों में उनके बल्ले से कुछ खास रन नहीं निकले थे। तब 2 टेस्ट में उन्होंने 30 की औसत से महज 90 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर भी 46 रन ही रहा।

भारत में खूब रन बनाए

रोहित शर्मा ने 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की घरेलू सीरीज से टेस्ट डेब्यू किया था। यह सचिन तेंदुलकर के करियर का आखिरी टेस्ट मैच था। रोहित ने तब से भारत में खूब रनाए। भारत में खेले 20 टेस्ट में उनके नाम 1,760 रन हैं। इनमें 7 शतक और 6 अर्धशतक आए। विदेश में उनके बैट से शुरुआत में कुछ खास रन नहीं निकले, लेकिन पिछले 2 साल में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए जीतना जरूरी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिहाज से भारत के लिए बहुत अहम है। 2 से ज्यादा टेस्ट जीतने पर टीम इंडिया के फाइनल में पहुंचने के चांस बढ़ जाएंगे। 3 टेस्ट जीतते ही टीम का फाइनल खेलना कन्फर्म हो जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया को 2 टेस्ट हराते ही भारत आईसीसी की टेस्ट टीम रैंकिंग में भी नंबर एक बन जाएगा। भारत इस वक्त टेस्ट रैंकिंग में दूसरे नंबर पर है। वहीं, आस्ट्रेलियन टीम टॉप पर है। भारतीय टीम वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर है।

रोहित शर्मा का टेस्ट प्रदर्शन

भारत में	विदेश में
मैच: 20 | रन: 1760	मैच: 25 | रन: 1377
औसत: 73.33	औसत: 31.29
100/50: 7/6	100/50: 1/8

रोहित के सामने क्या चुनौती?

आस्ट्रेलियन टीम में कुछ प्लेयर्स ऐसे भी हैं जो कप्तान रोहित के सामने बड़ी मुसीबत पैदा कर सकते हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम स्टीव स्मिथ का है, जिन्होंने भारत में 60 की औसत से 660 रन बनाए हैं। 6 मैचों में उन्होंने 3 शतक और एक अर्धशतक भी बनाया है। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के नंबर-1 बैटर मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन और उस्मान ख्वाजा भी रोहित के सामने चुनौती होंगे।

लाबुशेन अपने करियर के बेस्ट फॉर्म में हैं। भारत में तो उन्होंने अब तक एक भी टेस्ट नहीं खेला। लेकिन, एशिया में खेले 7 टेस्ट में उन्होंने 400 रन बनाए हैं और इस दौरे के लिए कई महीनों से तैयारी कर रहे हैं।

लायन भी रोहित के सामने बड़ी चुनौती हो सकते हैं। लायन ने भारत में खेले 7 टेस्ट में 34 विकेट झटके हैं। एशिया में खेले 24 टेस्ट में उनके नाम 118 विकेट हैं। इनमें उन्होंने 9 बार पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लिए। पिछले कुछ समय में उन्होंने भारतीय बैटर्स को भी खूब परेशान किया है।

ख्वाजा पिछले आस्ट्रेलियन क्रिकेट अवॉर्ड्स में 2022 के टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने। भारत में उन्होंने अब तक एक भी टेस्ट नहीं खेला। लेकिन एशिया में खेले 12 टेस्ट में उनके नाम 57.58 की औसत से 979 रन हैं। इस दौरान उनके बैट से 3 शतक और 4 अर्धशतक भी आए।

कोहली-पुजारा का फॉर्म भी चिंता

कप्तान रोहित को अपने फॉर्म के अलावा विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा के फॉर्म की चिंता भी है। 2021 से एशिया के टेस्ट में पुजारा का औसत 34.61 का रहा तो वहीं कोहली महज 23.85 की औसत से ही रन बना सके। इनके अलावा केएल राहुल भी पिछले कुछ समय से खास प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

क्यों मिली थी टेस्ट कप्तानी?

15 जनवरी 2022 को विराट कोहली ने भारत की टेस्ट कप्तानी छोड़ दी। टीम एक दिन पहले ही साउथ अफ्रीका में 2-1 से टेस्ट सीरीज हारी थी। कोहली के इस चौंकाने वाले फैसले के बाद बीसीसीआई असमंजस में थी की कप्तान किसे बनाएं? भारत को 2 महीने बाद 4 मार्च को श्रीलंका के खिलाफ घर में 2 टेस्ट की सीरीज खेलनी थी।

ऐसे में बीसीसीआई की सलेक्शन कमेटी ने वनडे और टी-20 कप्तान और सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा को ही टेस्ट कप्तानी भी सौंप दी। केएल राहुल को उप कप्तान बनाया गया। रोहित एक साल पहले तक विदेश में खराब प्रदर्शन के चलते टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए जूझ रहे थे। वह 2021 के दौरान ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद ही टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की कर सके थे।

टी-20, वनडे में रोहित का रिकॉर्ड बेहतर

रोहित शर्मा का टेस्ट अनुभव भारत के पिछले सफल कप्तानों के मुकाबले काफी कम है, लेकिन उन्होंने टी-20 और वनडे कप्तानी में खुद को बहुत बेहतर साबित किया है।

वनडे कप्तानी के 24 मैचों में उन्होंने टीम को 19 मैच जिताए। टी-20 के 51 मैचों में तो उन्होंने 39 मैच जिताए हैं। हालांकि, उन्हीं की कप्तानी में भारत पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप नहीं जीत सका था। टीम सेमीफाइनल में इंग्लैंड से हारकर बाहर हो गई थी।

आईपीएल में 5 ट्रॉफी जिताई

वनडे, टी-20 के साथ रोहित ने आईपीएल में भी अपनी कप्तानी साबित की है। मुंबई इंडियंस को उन्होंने अपनी कप्तानी में 5 खिताब जिताए हैं। उनके बाद एमएस धोनी के नाम 4 आईपीएल टाइटल हैं। आईपीएल कप्तानी में अच्छा करने के बाद ही रोहित का नाम नेशनल टीम की कप्तानी करने के लिए आगे बढ़ा था।

गुजरात के मितुल व्यास ने वर्ल्डवेटरन चैम्पियनशिप में जीता गोल्ड

कैंसर से ठीक होने के 6 महीने में ही टेटे शुरू किया

अहमदाबाद, 6 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात के टेबल टेनिस खिलाड़ी मितुल व्यास मानसिक रूप से काफी दृढ़ हैं। उनकी हालिया उपलब्धि यह साबित भी करती है। उन्होंने ओमान में वर्ल्ड वेटरन टेबल टेनिस चैम्पियनशिप की सांत्वना श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया और वर्ल्ड चैम्पियन बने। लेकिन कुछ साल पहले कोई नहीं कह सकता था कि मितुल ऐसा कुछ कारनामा कर सकेंगे। 6 साल पहले मितुल को कैंसर का पता चला था। डॉक्टर्स ने सर्जरी की सलाह दी। लंबी सर्जरी के बाद डॉक्टर ने मितुल की पत्नी से कह दिया था कि तुम्हारे पति सिर्फ 72 घंटे ही जीवित रहेंगे। उनक बायां हाथ भी ऊपर नहीं उठेगा। हालांकि, मितुल ने सर्जरी के दौरान ही ऐसे कुछ संकेत दिए कि वे वापसी करना चाहते हैं, और ऐसा हुआ भी। मितुल बताते हैं, 'मेरे शरीर ने सकारात्मक रिएक्शन देना शुरू किया, जिससे डॉक्टर्स भी चौंक गए।

सर्जरी के 6 महीने के अंदर ही मैंने टेबल टेनिस खेलना शुरू कर दिया था। कैंसर और कीमोथैरेपी से मेरा वजन 40 किलो तक कम हो गया था। मैं मूवमेंट नहीं कर सकता था, इसलिए एक्सरसाइज के तौर पर सिर्फ टेबल टेनिस खेलता। इसके 3 साल बाद पहली बार टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। वर्ल्ड चैम्पियन बनने के दौरान कई उपलब्धियां हासिल कीं। विदेशी खिलाड़ियों को मात देकर सबसे तेज शॉट लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया था। विदेशी खिलाड़ी 55 किमी से आगे नहीं गए और मेरा पहला शॉट 74 किमी का था। मेरा मानना है कि जब तक आप खुद हार नहीं मानते, तब तक आपको कोई हरा नहीं सकता। मैं हर दिन खुद से प्रतिस्पर्धा करता हूं। सुबह 5 बजे से 9.30 बजे तक खेल के लिए समय देता हूं। मैं एक ग्राफिक डिजाइनर हूं, तो उसके बाद अपने नियमित काम पर फोकस करता हूं।' तीन साल में स्टेट और नेशनल लेवल पर 20 से ज्यादा मेडल जीत चुके, 22 कैंसर पीड़ितों की मदद भी की मितुल ने पिछले 3 साल में जिला और राज्य स्तर के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर कई मास्टर्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया और 20 से अधिक पदक जीते हैं। ओमान में मितुल ने अलग-अलग देशों के 8 खिलाड़ियों को हराकर खिताब अपने नाम किया। मितुल के भाई निलय ही उनके कोच हैं। मितुल ने खुद कैंसर से जंग जीतकर 22 कैंसर मरीजों की मदद भी की है। ये लोग आर्थिक रूप से सक्षम नहीं थे, इसलिए मितुल और उनके दोस्तों ने उनकी मदद की।

वर्ल्ड कप देखा तो खुद को वहीं महसूस किया

रवींद्र जडेजा बोले- 5 महीने बाद भारत की जर्सी पहनकर खुशी हुई

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 9 फरवरी से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। टेस्ट मैच से पहले बीसीसीआई ने रवींद्र जडेजा के इंटरव्यू का वीडियो शेयर किया। इसमें उन्होंने अपने सर्जरी के बाद हुए रिहैब एक्सपीरिएंस को शेयर किया। उन्होंने कहा, 5 महीने बाद वापसी करके बहुत खुश हूं। सर्जरी के बाद रिहैब में फिजियो ने छुट्टी के दिन भी मुझ पर मेहनत की।

वर्ल्ड कप से पहले सर्जरी का फैसला मुश्किल था

रवींद्र जडेजा ने आखिरी बार अगस्त 2022 में एशिया कप के दौरान भारत के लिए क्रिकेट मैच

खेला था। एशिया कप में ही उन्हें घुटने में चोट लगी थी। इसके बाद उन्होंने घुटने की सर्जरी करवाई। जडेजा ने कहा, 'पांच महीने क्रिकेट से दूर रहना बहुत मुश्किल था। आराम के दौरान आप चिढ़ने लगते हो। चोट से मैं परेशान था और सर्जरी करवानी ही थी। मैंने सोचा की वर्ल्ड कप से पहले सर्जरी करवाना चाहिए या बाद में। डॉक्टर की सलाह पर मैंने वर्ल्ड कप से पहले सर्जरी करवाई, क्योंकि सर्जरी के बिना भी वर्ल्ड कप खेलना मुश्किल था।'

वर्ल्ड कप देखा तो अपने आप को वहीं देख रहा था

जडेजा ने कहा, 'रिकवरी का समय बहुत मुश्किल होता है। इस दौरान लगातार यही सवाल आता है कि आप कब फिट होंगे। घर से जब टी-20 वर्ल्ड कप देखा तो मुझे लगा कि मैं भी वहीं हूं। ये चीजें आपको मोटिवेट करती हैं। आप अच्छे से ट्रेनिंग और रिहैब करते हैं।'

फिजियो और ट्रेनर्स ने बहुत मेहनत की

जडेजा बोले, 'फिजियो और ट्रेनर्स ने एनसीए में मुझ पर बहुत मेहनत की। संडे को ऑफ रहने पर भी फिजियो मेरे लिए आते थे और मदद करते थे। मैं दो-तीन हफ्ते एनसीए बेंगलुरु में रहता था और फिर माइंड फ्रेश करने के लिए घर जाता था।

भारत में टेस्ट सीरीज जीतना एशेज से बड़ा

स्टीव स्मिथ बोले- इंडिया को घर में हराना मुश्किल

> भारत में सीरीज तो छोड़िए, मैच जीतना ही बहुत मुश्किल है। हम सीरीज जीतने की पूरी कोशिश करेंगे।
>
> **स्टीव स्मिथ (उपकप्तान, ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम)**

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 9 जनवरी को नागपुर में है। टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने टीम का वीडियो जारी किया। इसमें ऑस्ट्रेलिया के प्लेयर्स ने बताया की यह सीरीज उनके लिए कितनी अहम है। स्टीव स्मिथ बोले कि, भारत को घर में हराना इंग्लैंड में एशेज जीतने से भी ज्यादा बड़ा है। वही, टीम के ओपनर डेविड वार्नर ने कहा - दुनिया के बेस्ट स्पिनर्स के सामने खेलना चुनौतीपूर्ण होगा। घर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी। जहां आप एक बार ही जीते है।

ऑस्ट्रेलिया को 19 साल से सीरीज जीत का इंतजार

भारत 2004 से घर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक भी टेस्ट सीरीज नहीं हारा है। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2004 में 4 मैचों की सीरीज में भारत को 2-1 से हराया था। एक मैच ड्रॉ रहा था। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियन टीम भारत में लगातार क्लीन स्वीप होने लगी। यहां तक कि 2004 के बाद उन्हें भारत में एकमात्र जीत भी 2017 में मिली, लेकिन तब भी उन्हें 2-1 से सीरीज हार झेलनी पड़ी थी।

भारत से 4 टेस्ट खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ घर में 4 टेस्ट और 3 वनडे खेलने हैं। 9 फरवरी से नागपुर में पहला टेस्ट शुरू होगा। फिर 17 फरवरी को दिल्ली में दूसरा, एक मार्च को धर्मशाला में तीसरा और 9 मार्च को अहमदाबाद में चौथा टेस्ट खेला जाएगा।

यह सीरीज खास होगी - स्टार्क

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने कहा कि, भारत में टेस्ट सीरीज खेलना हमारे लिए बहुत खास होगा। भारत की परिस्थितियां हमारे घर के मुकाबले बिलकुल अलग होती है। यह सीरीज हमेशा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए बड़ी और महत्वपूर्ण होती है। भारतीय टीम भी मजबूत है।

स्टार्क ने आगे कहा - एक तरफ आपके पास पूरी एशेज का इतिहास है जहां आपने इंग्लैंड को उनके घर में हराया, और एक तरफ भारत के

खेलो इंडिया यूथ गेम्स की 3000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 17 साल की बुसरा खान ने गोल्ड मेडल जीता

भोपाल, 6 फरवरी (एजेंसियां)। खेलो इंडिया यूथ गेम्स की 3000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 17 साल की बुसरा खान ने गोल्ड मेडल जीता। मध्य प्रदेश के सीहोर की एथलीट ने 10.04.29 मिनट का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। कॉम्पिटिशन से पहले पैर में इंजरी थी, लेकिन वह 10 हजार रुपए की इंस्पिरेशन लेकर दौड़ीं और मेडल जीतकर मानीं।

यहां तक का सफर बुसरा के लिए आसान नहीं था। कुछ महीनों पहले फैक्टरी ब्लास्ट में पिता चल बसे। घर का सामना तक बिक गया। इसके बाद भी उन्होंने मेहनत जारी रखी और गोल्ड जीता। खेलो इंडिया गेम्स इस वक्त मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत राज्य के अलग-अलग शहरों में हो रहे हैं।

2016 में भोपाल आई

बुसरा बताती हैं, '2016 में 12 साल की उम्र में मैं भोपाल की एथलेटिक्स एकेडमी में सलेक्ट हुई। यहां कोच एसके प्रसाद की निगरानी में प्रैक्टिस की। स्टेट लेवल पर मेहनत की और नेशनल लेवल पर सलेक्ट हुई। गोल्ड जीतने का सपना था, 2023 में वह पूरा हुआ। इससे पहले 2019 में ब्रॉन्ज मेडल मिला था।'

बचपन से ही दौड़ने का शौक

बुसरा ने बताया, 'मुझे दौड़ना अच्छा लगता है, बचपन से ही दौड़ने का शौक था। अब्बू छोटी बहनों के साथ सीहोर के ग्राउंड ले जाते थे। जब तक वो थे, तब तक सब ठीक था। लेकिन, उनके चले जाने के बाद परेशानियां बढ़ गईं।'

फैक्ट्री ब्लास्ट में चल बसे पिता

बुसरा ने कहा, 'पिछले साल मई में सीहोर की केमिकल फैक्ट्री ब्लास्ट में पिता का देहांत हो गया। फैक्ट्री में मजदूरों के लिए मकान बने हैं। वहीं, मेरा पूरा परिवार रहता था। ब्लास्ट के समय पिता फैक्ट्री की वर्कशॉप में काम कर रहे थे। मां और छोटी बहनें घर में थीं। जब ये खबर पता चली तब मैं एकेडमी में ही थी।'

घर का सामान तक बिक गया

बुसरा की मां शहनाज खान ने

बताया, 'लड़कियों के पिता के चले जाने के बाद घर का सारा सामान बिक गया। राशन भी दूसरों की मेहरबानी से आने लगा। फैक्ट्री में बना क्वार्टर तक छोड़ना पड़ गया। बुसरा एकेडमी में है लेकिन छोटी बहनों ने ग्राउंड जाना छोड़ दिया।'

किराए के मकान में है परिवार

बुसरा ने बताया, 'मां अब दोनों बहनों के साथ किराए के मकान में रहती हैं। पिता को मिले मुआवजे से घर का किराया जाता है। सरकार ने अब हम तीनों बहनों की पढ़ाई फ्री कर दी है। मैं कॉलेज में हूं, छोटी बहन दरख्शा नौवीं में और आरिया सातवीं कक्षा में है।'

वह बोलीं कि कोच सर कभी-कभी मदद कर देते हैं। वह राशन दिलवाते हैं। कई बार जिला प्रशासन से भी मदद मिल जाती है। 'देश के लिए मेडल जीते बेटी'

बुसरा भोपाल स्थित एकेडमी में ही रहती हैं। जहां उन्हें बेसिक सुविधाओं के साथ दौड़ने के लिए हर तरह की फेसिलिटी अवेलेबल है। मां का सपना है कि बेटी देश के लिए मेडल जीते। उन्होंने बताया कि बेटी कॉम्पिटिशन में इनाम के पैसे भी उन्हें दे देती है ताकि घर की जरूरतें पूरी हो सके।

इंजर्ड थी, लेकिन 10 हजार के लिए दौड़ीं

मां ने बताया कि कॉम्पिटिशन से पहले बेटी के बाएं पैर में चोट थी। लेकिन, 10 हजार रुपए जीतने के लिए वह दौड़ी और मेडल जीतकर मानी। दरअसल, MP सरकार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में गोल्ड जीतने वाले एथलीट्स को स्कॉलरशिप और जेब खर्च के लिए 10 हजार रुपए देती है। इन पैसों से बुसरा अपने परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करती हैं।

'पिता होते तो खुश होते'

बुसरा ने बताया कि रेस से पहले वह काफी नर्वस थीं। लेकिन कोच सर ने हौसला अफजाई की। रेस के दौरान वो लगातार मुझे गाइड कर रहे थे। जीत के बाद बुसरा इमोशनल होकर बोलीं, 'मेडल मेरे लिए काफी अहम है। पिता यहां होते तो ज्यादा खुश होते। ये मेडल उन्हीं के लिए है।'

भारत को आईसीसी से बाहर किया जाना चाहिए

क्रिकेटर जावेद मियांदाद बोले - भारत एशिया कप में नहीं आता है तो आईसीसी को एक्शन लेना चाहिए

> अगर टीम इंडिया पाकिस्तान में एशिया कप खेलना नहीं चाहती तो उन्हें नहीं आना चाहिए
>
> **जावेद मियांदाद (पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर)**

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। एशिया कप को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। 4 फरवरी को एशियाई क्रिकेट परिषद की बैठक में तय हुआ कि एशिया कप कहां आयोजित किया जाएगा, इसका फैसला मार्च के पहले हफ्ते में लिया जाएगा। इस बैठक में काउंसिल के चेयरमैन और बीसीसीआई के सचिव जय शाह और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन नजम सेठी भी शामिल हुए।

दरअसल इस साल वनडे एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पहले ही साफ कर दिया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान में नहीं खेलेगी। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अब भी चाहता है कि टूर्नामेंट का आयोजन पाकिस्तान में ही हो।

इस बीच पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मियांदाद भी एशिया कप की मेजबानी विवाद में कूद पड़े हैं। उन्होंने कहा कि एशिया कप पाकिस्तान में ही होना चाहिए और अगर भारत इसमें भाग नहीं लेता है, तो आईसीसी को बीसीसीआई बीसीसीआई के खिलाफ सख्त कारवाई करना चाहिए और भारत को आईसीसी से बाहर का रास्ता दिखाया जाना चाहिए। जावेद मियांदाद ने युट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं पहले से ही कह रहा हूं कि अगर टीम इंडिया पाकिस्तान में एशिया कप खेलनी नहीं आती है तो मत आए। उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान से नहीं छीनी जाना चाहिए। मियांदाद ने कहा कि आईसीसी हर देश के लिए एक नियम ही अपनाए। कोई भी टीम कितनी भी बड़ी टीम हो, पर अगर वह किसी टूर्नामेंट में जाने से मना करती है तो उसे आईसीसी से हटा देना चाहिए।

फुटबॉल में हुआ नस्लवाद

रियल मेड्रिड के खिलाड़ी विनिशियस जूनियर के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड और ब्राजील के फॉरवर्ड विनिशियस जूनियर नस्लीय दुर्व्यवहार का शिकार हुए। रविवार को स्पेन की लीग लालिगा में उन पर विपक्षी टीम मलोरका के फंस ने नस्लीय टिप्पणी की। स्ट्रीमिंग सर्विस डीएजेड एन ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया जिसमें फैंस विनिशियस को "मोनो" यानी बंदर कह कर पुकार रहे है। फैंस कह रहे है - ब्राजील का खिलाड़ी बंदर। विनीसियस को कम से कम तीन मौकों पर फैंस से नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा है। पहली बार नवंबर 2021 में बार्सिलोना के खिलाफ, दूसरी बार सितंबर 2022 में एटलेटिको मैड्रिड और तीसरी बार दिसंबर 2022 के आखिर में वलाडोलिड के खिलाफ हुआ।

कश्मीर पर ट्वीट के बाद पाकिस्तान क्रिकेटर रिजवान ट्रोल हुए

लिखा- दुआएं कश्मीरियों के साथ; यूजर्स बोले- इतनी फिक्र है तो आतंकी भेजना बंद करो

खेल डेस्क, 6 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान को नेटिजन्स ने जमकर ट्रोल किया। दरअसल, रिजवान ने पाकिस्तान में कश्मीर एकता दिवस के दिन कश्मीरियों को लेकर ट्वीट किया था। जिस पर रिजवान ट्रोल हो गए।

रिजवान ने लिखा - मेरा दिल, दुआएं और दर्द कश्मीर और कश्मीरियों के साथ है। अल्लाह पाक आप सब के लिए बे-इंतेहा असानी करें, आमीन। पाकिस्तान हर साल 5 फरवरी को कश्मीर सॉलिडेरिटी डे मनाता है। इस दिन नेशनल हॉलिडे होता है। इसका मकसद खुद को कश्मीरियों के समर्थन में खड़े दिखाना है। पहली बार 1990 में पाकिस्तान में जमात-ए-इस्लामी पार्टी के काजी हुसैन अहमद ने कश्मीर दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा था।

1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कश्मीर सॉलिडेरिटी डे स्ट्राइक के लिए अपील की। शरीफ तब जमात की मदद से ही सत्ता में आए थे। कश्मीर एकता दिवस मनाने की शुरुआत 2004 में की गई थी।

पाकिस्तान के पीएम ने भी किया ट्वीट

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भी कश्मीर पर ट्वीट किया। उन्होंने लिखा, 'आज सभी पाकिस्तानी कश्मीरियों के लिए समर्थन करने आए हैं। भारतीय कश्मीर के लोग संघर्ष कर रहे है लेकिन, उन्होंने आजादी की मशाल को जलाए रखा है।' इस पर भी भारतीयों ने उन्हें ट्रोल किया।

हैदराबाद में विभिन्न सुधार कार्यक्रम शुरू करेगी सरकार : हरीश राव

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद को एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशों के अनुरूप, राज्य के बजट में न केवल वर्तमान समय की जरूरतों को पूरा करने के लिए, बल्कि इसके लिए भविष्य योजना बनाने के लिए बुनियादी ढांचे के सुधार पर अपना ध्यान केंद्रित किया गया है। वित्त मंत्री टी. हरीश राव द्वारा सोमवार को पेश किए गए बजट में हैदराबाद में बुनियादी सुविधाओं के सुधार के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कार्यक्रमों की सूची है।

हैदराबाद में यातायात की भीड़ को कम करने के लिए, एसआरडीपी के तहत 42 किमी सड़कों, फ्लाईओवर, अंडरपास और आरओबी का निर्माण शुरू किया गया है। मंत्री ने कहा कि इनमें से 31 काम पहले ही पूरे हो चुके हैं और बाकी काम इस साल पूरे हो जाएंगे।

लिंक रोड नेटवर्क का निर्माण 275 करोड़ रुपये के व्यय से पूरा किया गया है, जो यात्रा दूरी और यातायात की

भीड़ में कमी के अलावा वायु प्रदूषण में कमी सुनिश्चित करता है। 76.65 करोड़ रुपये के अनुमानित व्यय के साथ शुरू किए गए 22 एफओबी में से नौ अब तक पूरे हो चुके हैं और शेष कार्य अंतिम चरण में हैं।

मेट्रो कनेक्टिविटी

हवाई यात्रा के संरक्षण में तेजी से वृद्धि की ओर इशारा करते हुए, राज्य के बजट में कहा गया है कि राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, शमशाबाद का उपयोग करने वाले हवाई यात्रियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। हरीश राव ने कहा कि हवाई अड्डे पर 7,500 करोड़ रुपये की लागत से विस्तार सुविधाओं को आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लिया गया है, भले ही हवाई यातायात 4 करोड़ प्रति वर्ष हो जाए। हवाई यात्रियों के उपयोग के लिए विस्तार सुविधाओं को जून तक पूरा कर लिया जाएगा। यात्रियों को विभिन्न क्षेत्रों से कम से कम समय में हवाई अड्डे तक पहुंचने की सुविधा के उद्देश्य से, राज्य सरकार ने रायदुर्ग से शुरू होने वाली और शमशाबाद हवाई अड्डे पर समाप्त होने वाली मेट्रो लेन के साथ हवाई अड्डे तक मेट्रो रेल सेवाओं का विस्तार करने की परिकल्पना की है।

हाल ही में, मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे से मेट्रो कनेक्टिविटी की नींव रखी है और यह परियोजना रुपये की लागत से शुरू की जाएगी। राज्य सरकार के अपने संसाधनों के साथ 6,250 करोड़ और अगले तीन वर्षों के भीतर पूरा किया गया, बजट का उल्लेख किया।

हैदराबाद का विकास

हैदराबाद के समग्र और व्यापक विकास के लिए, राज्य सरकार ने 387 करोड़ रुपये की लागत से एचएमडीए के अधिकार क्षेत्र में कई परियोजनाएं शुरू की हैं। जबकि हरिता हरम के तहत, शहर में 63 लाख पौधे लगाए गए हैं, कोकापेट लेआउट में एक पायलट परियोजना के रूप में लिया गया सोलर रूफ साइकिल ट्रैक एक ट्रेंडसेटर होगा और 23 किलोमीटर के हिस्से को 95 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जाएगा।

एचएमडब्ल्यूएसएसबी

अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए, हैदराबाद मेट्रो जल बोर्ड ने 1,956 करोड़ रुपये की लागत से बाहरी रिंग रोड की सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को पीने के पानी की सुविधा प्रदान करने के लिए एक परियोजना शुरू की है। शहर में निरंतर पेयजल आपूर्ति प्रदान करने के लिए 2,214 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से शुरू किए गए सुनकिशाला सेवन कार्य को इस वर्ष पूरा कर लिया जाएगा।

सीवरेज पानी की समस्या को दूर करने के लिए हैदराबाद में एक सीवरेज मास्टर प्लान लागू किया जा रहा है और पहले चरण में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण के लिए मंजूरी दे दी गई है। तीन पैकेजों के तहत 3,866 करोड़ रुपये की लागत से 1259 मिलियन लीटर प्रतिदिन की क्षमता वाले 31 एसटीपी का निर्माण शुरू किया गया है।

2बीएचके

फ्लैगशिप 2बीएचके हाउसिंग प्रोजेक्ट के तहत, जीएचएमसी क्षेत्र में 67,782 डबल बेड रूम घरों का निर्माण पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि 32,218 घरों का निर्माण विभिन्न चरणों में है।

सरकार ने पाम ऑयल की खेती के लिए प्रोत्साहन की घोषणा की

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर पाम ऑयल की खेती को प्रोत्साहित करने का फैसला किया है और बजट में 1,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। विधानसभा में वार्षिक बजट पेश करते हुए, वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण, टैंकों के नवीनीकरण और चेक बांधों के निर्माण के बाद तेलंगाना में हवा में नमी की मात्रा में काफी वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप, तेल ताड़ की खेती के लिए तेलंगाना उपयुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि आज, देश बड़े पैमाने पर पाम तेल का आयात कर रहा है। बाजार में ऑयल पाम की अच्छी मांग है। ऑयल पाम की खेती करने से किसानों को प्रति एकड़ प्रति वर्ष 1,50,000 रुपये की शुद्ध आय प्राप्त होने की संभावना है। रखते हुए इसे ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने 20 लाख एकड़ तक तेल ताड़ की खेती का विस्तार करने का लक्ष्य रखा है और किसानों को तेल ताड़ की खेती करने के लिए प्रेरित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रोत्साहन देने का फैसला किया है, जिससे किसानों को उच्च आय प्राप्त होती है। पाम ऑयल के पौधों, उर्वरकों और ड्रिप सिंचाई को सब्सिडी देने के लिए, राज्य सरकार अलग से बजटीय आवंटन प्रदान कर रही है। हरीश राव ने कहा कि बजट में ताड़ के तेल की खेती के लिए कुल 1,000 करोड़ रुपये की राशि का प्रस्ताव किया गया है।

खोखले वादों का पिटारा है राज्य का बजट : संजय

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दी बजट पर प्रतिक्रिया

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने सोमवार को वित्त मंत्री टी हरीश राव द्वारा प्रस्तुत 2023-24 के राज्य के वार्षिक बजट को खोखले वादों का पिटारा बताया है। एक बयान में, संजय ने कहा कि वित्त मंत्री ने अपने को केवल केंद्र को कोसने तक सीमित कर लिया है। इसने एससी, एसटी, बीसी और ईबीसी सहित सभी वर्गों के लोगों की उपेक्षा की। उन्होंने कहा, "यह उन लोगों के लिए बड़ी निराशा थी जो उम्मीद कर रहे थे कि के चंद्रशेखर राव सरकार कम से कम चुनावी वर्ष के दौरान अपने चुनाव पूर्व वादों को लागू करेगी।" उन्होंने कहा कि बजट में जो आवंटित किया गया है और जो खर्च किया गया है, उसके बीच बिल्कुल कोई मेल नहीं है। भाजपा नेता ने कहा कि मौजूदा बजट में आवंटन का 50 प्रतिशत भी खर्च नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, "अब, वित्त मंत्री केवल लोगों को धोखा देने के लिए वर्तमान बजट में एक बड़ा परिव्यय पेश करते हैं।" उन्होंने कहा कि अगर सरकार को एक लाख रुपये तक का फसली कर्ज माफ करना है तो उसे 19,700 करोड़ रुपये आवंटित करने चाहिए, लेकिन इसने केवल 6,285 करोड़ रुपये का आवंटन किया। बहुप्रचारित दलित बंधु के संबंध में, सरकार ने पिछले साल इस योजना पर ज्यादा खर्च नहीं किया था, हालांकि 17,700 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इस साल भी, सरकार ने समान आवंटन किया। यदि राज्य में सभी दलितों को लाभान्वित करने के लिए इस योजना को लागू करना है, तो यह अगले 100 वर्षों में भी संभव नहीं होगा। यह पूरे दलित समुदाय के साथ धोखा करने के अलावा और कुछ नहीं है।' इसी तरह, एसटी और ओबीसी के लिए किया गया आवंटन उनकी आबादी की तुलना में बहुत कम था। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन के मामले में भी ऐसा ही है, जिससे आम आदमी पर भारी बोझ पड़ेगा। संजय ने कहा कि सिंचाई और बिजली क्षेत्रों के लिए किया गया आवंटन कर्मचारियों के कर्ज और वेतन को चुकाने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। "उदाहरण के लिए, सरकार ने बिजली क्षेत्र को 12,000 करोड़ रुपये आवंटित किए, जो वितरण कंपनियों को सरकारी विभागों के लंबित बकाये को चुकाने के लिए पर्याप्त नहीं है, जो 60,000 करोड़ रुपये के भारी नुकसान का सामना कर रहे हैं,।" राज्य को धन जारी नहीं करने के लिए केंद्र की आलोचना करने के लिए राज्य सरकार की गलती ढूंढते हुए, भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बजट दस्तावेज में उल्लिखित कई योजनाएं केंद्र द्वारा वित्त पोषित थीं। उन्होंने इसे वित्त मंत्री द्वारा संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के वादे को मजाक बताया।

किसानों ने किया सड़क जाम, कपास की कीमत बढ़ाने की मांग

आसिफाबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला भर में सोमवार के दिन गुस्साए किसानों ने कपास की कीमत बढ़ाने के लिए सड़क पर धरना प्रदर्शन करके रास्ता रोको आंदोलन किया। किसानों ने कपास की कीमत बढ़ाने के लिए सोमवार के दिन बंद का आह्वान किया था और उनकी मदद के लिए सभी व्यापारियों ने स्वच्छता से बंद रखें। सोमवार को आसिफाबाद जिले भर में बाजार बंद रहा। सुबह में 11:00 से किसानों ने पेद्दावागू नदी के पास सैकड़ों संख्या में जमा होकर धरना पर बैठ गए। और किसानों ने कहा कि किसान अन्नदाता रहकर भी लोगों के सामने भीख मांगने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि किसान द्वारा बड़ी मेहनत के बावजूद तैयार की गई फसल का सही दाम नहीं मिलने के कारण किसान को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने आप को कह रही है कि किसान की सरकार है लेकिन 3 महीने से आसिफाबाद के किसान अपनी कपास नहीं बेचने के कारण दाने-दाने को मोहताज हो रहे हैं। कई बार आंदोलन करने के बावजूद भी सरकार किसान के कपास के दामों में बढ़ोतरी नहीं कर रही है। कपास प्रति क्विंटल 7200 की खरीदी की जा रही है लेकिन इससे किसानों के खेती के खर्चे की भरपाई नहीं हो जा पा रही है। उन्होंने कहा कि कपास प्रति क्विंटल 15000 मे खरीदें। किसान अपनी मांग को लेकर करीब 3 घंटे तक रास्ता रोको आंदोलन किया। इसके कारण सड़क के दोनों और वाहनों की लंबी कतार लगी। किसानों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार को किसान विरोधी सरकार बताया। इसी प्रकार असीफाबाद जिले वाकडी मंडल में भी सुबह से ही किसानों ने धरना प्रदर्शन करके रास्ता रोको आंदोलन किया।

इस अवसर पर किसानों ने कहा कि तेलंगाना सरकार अपने फायदे के लिए शराब के दामों में बढ़ोतरी कर रही है लेकिन किसान के परिवार वालों के खुशहाल के लिए कपास की कीमत में बढ़ोतरी नहीं कर रही है। वाकडी में भी करीब 3 से 4 घंटे तक किसानों ने धरना प्रदर्शन करके रास्ता रोको आंदोलन किया। किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना घटे इसलिए पुलिस ने चप्पे-चप्पे पुलिस तैनात की गई। कई घंटों के बाद किसानों ने आंदोलन को खत्म किया।

सार्वजनिक प्रसारण की समस्याओं को हल करने की दिशा में कदम : अपर कलेक्टर

आसिफाबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला अपर कलेक्टर चाहत बाज पाई ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त आवेदनों की जांच कर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जायेगा। सोमवार को जिला केंद्र स्थित कलेक्टर भवन में आवेदकों से आवेदन प्राप्त हुए। जिले के बेजूर मंडल के जयहिंदपुर के ग्रामीणों ने नए तालाब की बाढ़ से प्रभावित भूमि के लिए मुआवजा राशि की मांग को लेकर एक आवेदन दिया है। पेंचिकल पेटा मंडल के दरगापल्ली गांव के साधक लस्मैया ने कहा कि वह पवित्र भूमि पर खेती करके जनकपुर गांव के बाहरी इलाके में रह रहे हैं और उन्होंने एक आवेदन प्रस्तुत किया है कि उन्हें जमीन पर एक नया पट्टादार पासबुक दी जाए और रयथु बंधु ने आवेदन किया। केरामेरी मंडल के नागल गोंडी गांव के मरुबाई, सिदाम राजू और अतराम पग्गुबाई ने अलग-अलग आवेदन देकर कहा है कि उन्होंने अपनी पट्टे की जमीन के लिए रायथू बंधु का पैसा लिया है, लेकिन फिलहाल रैतू बंधु का पैसा नहीं आ रहा है. सिरपुर (टी) मंडल केंद्र की सलीना परवीन ने एक आवेदन प्रस्तुत कर सरकार द्वारा दी जा रही दो बेडरूम वाली आवास योजना में निराश्रित व्यक्ति के रूप में आवास प्रदान करने का अनुरोध किया है। इस अवसर पर जिला अपर समाहर्ता ने कहा कि प्रजावाणी कार्यक्रम में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर निराकरण किया जायेगा। इस कार्यक्रम में संबंधित विभागों के अधिकारी व अन्य शामिल हुए।

फास्ट फूड सेंटर के कर्मचारियों पर हमला करने के आरोप में चार गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरनगर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने कथित तौर पर उन्हें स्टील प्लेट देने से मना करने पर एक फास्ट फूड सेंटर के कर्मचारियों पर हमला किया था।

चार व्यक्ति आकाश, विवेक, कल्याण और अमूल राज, भोजन के लिए यप्राल रोड स्थित एक फास्ट फूड सेंटर गए थे। जवाहरनगर पुलिस के मुताबिक, उन्होंने खाना खरीदने के बाद मजदूरों से डिस्पोजल प्लेट की जगह प्लेट देने की मांग की। जब स्टील प्लेट की उनकी मांग नहीं मानी गई तो उन्होंने होटल कर्मियों विवेक, सोया और मालिक विकास पर हमला कर दिया और उन्हें गाली दी। जवाहरनगर इंस्पेक्टर के चंद्रशेखर ने कहा कि मामला दर्ज किया गया था और क्लोज सर्किट कैमरा नेटवर्क फीड की मदद से उनकी पहचान करने के बाद सभी को हिरासत में ले लिया गया था।

कल हैदराबाद के कुछ हिस्सों में पीने के पानी की आपूर्ति बाधित होगी

हैदराबाद, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोकापेट में पाइपलाइन की मरम्मत के काम के कारण 8 फरवरी को सुबह 6 बजे से 24 घंटे के लिए पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। प्रभावित क्षेत्रों में गंदीपेट, कोकपेट, नरसिंगी, पुप्पलगुडा, मानिकोंडा, खानापुर, नेकनामपुर और मंचिरेवुला गांव शामिल हैं। शैकपेट, टोलीचौकी, गोलकुंडा, चिंतलबस्ती, विजया नगर कॉलोनी और ओल्ड मल्लेपल्ली में भी पानी की आपूर्ति बाधित होगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति से वैजाग स्टील प्लांट त्रस्त

विशाखापत्तनम, 6 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने सोमवार को इस्पात मंत्रालय से सवाल किया कि विशाखापत्तनम स्टील प्लांट अपने कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर सेवानिवृत्ति से कैसे निपट सकता है। केंद्रीय इस्पात राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा राज्य सभा में दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, जिन्होंने कहा कि विजाग स्टील प्लांट की वर्तमान कर्मचारी संख्या 14,880 है, जिसमें 1,987 कर्मचारी पिछले तीन वर्षों में सेवानिवृत्त हुए हैं और 3,209 कर्मचारी शामिल हैं। आरआईएनएल के जनशक्ति रिकॉर्ड के अनुसार अगले तीन वर्षों में 1,170 कार्यकारी कर्मचारियों और 2,039 गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के सेवानिवृत्त होने की उम्मीद है, भाजपा सांसद ने आश्चर्य व्यक्त किया कि मंत्रालय राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड से कैसे उम्मीद करता है, जिसे लोकप्रिय रूप से विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के रूप में जाना जाता है। कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर सेवानिवृत्ति के कारण कमी। मंत्री ने जवाब दिया कि गैर-प्रमुख गतिविधियों की आउटसोर्सिंग के माध्यम से और मुख्य गतिविधियों में जनशक्ति की पुन: तैनाती के माध्यम से अतिरिक्त जनशक्ति आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा था और स्पष्ट किया कि नई भर्तियों पर कोई रोक नहीं थी, हालांकि पिछले तीन वर्षों में केवल 106 नए कर्मचारियों की भर्ती की गई थी। आरआईएनएल में बड़े पैमाने पर सेवानिवृत्ति पर टिप्पणी करते हुए, नरसिम्हा राव ने आरआईएनएल के कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने आरआईएनएल में कम कर्मचारियों की संख्या के बावजूद अच्छा प्रदर्शन किया और कंपनी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया।